राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 294 | मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024 | www.jagran.com | पृष्ठ 14

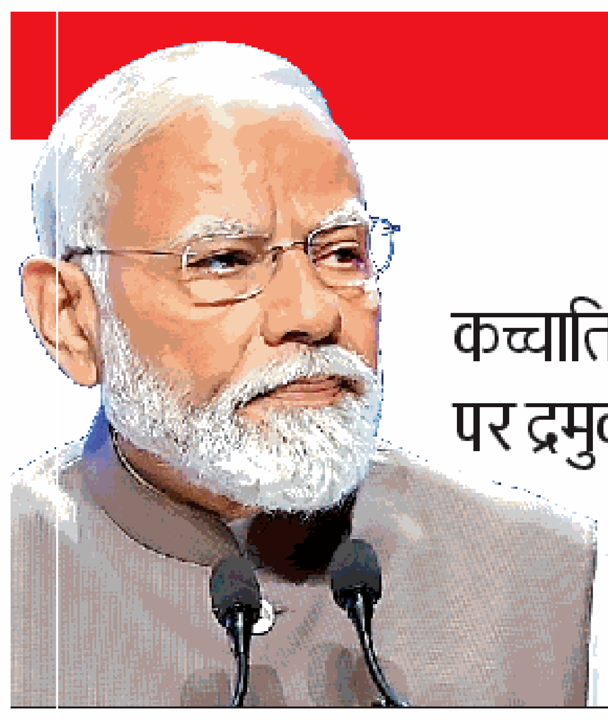

कच्चातिवु के मुद्दे पर द्रमुक बेनकाब

>>6

जागरण विशेष

आइसर ने खोजा पालीथिन का बायोडिग्रेडेबल विकल्प

भोपाल: पालीथिन के विकल्प की तलाश वर्षों से जारी है। आइसर के विज्ञानियों ने केकड़े व झींगों से प्रेरणा ले प्राकृतिक बायोडिग्रेडेबल नैनोकंपोजिट फिल्म तैयार की है, जो इसका विकल्प बन सकती है। ● पेज-7

संपादकीय

विकसित देशों से सीख ले भारत: विकसित देशों में राजनीतिक दल सरकारी नौकरियां बढ़ाने की जगह उद्योग-धंधों को बढ़ावा देकर रोजगार पैदा करने की बात करते हैं, लेकिन भारत में उलटी कहानी है। **शिवकांत शर्मा** का दृष्टिकोण।

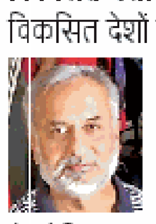

सच के साथ खड़ा होता मुस्लिम समाज : इस बार मुस्लिम समाज उन नेताओं के बहकावे में नहीं आया, जो सीएए को लेकर उसे उकसा रहे हैं। **रामिश सिद्दीकी** का आलेख। ● पेज-8

विमर्श

सामान्य जन की पहुंच में हवाई यात्रा : विमानन सेवाएं अब सिर्फ उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रहीं। देश में सामान्य जन भी हवाई सेवाओं से अपनी मंजिल तय कर रहे हैं। अरविंद कुमार मिश्रा का विश्लेषण।

लोकतंत्र की गरिमा का प्रश्न : राजनीति में अपराध की घुसपैठ लोकतंत्र पर एक धब्बा है और यह धब्बा सबसे ज्यादा अगर किसी को नुकसान पहुंचाता है तो वह है- देश की जनता। शिशिर शुक्ला का आलेख। ● पेज-9

आइपीएल

आज का मैच

आरसीबी vs लखनऊ सुपरजायंट्स

शाम 7:30 बजे | स्थान : बेंगलुरु

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

दैनिक जागरण सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

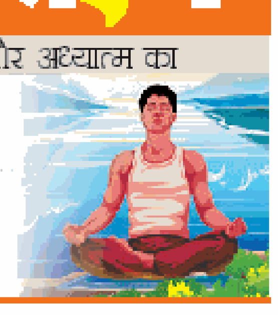

प्रेम और शांति संबंधों का आधार

जीवन में अपनाएं स्वच्छता

● पेज-13

महासमर 2024

कांग्रेस के नए खेवनहार डीके शिवकुमार पेज>>3

उत्तराखंड में जनाधार के मोर्चे पर होगी कांग्रेस की अग्निपरीक्षा पेज>>3

तृणमूल और भाजपा में मुद्दे बनाम योजनाओं की जंग पेज>>3

भाजपा के संकल्पपत्र में दिखेगा विकसित भारत का भी रोडमैप पेज>>4

महागठबंधन के लिए सिरदर्द बनीं पूर्णिया व कटिहार सीट पेज>>4

सुप्रिया श्रीनेत और दिलीप घोष की अभद्रता पर चुनाव आयोग को आपत्ति पेज>>5

तिहाड़ जेल भेजे गए सीएम केजरीवाल

आबकारी घोटाला ▶ सीएम ने ईडी को बताया- आतिशी व भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे नायर

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली

▶ जांच एजेंसी ने दोहराया, जांच में सहयोग नहीं कर रहे मुख्यमंत्री, नहीं दिया फोन का पासवर्ड

▶ तिहाड़ के जेल नंबर दो में रखे गए सीएम, 15 अप्रैल को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से करना होगा पेश

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सोमवार को नई दिल्ली में राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। प्रेट्र

देश के इतिहास में सोमवार को ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी को मुख्यमंत्री रहते हुए जेल भेज दिया गया। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में रिमांड की अवधि पूरी होने पर ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में पेश किया। यहां ईडी ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत को बताया कि हिरासत में पूछताछ के दौरान केजरीवाल ने बयान दिया है कि आरोपित आप मीडिया प्रभारी विजय नायर उनके बजाय मंत्रियों आतिशी व सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे। ईडी ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने अपने मोबाइल फोन का पासवर्ड भी अब तक उपलब्ध नहीं कराया है। ईडी ने आगे हिरासत में लेने का अधिकार सुरक्षित रखते हुए केजरीवाल का रिमांड मांगने के बजाय उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का अनुरोध किया, जिसका सीएम की ओर से विरोध नहीं किया गया। इस पर अदालत ने उनको 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। कड़ी सुरक्षा में उनको तिहाड़ के जेल नंबर दो ले जाया गया।

ईडी ने अदालत के समक्ष कहा कि केजरीवाल पूछताछ के दौरान जांच एजेंसी को गुमराह कर रहे थे। ईडी ने दावा किया कि केजरीवाल ने पूछताछ के दौरान गोलमोल जवाब दिए और जानकारी छिपाई। नौ दिनों की अवधि में केजरीवाल से बयान लिए गए और उनका विभिन्न गवाहों, सरकारी गवाहों और अन्य सह-अभियुक्तों के बयानों से सामना कराया गया।

ईडी ने कहा कि केजरीवाल अत्यधिक प्रभावशाली हैं और अगर उन्हें रिहा किया जाता है तो वह गवाहों को प्रभावित करने के साथ ही सुबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। वहीं, दूसरी तरफ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से केजरीवाल की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश गुप्ता ने न्यायिक हिरासत की जांच एजेंसी की मांग का विरोध नहीं किया। उनका मानना है कि अभियुक्त के पास आवेदन में लंबित शेष तर्कों का उत्तर देने का अधिकार सुरक्षित है। अदालत ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि केजरीवाल को 15 अप्रैल को दोपहर दो बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश करें।

बैठकों में नायर के शामिल होने के सवाल को टाल गए केजरीवाल... : ईडी के मुताबिक, केजरीवाल ने बयान में कहा है कि विजय नायर के साथ उनकी बातचीत सीमित थी। हालांकि, नायर के बयानों से पता चला है कि वह एक कैबिनेट मंत्री के बंगले में रहते थे और मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय से काम करते थे। ईडी ने कहा कि जो व्यक्ति आप के अन्य नेताओं को रिपोर्ट करता था, वह सीएम कैंप कार्यालय से काम क्यों करेगा। इस मामले में केजरीवाल जवाब देने से बचते रहे।

जांच एजेंसी ने कहा कि हिरासत के दौरान केजरीवाल को शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं के साथ ही दिनेश अरोड़ा और अभिषेक बोइनपल्ली जैसे बिचौलियों सहित शराब व्यवसाय में शामिल अन्य सह-आरोपितों व विजय नायर की दस से अधिक बैठकों के सुबूत दिखाए गए। पूछा गया कि नायर किस अधिकार से इन बैठकों में शामिल हुए थे, लेकिन उक्त लोगों के बारे में अनभिज्ञता जताते हुए केजरीवाल ने सवाल टाल दिया। ईडी ने कहा कि इन साजिशों या बैठकों का अंतिम लाभ आप को गोवा चुनाव अभियान में मिला।

(पेज-2 भी देखें)

45 करोड़ के हवाला हस्तांतरण के केजरीवाल को दिखाए सुबूत...

ईडी ने अदालत के समक्ष कहा कि हिरासत के दौरान केजरीवाल को लगभग 45 करोड़ रुपये के हवाला हस्तांतरण के सुबूत दिखाए गए। इसकी पुष्टि सीडीआर लोकेशन, काल रिकार्ड, वाट्सएप चैट, गोवा में हवाला फर्म के जब्त किए गए डेटा और किए गए भुगतान के सुबूत से हुई थी। गोवा चुनाव अभियान पर काम करने वाले गवाहों के कई बयान भी दिखाए गए। सुबूत दिखाने के बाद भी केजरीवाल ने तथ्यों से अनभिज्ञता जताई, जबकि आप इस धनराशि की लाभार्थी है और केजरीवाल पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं।

घर का बना विशेष आहार ले सकेंगे केजरीवाल....

केजरीवाल ने अदालत से जेल में श्रीमदभगवद्गीता, रामायण और नीरजा चौधरी की लिखी पुस्तक 'हाउ प्राइमिनिस्टर्स डिसाइड' के साथ ही दवाएं और विशेष आहार उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। 'हाउ प्राइमिनिस्टर्स डिसाइड' किताब में देश के छह प्रधानमंत्रियों द्वारा लिए गए छह बड़े निर्णयों के पीछे के कारणों का उल्लेख किया गया है। अदालत ने केजरीवाल को डाक्टरों द्वारा लिखी गई दवाएं और घर का बना हुआ विशेष आहार उपलब्ध कराने की अनुमति दी। शुगर लेवल अचानक गिरने की स्थिति में ग्लूकोज, टाफी और केला व ईसबगोल भी उपलब्ध कराने का जेल अधीक्षक को निर्देश दिया। साथ ही गले में उनके द्वारा पहने गए धार्मिक लाकेट व चश्मा ले जाने की भी अनुमति दी।

ज्ञानवापी तलगृह में पूजा पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ मस्जिद पक्ष ने पूजा की अनुमति के इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय को दी थी चुनौती

▶ शीर्ष कोर्ट ने पूजा में यथास्थिति बनाए रखने का दिया आदेश, कहा- नमाज भी जारी रहेगी

सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी स्थित व्यास जी के तलगृह में चल रही पूजा-अर्चना पर रोक लगाने से सोमवार को इन्कार कर दिया। कोर्ट ने तलगृह में पूजा-अर्चना के जिला अदालत और हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली मसाजिद कमेटी की याचिका पर काशी विश्वनाथ मंदिर के ट्रस्टियों और पुजारी शैलेन्द्र व्यास को नोटिस भी जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि तलगृह में पूजा के संबंध में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा, यथास्थिति कायम रहेगी और मुसलमानों की नमाज भी जारी रहेगी। कोर्ट ने माना कि तलगृह में पूजा से नमाज पर असर नहीं पड़ रहा है। मुसलमान नमाज के लिए उत्तर की तरफ से बिना बाधा प्रवेश करते हैं, जबकि तलगृह में पूजा के लिए पुजारी दक्षिणी प्रवेश द्वार से जाते हैं।

वाराणसी की अदालत ने 31 जनवरी को ज्ञानवापी में व्यास जी के तलगृह में पूजा-अर्चना की अनुमति दे दी थी। जिला अदालत ने माना था कि पूजा अनुष्ठान रोकने का उत्तर प्रदेश सरकार का 1993 का आदेश अवैध था। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी इस आदेश को बरकरार रखा था। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर व्यास जी के तलगृह में पूजा की इजाजत के आदेश को चुनौती दी है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सोमवार को मामले पर करीब दो घंटे तक सुनवाई करने के बाद उक्त आदेश दिए। इससे पहले मसाजिद कमेटी की ओर से वरिष्ठ वकील हुजैफा अहमदी ने कहा कि इस मामले में वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी में व्यास जी के तलगृह में पूजा की इजाजत दे दी है। जिला अदालत ने 31 जनवरी को यह आदेश दिया और आदेश लागू करने के लिए सात दिन का समय दिया, लेकिन प्रशासन ने आनन-फानन में चार घंटे में ही आदेश लागू कर दिया। सुप्रीम कोर्ट पूजा पर रोक लगा दे क्योंकि इस तरह थोड़ा-थोड़ा करके उनकी मस्जिद हथियाई जा रही है। प्रशासन ने इतनी फुर्ती से आदेश लागू किया कि उन्हें उसे कानूनन चुनौती देने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा कि 1993 से 2023 तक 30 वर्ष कोई पूजा नहीं हुई थी व पूरा मस्जिद परिसर उनके कब्जे में था, लेकिन अब धीरे-धीरे यह उनसे छिन रहा है।

अहमदी बोले, अभी रोक नहीं लगी तो बाद में कहा जाएगा पूजा तो चल रही पेज>>6

पहली बार भारत का रिकार्ड 21 हजार करोड़ का रक्षा निर्यात

▶ रूस, यूएई, सऊदी अरब, इजरायल, इटली समेत 84 देशों को बेचे उत्पाद

▶ रक्षा उत्पादों के निर्यात में एक वित्त वर्ष में 32.5 प्रतिशत का आया उछाल

नई दिल्ली, एएनआइ : देश का रक्षा निर्यात पहली बार बेतहाशा बढ़ा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में रक्षा निर्यात 21 हजार करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंटरनेट मीडिया पर देश की एक बहुत बड़ी सफलता की घोषणा कर बताया कि भारत ने 84 देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेचकर यह चमत्कारिक लगने वाला लक्ष्य हासिल किया है। इस दिशा में सिर्फ एक वित्त वर्ष में 32.5 प्रतिशत का उछाल आया है। पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 18,920 करोड़ रुपये ही था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट करके बताया कि भारत ने एक बड़ा रक्षा आयातक देश से एक बड़ा रक्षा निर्यातक देश बनने की दिशा में अहम कदम उठाया है। भारत ने पहली बार वित्त वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात किया है। वर्ष 2013-14 के मुकाबले रक्षा निर्यात में 31 गुना बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय ने कई ऐसे कदम उठाए जो इस रूप में फलीभूत हुए। रक्षा निर्यात बढ़ाने के लिए नासिर्फ भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र को प्रेरित किया गया बल्कि तकनीकी रूप से आधुनिक बनाने की सुविधाएं बढ़ाई गई हैं। भारत के रक्षा निर्यात की इस सफलता की कहानी को अंजाम तक पहुंचाने में करीब 50 भारतीय कंपनियों ने अहम योगदान दिया है। इन कंपनियों ने अन्वेषण के साथ ही गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखते हुए भारत की रक्षा उपकरणों और तकनीकों के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विश्व पटल पर स्थापित कर दिया है।

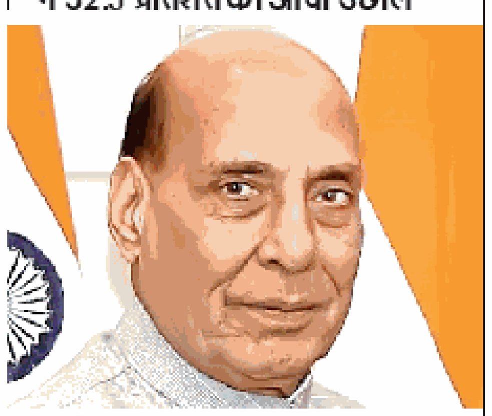

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। फाइल

एएलएच हेलीकाप्टर, कोस्टल सर्विलांस सिस्टम का निर्यात

भारत के रक्षा निर्यातक भौगोलिक रूप से विश्व के कोने-कोने तक अपनी पहुंच बना चुके हैं। देश के निर्यात किए उत्पाद इटली, मालदीव, श्रीलंका, रूस, यूएई, पोलैंड, फिलीपींस, सऊदी अरब, मिस्र, इजरायल, स्पेन, चिली समेत कई अन्य देशों तक पहुंच रहे हैं। भारतीय रक्षा उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को वैश्विक स्वीकृति मिल चुकी है। जिन भारतीय रक्षा उत्पादों का अधिकाधिक निर्यात किया जा रहा है, उनमें निजी सुरक्षा उपकरण, आफशोर पेट्रोल व्हिकिल, एएलएच हेलीकाप्टर, एसयू एवियानिक्स, कोस्टल सर्विलांस सिस्टम, लाइट इंजीनियरिंग मैकेनिकल पार्ट्स, कवच एमओडी अन्य कई रक्षा उपकरण शामिल हैं। इन अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों और तकनीकों के चलते अंतरराष्ट्रीय खरीददारों की भारतीय उत्पादों में विशेष रुचि है।

'चुनाव होने तक कांग्रेस से नहीं होगी कर वसूली'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ आयकर विभाग की ओर से एसजी तुषार मेहता ने दिया सुप्रीम में भरोसा

▶ कांग्रेस के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, जितना वसूला गया वह गलत

लोकसभा चुनाव के समय में कांग्रेस के लिए राहत की खबर है। 3567 करोड़ के आयकर नोटिस का सामना कर रही कांग्रेस को फिलहाल आयकर की कार्रवाई से राहत मिल गई है। आयकर विभाग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि चुनाव को देखते हुए फिलहाल इस मामले में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने आयकर विभाग की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा दिए गए इस बयान को आदेश में दर्ज करते हुए कांग्रेस की याचिका पर सुनवाई 24 जुलाई तक के लिए टाल दी। वैसे कांग्रेस की दलील से यह संकेत जरूर मिल गया है कि वह आयकर विभाग की ओर से भेजे गए 3500 करोड़ के नोटिस से भले ही सहमत न हो, लेकिन नियम उल्लंघन के मामले में पेनाल्टी को खारिज नहीं कर रही है।

कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि याचिका दाखिल कर हाई कोर्ट के 2016 के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। साथ ही पार्टी ने एक अर्जी भी दाखिल की है, जिसमें आयकर विभाग की ओर से डिमांड नोटिस भेजकर विशेषकर मार्च 2024 में की गई मांगों का मुद्दा उठाया गया है। लेकिन आगे यह भी कहा कि फिलहाल जो 135 करोड़ रुपये कांग्रेस के खाते से जब्त किए गए हैं, उसमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही लिया जाना चाहिए था।

सोमवार को यह मामला न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए लगा था। जैसे ही मामला सुनवाई के लिए आया, आयकर विभाग की ओर से पेश सालिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि वह कुछ कहना चाहते हैं। उन्होंने कोर्ट से कहा कि याचिकाकर्ता एक राजनीतिक दल है, अभी चुनाव है। ऐसे में विभाग 1700 करोड़ के भेजे गए डिमांड नोटिस पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा। कोर्ट इस मामले की सुनवाई जून के दूसरे सप्ताह तक टाल दे।

मेहता ने थोड़ा और ब्योरा देते हुए कहा कि आयकर विभाग ने हाई कोर्ट के 2016 के फैसले के आधार पर जिसमें हाई कोर्ट ने आयकर आकलन के मानक तय किए हैं, याचिकाकर्ता (कांग्रेस पार्टी) को 2021 में डिमांड नोटिस भेजा था। उसमें उसे 20 प्रतिशत अदा करने का विकल्प दिया गया था। लेकिन, इसे नहीं चुकाया गया।

सालिसिटर जनरल की ओर से कार्रवाई न करने के बयान को सिंघवी ने सराहा पेज>>6

दिल्ली के जगतपुर गांव में घुसा तेंदुआ, हमले में 10 लोग घायल

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली के बुराड़ी क्षेत्र के जगतपुर गांव में सोमवार सुबह करीब छह बजे एक तेंदुए ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हमले में दिल्ली पुलिस के जवान और उनके भाई समेत लगभग 10 लोग घायल हो गए। घायलों में एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। करीब छह घंटे बाद वन एवं वन्य जीव विभाग की टीम ने तेंदुए को बेहोश किया और पिंजरे में बंद कर अपने साथ ले गई। (पेज-2)

झारखंड : आपरेशन में नर्स ने काट दी प्रसूता की नस, मौत

गोड्डा : झारखंड में गोड्डा के सदर अस्पताल में चिकित्सक की अनुपस्थिति में नर्स ने प्रसूता का आपरेशन कर गर्भ को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, परंतु प्रसूता की जान चली गई। स्वजन का आरोप है कि नर्स की लापरवाही से प्रसूता की नस कट गई और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। सिविल सर्जन ने मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर रिपोर्ट तलब की है। (पेज-7)

अप्रैल से जून तक देश में पड़ेगी भीषण गर्मी

नई दिल्ली : मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि देश में इस वर्ष अप्रैल से जून की अवधि में अत्यधिक गर्मी पड़ने का अनुमान है। इसी अवधि में देश में आम चुनाव भी होने जा रहे हैं। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि चुनाव के दौरान बाहरी गतिविधियों में संभावित बढ़ोतरी से लोगों के लिए गर्मी से खतरा बढ़ सकता है। (पेज-7)

दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमला, छह मरे

दमिश्क : सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास परिसर में बनी महत्वपूर्ण इमारत सोमवार को हवाई हमले में बर्बाद हो गई। हमले में इमारत में मौजूद ईरान के सैन्य सलाहकार जनरल मुहम्मद अली रेजा जाहेदी सहित छह लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। सीरिया और ईरान ने इसे इजरायल की कार्रवाई बताया है। (पेज-11)

दो टूक

अरुणाचल की 30 जगहों को चीन ने दिए नए नाम, जारी की चौथी सूची, पिछले महीने भी अरुणाचल पर चीन के दावे को भारत ने किया था खारिज

अरुणाचल की जगहों का नाम बदलने से कुछ नहीं होगा : भारत

नई दिल्ली, प्रेट्र : अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों को चीन द्वारा नया नाम देने का भारत ने करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारतीय राज्य था, है और भविष्य में भी रहेगा। सोमवार को सूरत में पत्रकारों से बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि नाम बदलने से कुछ हासिल नहीं होगा। अगर मैं आपके घर का नाम बदल दूं, तो क्या वह मेरा हो जाएगा?

इससे पहले अरुणाचल को लेकर चीन ने एक और विवादित कदम उठाया। राज्य पर अपना दावा पेश करने की कोशिशों के बीच उसने भारतीय राज्य में 30 स्थानों के नए नामों की चौथी सूची जारी कर दी। सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने रविवार को बताया कि चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने जंगनान में मानकीकृत भौगोलिक नामों की चौथी सूची जारी की है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जंगनान कहता है और दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में इस राज्य पर अपना दावा करता है। मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के लिए अतिरिक्त नाम पोस्ट किए गए।

एस जयशंकर। प्रेट्र

रिपोर्ट में कहा गया है कि नए नाम एक मई से प्रभावी होंगे। विदेशी भाषाओं में ऐसे नाम जो चीन के क्षेत्रीय दावों और संप्रभुता अधिकारों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, उन्हें बिना प्राधिकार के सीधे उद्धृत या अनुदित नहीं किया जाएगा। चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश के छह स्थानों के मानकीकृत नामों की पहली सूची 2017 में जारी की थी। 15 स्थानों के नए नामों की दूसरी सूची 2021 में जारी की गई। इसके बाद 2023 में 11 स्थानों के नामों की एक और सूची जारी की गई।

अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए चीन के हालिया बयानों की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राज्य की यात्रा के समय हुई। पीएम मोदी ने नौ मार्च को अरुणाचल प्रदेश में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग का उद्घाटन किया था। चीन ने पीएम मोदी की यात्रा को लेकर राजनयिक विरोध दर्ज कराया। साथ ही चीन के विदेश और रक्षा मंत्रालय ने क्षेत्र पर अपना दावा जताने के लिए कई बयान जारी किए। हालांकि, भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन की टिप्पणियों को बेतुका बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। चीन इस मुद्दे पर अमेरिका से भी उलझ चुका है। पिछले महीने अमेरिका ने जब कहा कि वह अरुणाचल प्रदेश को भारतीय क्षेत्र के रूप में मान्यता देता है, तो चीन ने इसका विरोध किया। कहा कि भारत-चीन का सीमा विवाद दोनों देशों के बीच का मुद्दा है। वाशिंगटन का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

****

133 रहा सोमवार को दिल्ली का एक्यूआइ। एक दिन पहले रविवार को यह 242 यानी 'खराब' श्रेणी में था। चौबीस घंटे के अंतराल में इसमें 109 अंकों का सुधार हुआ है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 2 अप्रैल, 2024

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवा चलेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
2 अप्रैल	33.0	18.0
3 अप्रैल	35.0	20.0
नोएडा		
2 अप्रैल	33.0	18.0
3 अप्रैल	33.0	18.0
गुरुग्राम		
2 अप्रैल	34.0	19.0
3 अप्रैल	34.0	20.0

डिग्री सेल्सियस में

जल बोर्ड घोटाला : ईडी के आरोपपत्र पर सुनवाई कल

नई दिल्ली: दिल्ली जल बोर्ड में अनियमितताओं से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी के आरोप पत्र पर पर कोर्ट तीन अप्रैल को सुनवाई करेगा। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष जज भूपेंद्र सिंह ने कहा कि अभी दस्तावेजों का पुनरीक्षण बाकी है। ईडी ने अदालत में लगभग आठ हजार पन्नों का आरोपपत्र दायर किया था। आरोपपत्र में पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश कुमार अरोड़ा, ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल, एनबीसीसी के पूर्व महाप्रबंधक डीके मित्तल, तेजिंदर सिंह और एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को आरोपित बनाया गया है। ईडी ने इन आरोपितों पर पीएमएलए के तहत मुकदमा चलाने की मांग की है। (जासं)

आप ने फिर दोहराया, केजरीवाल ही रहेंगे मुख्यमंत्री

आरोप ▶ आप बोली, भाजपा नहीं चाहती केजरीवाल चुनाव में प्रचार करें, इसलिए भेजा जेल

कहा, विधायकों को तोड़ कर दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहती है भाजपा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

जस्मिन शाह। फाइल

आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट किया है कि जेल भेजे जाने के बावजूद अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। आप नेता जस्मिन शाह ने केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजने पर प्रश्न खड़ा किया। आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने दो मकसद को पूरा करने के लिए केजरीवाल को जेल भिजवाया है। भाजपा नहीं चाहती कि केजरीवाल लोकसभा चुनाव में प्रचार कर पाएं। साथ ही, वह आप के विधायकों को तोड़कर दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहती है।

जस्मिन शाह ने कहा कि ईडी ने 11 दिन तक केजरीवाल से पूछताछ की, लेकिन उसको कुछ नहीं मिला। ऐसे में अब तक उनको रिहा कर देना चाहिए। पहले यही ईडी कहती थी कि हमें केजरीवाल से केवल पूछताछ करनी है, इसलिए उनको नौ समन भेजे हैं। उन्होंने कहा कि शुरू से ही भाजपा और ईडी का षड्यंत्र था कि कैसे भी केजरीवाल को जेल में डालो, ताकि चुनाव प्रचार न कर पाएं। मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसका एक मात्र मकसद लोकसभा चुनाव के दौरान उनके पति को जेल में डालना है। कहा कि देश की जनता इस तानाशाही का जवाब देगी।

नायर के डेढ़ साल पुराने बयान को आज उछाल रही ईडी : आबकारी घोटाले के आरोप में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता विजय नायर के बयान के आधार पर आप के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज का नाम ईडी द्वारा लिए जाने पर जस्मिन शाह ने कहा कि जब विजय नायर को हिरासत में लिया गया था, तब उन्होंने यह बात कही थी कि मैं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को रिपोर्ट नहीं करता। मैं आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता हूं। उन्होंने कहा कि जो बयान पिछले डेढ़ साल से लिखित रूप में ईडी के पास था, उसको ईडी को आज कोर्ट में उठाने की जरूरत क्या थी?

संवैधानिक पहलुओं को ध्यान में रखकर होगा दिल्ली पर निर्णय : सुधांशु त्रिवेदी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अदालत ने तथ्यात्मक आधार पर अरविंद केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजा है। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को लेकर कुछ नहीं कहा है। इससे संवैधानिक व नैतिक प्रश्न खड़े होते हैं। सभी संवैधानिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सतर्कता व सजगता के साथ इस मामले में उचित कदम उठाया जाएगा।

सुधांशु त्रिवेदी। फाइल

प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने अपने गुरु अन्ना हजारे को धोखा दिया। अब उनके गुरु लालू यादव हो गए हैं। लालू यादव ने भी जेल जाने से पहले इस्तीफा दे दिया था, लेकिन केजरीवाल ने अभी तक इस्तीफा नहीं दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार केजरीवाल ने कहा है कि आरोपित विजय नायर मंत्री आतिशी व सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था। इससे लगता है कि आप के सभी नेता इस घोटाले में शामिल।

पार्टी प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा कि केजरीवाल पहले कागज लहराते हुए जिसे चोर कहते थे, अब वह सभी उनके बचाव में उतर गए हैं। अपने पुराने साथियों के बाद अब नए सहयोगियों के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि केजरीवाल स्वराज से शराब तक, अन्ना से लालू तक, झाड़ू से दारू तक, इस्तीफा मांगने वाले से इस्तीफा नहीं दूंगा तक और भ्रष्टाचार हटाओ से भ्रष्टाचार बचाओ तक पहुंच गए।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यदि केजरीवाल में नैतिकता बची हुई है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। उनकी गिरफ्तारी से लोग खुश हैं। सौरभ भारद्वाज व आतिशी का नाम लेकर उन्होंने अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने का रास्ता साफ किया है। आप में सत्ता संघर्ष चल रहा है।

'सीएम के आदेश जारी करने पर कोर्ट के समक्ष स्थिति रिपोर्ट पेश करे ईडी'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ **जनहित याचिका में ईडी हिरासत के दौरान सीएम के आदेश पारित करने को दी गई थी चुनौती**

▶ **ईडी ने कहा, उसे मामले की जानकारी है, लेकिन उसने कोई बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं कराया**

आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ईडी कस्टडी में रहते हुए आदेश जारी करने के मामले में हाई कोर्ट ने ईडी को संबंधित विशेष न्यायाधीश के समक्ष स्थिति रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर विशेष न्यायाधीश को कानून के मुताबिक आदेश पारित करने का निर्देश दिया जाता है।

सुरजीत सिंह यादव की ओर से दायर जनहित याचिका में केजरीवाल को ईडी की हिरासत में रहते हुए मुख्यमंत्री के रूप में आदेश जारी करने से रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। तर्क दिया गया था कि सीएम के रूप में केजरीवाल का इस तरह आदेश जारी करना कानूनी ढांचे के साथ-साथ निष्पक्ष और उचित जांच के सिद्धांत के खिलाफ है। याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि एजेंसी को याचिका में उठाए गए मुद्दे का ज्ञान है और वह आदेश पारित करने के लिए उनको कोई बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं करा रही है। अगर मुलाकात के जरिये प्रक्रिया का दुरुपयोग किया गया है, तो इस पर ध्यान देना होगा। हिरासत में मुख्यमंत्री द्वारा एक आदेश पारित किए जाने को लेकर कोई संशय नहीं है। ईडी की दलीलों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने कहा कि यह तथ्य इस मामले की सुनवाई कर रही विशेष न्यायाधीश के ध्यान में लाया जाए। साथ ही सुझाव दिया कि ईडी याचिका को प्रतिवेदन के तौर पर लेकर अपना मत विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश करे। मुख्यमंत्री की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिका पर सुनवाई का कोई अधिकार नहीं है और ईडी इस मामले से निपटने में सक्षम है। केजरीवाल के अधिवक्ता ने कहा कि हाई कोर्ट के समक्ष दायर की गई यह तीसरी याचिका है और उनके पास कोई निर्देश नहीं है कि केजरीवाल हिरासत में रहते हुए आदेश पारित कर रहे थे या नहीं।

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बुलाए गए विस सत्र में हुई राष्ट्रपति शासन पर चर्चा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के मुद्दे पर बुलाए गए दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में सोमवार को राष्ट्रपति शासन के कयासों पर चर्चा हुई। सत्ता पक्ष के विधायकों ने भाजपा पर आम आदमी पार्टी तोड़ने और विधायकों को प्रलोभन देने का आरोप भी लगाया।

किराड़ी से आप विधायक ऋतुराज झा ने आरोप लगाया कि भाजपा ने उन्हें पार्टी से अलग होने और 10 विधायकों को अपने साथ लाने के लिए 25 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ संपर्क किया था। उन्होंने कहा, 'रविवार को मैं महारैली के बाद एक विवाह में बवाना के दरियापुर गया था। वहां कुछ लोग मुझे एक तरफ ले गए और कहा 'देख लेना अगर तुम नहीं मानोगे, तो कुछ नहीं मिलेगा, राष्ट्रपति शासन लग जाएगा। तुम 10 विधायक ले आओ हम हर किसी को 25 करोड़ रुपये देंगे। आपको भाजपा सरकार में मंत्री बनाया जाएगा।' यह कहते हुए कि आप विधायक पार्टी नहीं छोड़ेंगे, झा ने भाजपा पर अपना हमला तेज करते हुए कहा कि आपरेशन लोटस फिर से शुरू हो गया है।

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान भाजपा के विधायक विजेंद्र गुप्ता व अनिल कुमार वाजपेयी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग करते हुए। ध्रुव कुमार

वहीं, भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने झा से पूछा कि क्या उन्होंने इसके बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है? आप विधायकों ने पहले भी कई बार आरोप लगाया है लेकिन आप कब तक झूठ बोलेंगे?

कांग्रेस ने ही की थी आबकारी घोटाले की शिकायत : विजयन

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : दिल्ली में आइएनडीआइए की रैली के एक दिन बाद ही विपक्षी गठबंधन में दरार सामने आई है। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस को घेरा है। वरिष्ठ माकपा नेता ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दिल्ली आबकारी नीति मामले की जांच की मांग थी। विजयन ने राज्य की वायनाड सीट से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह यहां से क्यों दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। माकपा आइएनडीआइए का हिस्सा है और वह माकपा उम्मीदवार के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे हैं तो भाजपा को टक्कर कैसे देंगे।

केरल के मुख्यमंत्री ने कोझिकोड में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान एक प्रेस कान्फ्रेंस में यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस ही थी, जिसने दिल्ली सरकार के विरुद्ध आरोप लगाए और ईडी जांच की मांग की थी। उसी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी के चलते ईडी जांच की राह प्रशस्त हुई थी।

तिहाड़ की सेल में अकेले रखे गए हैं केजरीवाल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ **सुरक्षा कारणों से सेल में मुख्यमंत्री के रहने का किया गया है वंदोवस्त, तीन स्तर की सुरक्षा**

▶ **जेल के वाहर आप कार्यकर्ताओं के जमावड़े को देखते हुए दो थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा**

आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कोर्ट के आदेश पर न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिए गए। यहां उन्हें जेल संख्या दो में रखा गया है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें बैरक के बजाय सेल में रखा गया है। बैरक बड़े हाल को कहते हैं जिसमें 25-30 कैदी रखे जा सकते हैं, जबकि सेल में न्यूनतम एक व अधिकतम पांच कैदी साथ रह सकते हैं। सेल में फिलहाल केजरीवाल अकेले हैं। जेल प्रशासन के अनुसार कोर्ट के निर्देश के अलावा मुख्यमंत्री को यहां कोई विशेष सुविधा नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री के न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल पहुंचने की खबर जब आप कार्यकर्ताओं को मिली तो सभी जेल रोड पर गेट नंबर तीन पर जुटना शुरू हो गए। कार्यकर्ताओं की भीड़ से कोई अप्रिय स्थिति न हो, इसके लिए पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हरिनगर थाना (इसी थाना क्षेत्र में तिहाड़ जेल परिसर आता है) के साथ ही पश्चिमी जिला के अंतर्गत आने वाले कई थानों के पुलिस अधिकारी बुला लिए गए। जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने खुद कमान संभाल ली।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन में तिहाड़ जेल के बाहर प्रदर्शन कर रहे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लगाया जाम। विपिन शर्मा

कार्यकर्ताओं को जेल रोड पर जैसे ही कोई जेल वैन नजर आती, वे सड़क के बीच पहुंच जाते थे। कार्यकर्ताओं के लिए स्थिति तब स्पष्ट हो गई जब नांगलराया की ओर से आ रही जेल वैन को देखकर मार्ग पर यातायात को तत्काल रोक दिया गया। इसी जेल वैन में मुख्यमंत्री थे।

तीन स्तर की सुरक्षा

जेल प्रशासन के अनुसार मुख्यमंत्री के सेल के आसपास तीन स्तर की सुरक्षा है। पहले स्तर पर सीसीटीवी कैमरे का पहरा है। सेल व आसपास करीब आधा दर्जन सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिसकी जेल के महानिदेशक खुद मानीटरिंग करेंगे। सेल की सुरक्षा के लिए एक हेड वार्डर 24 घंटे यहां तैनात रहेगा। इससे आगे जेल की क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) टीम भी निगरानी रहेगी।

जेल संख्या दो में अभी क्षमता से अधिक कैदी

जेल संख्या दो में 455 कैदियों को रखने की क्षमता है। इस जेल में अमूमन सजायाफ्ता कैदियों को जगह दी जाती है। इसकी वजह यह है कि इस जेल में तिहाड़ की बड़ी फैक्ट्रियां हैं। वर्तमान में यहां 635 कैदी हैं। इनमें करीब 600 सजायाफ्ता हैं। कुछ दिन पूर्व तक इस जेल में आबकारी नीति घोटाले में ही आप नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह बंद थे। फिलहाल उन्हें स्थानांतरित करके जेल संख्या पांच में भेज दिया गया है।

62 रुपये की यात्रा का बिला आया 7.66 करोड़, वीडियो प्रसारित

जागरण संवाददाता, नोएडा : नोएडा के एक युवक ने उबर एप से आटो बुक किया, लेकिन उसका बिल 62 रुपये की जगह 7.66 करोड़ रुपये आ गया। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में आटो बुक कराने वाला युवक यात्रा को मंगल ग्रह पर जाने जितना महंगा बता रहा है। इस वीडियो को एक्स पर साझा किए जाने के बाद कई ने प्रतिक्रिया दी है। मामले पर उबर इंडिया सपोर्ट के आधिकारिक एक्स हैंडल से खेद प्रकट किया गया है। कंपनी ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। वहीं नोएडा पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलती है तो मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आशीष मिश्रा नाम के एक युवक ने 29 मार्च को 22 सेकेंड के एक वीडियो को एक्स पर पोस्ट करके लिखा है कि 62 रुपये में आटो बुक करके तुरंत बनें करोड़पति कर्जदार। प्रसारित वीडियो में दीपक कह रहे हैं-उनकी राइड का सात करोड़ 66 लाख 83 हजार 762 रुपये का बिल आया है। इतने जीरो तो कभी गिने भी नहीं हैं। यह वह बिल है जिसमें कोई भी वैट या जीएसटी नहीं है।

के. कविता की जमानत याचिका पर चार अप्रैल को होगी सुनवाई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ **अधिवक्ता ने कहा कि पहले और न ही अनुपूरक आरोपपत्र में कविता को वनाया गया आरोपित**

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई टल गई। मामले में अगली सुनवाई चार अप्रैल को होगी। ईडी ने सोमवार को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत में के. कविता की नियमित और अंतरिम जमानत याचिका पर अपना जवाब दाखिला किया। कविता के अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत को बताया कि ईडी को जवाब की कापी पहले उन्हें मुहैया करानी चाहिए थी। न्यायाधीश ने सिंघवी से पूछा कि वह कविता की अंतरिम जमानत याचिका या नियमित जमानत याचिका पर बहस कर रहे हैं? इस पर सिंघवी ने कहा कि वह अंतरिम और नियमित जमानत दोनों के लिए बहस कर रहे हैं। अधिवक्ता ने अपनी मुवक्किल की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई की मांग करते हुए कहा कि नियमित और अंतरिम जमानत के आधार अलग होंगे।

के. कविता। फाइल

बीआरएस नेता के कविता के अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले में आरोपित अरुण पिल्लई ने दसवें बयान में के. कविता का नाम लिया था। इससे पहले नौ बयान पिल्लई ने उनके बारे में कुछ नहीं कहा था। नवंबर 2022 में इस मामले में पहला आरोपपत्र दाखिल हुआ था। इसके बाद अनुपूरक आरोपपत्र भी दाखिल हुआ, लेकिन कविता को आरोपित नहीं बनाया गया। ईडी के पास किसी को भी गिरफ्तार करने की शक्ति है, लेकिन उसके लिए गिरफ्तारी का आधार बताना होगा।

सिंघवी ने कहा कि बुची बाबू को ईडी ने आरोपित नहीं बनाया, उन्हें कभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। बुची बाबू के बयान भी विरोधाभासी हैं। ईडी निष्पक्षता से काम नहीं कर रही है। ईडी एक अभियोजन एजेंसी के रूप में नहीं बल्कि एक उत्पीड़न करने वाली एजेंसी के रूप में काम कर रही है। उनके मुवक्किल से कहा गया कि या तो हम आपको गिरफ्तार करेंगे और अगर नहीं करते हैं चूहे और बिल्ली का खेल खेलेंगे। कविता ने अपने बेटे की परीक्षा के आधार पर अंतरिम जमानत याचिका की मांग की है। ईडी ने आरोप लगाया था कि कविता वास्तव में अपने कर्मचारियों या सहयोगियों अभिषेक बोइनपल्ली और बुची बाबू के माध्यम से अपराध की आय के 100 करोड़ रुपये के हस्तांतरण में शामिल हैं, जिसका भुगतान आप नेताओं को किया गया था।

गौतमबुद्धनगर अदालत के सीसीटीवी कैमरों पर यूपी सरकार को नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गौतमबुद्धनगर जिला जज के परिसर में सीसीटीवी कैमरे के रखरखाव की कमी के अभाव में उनके खराब होने का संज्ञान लिया है। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार से इसका जवाब मांगते हुए नोटिस भेजा है। सर्वोच्च अदालत ने 21 मार्च को वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया से हाथापाई के मामले का संज्ञान लिया था और जिला अदालत परिसर के साक्ष्य मांगे थे, जो अभी तक नहीं मिले और हमलावरों की पहचान भी नहीं की गई है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की खंडपीठ ने वह इस मामले पर अगली सुनवाई अगले सोमवार को करेंगे। अगर तब तक स्थानीय बार के नेताओं ने माफी मांगी तो वह कठोर रुख नहीं अपनाएंगे। कोई भी वकील एक अदालत (जज) और वकील को अदालत से जाने को नहीं कह सकता है। वह इस मामले को बहुत गंभीरता से लेंगे। खंडपीठ ने जिला जज अमित सक्सेना की जिला अदालत के परिसर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया है।

दिल्ली जल बोर्ड के फंड के लिए राज्य के वित्त सचिव को नोटिस

▶ **खंडपीठ से आप सरकार ने कहा-नौकरशाह हमारी नहीं सुनते**

▶ **विधानसभा की मंजूरी वाद भी जल वोर्ड का 1927 करोड़ वकाया**

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के प्रधान सचिव (वित्त) को नोटिस जारी किया है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने आरोप लगाया है कि नौकरशाह उनकी नहीं सुनते हैं। विधानसभा की मंजूरी के बावजूद अधिकारियों ने दिल्ली जल बोर्ड को अभी भी 1927 करोड़ रुपये का फंड जारी नहीं किया है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सोमवार को दिल्ली सरकार के वकीलों ने बताया कि उनके नौकरशाह राज्य सरकार की नहीं सुनते हैं। दिल्ली सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और वकील शदान फरासत ने कहा कि सेवा संबंधी कानूनों के हाल के संशोधनों ने ऐसे हालात बना दिए हैं कि शहर के नौकरशाह मंत्रियों की सुनते ही नहीं हैं और उनके आदेशों का भी पालन नहीं करते हैं।

इसके बाद खंडपीठ ने कहा कि वह दिल्ली के प्रधान सचिव को नोटिस जारी कर रहे हैं। खंडपीठ ने दिल्ली के उप राज्यपाल को यह कह कर नोटिस जारी नहीं किया कि वित्त मंत्रालय के दिल्ली सरकार को फंड जारी करने में उनकी कोई भूमिका नहीं होती है। अदालत को यह जानकारी वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दी। खंडपीठ में शामिल जस्टिस जेबी पार्डीवाला और मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने बताया कि इस मामले पर अगली सुनवाई पांच अप्रैल को होगी।

इससे पहले 20 मार्च को अरविंद केजरीवाल की सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। साथ ही दिल्ली में आप सरकार को फंड की आपूर्ति को लेकर नौकरशाही की लिप्तता पर आरोप लगाया था। इस पर सीजेआइ ने आप सरकार को आश्वासन दिया था कि दिल्ली जल बोर्ड के लिए दिए जाने वाले तीन हजार करोड़ रुपये की रकम 31 मार्च को लैप्स होने के बावजूद जारी की जा सकेगी।

कोर्ट का निर्देश

डीडीए को 10 दिनों में हलफनामा दाखिल करने को कहा, डीडीए ने कहा- मदनपुर खादर क्षेत्र में 50 एकड़ जमीन चिह्नित की जाएगी

जंगल विकसित करने को जमीन का ब्योरा दे डीडीए

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से राजधानी में 50 एकड़ जमीन में जंगल विकसित करने के लिए उसके द्वारा निर्धारित की जाने वाली भूमि का विवरण देने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने डीडीए को 10 दिनों में हलफनामा दाखिल करने को कहा। अदालत ने कहा कि जंगल के निर्माण के लिए भूमि टिकाऊ होनी चाहिए।

अदालत ने दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के पास एक सड़क के निर्माण के लिए अनुमति के बिना दक्षिणी रिज क्षेत्र में कई पेड़ों को काटने पर डीडीए के खिलाफ अवमानना कार्यवाही से निपटने के दौरान ये आदेश पारित किया। अदालत ने कहा कि यथास्थिति बहाल करने में पेड़ आने में छह-सात साल लगेंगे।

डीडीए की ओर से पेश अधिवक्ता ने माफी मांगी और कहा कि पेड़ काटे गए थे, लेकिन कोई जानबूझकर अवज्ञा नहीं की गई क्योंकि फील्ड स्टाफ ने दिल्ली सरकार की कटाई के लिए अधिसूचना को गलत तरीके से समझा। जिसमें लगभग 4.9 हेक्टेयर भूमि को अंतिम अनुमति के रूप में वृक्ष अधिकारी की मंजूरी लेने से छूट दी गई थी। उन्होंने अदालत से अवमानना कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा कि वैकल्पिक जंगल विकसित करने के लिए मदनपुर खादर क्षेत्र में 50 एकड़ जमीन चिह्नित की जाएगी।

डीडीए से जवाब तलब।

न्यायमित्र के रूप में उपस्थित अधिवक्ता गौतम नारायण और आदित्य एन प्रसाद ने कहा कि बिना अनुमति के पेड़ों की कटाई के लिए डीडीए पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए और संबंधित लोगों को बचाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वनीकरण के लिए प्रस्तावित भूमि यमुना नदी के तल पर पड़ती है और इसलिए इसका उपयोग इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक भूखंड पर पौधारोपण करने के बजाय, उस स्थान पर पौधारोपण करने का निर्देश दिया जाना चाहिए, जहां कटाई हुई थी।

अदालत ने डीडीए से भूमि का विवरण बताने को कहा और कहा कि यह नदी के प्रकोप को झेलने में सक्षम होना चाहिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी पूछा कि प्रदूषण में एक फीसदी की कमी लाने के लिए कितनी जमीन को जंगल में तब्दील करने की जरूरत है? नारायण ने कहा कि इसका जवाब देने के लिए किसी विशेषज्ञ से सलाह लेनी होगी।

****

जगतपुर गांव में तेंदुआ के हमले में 10 लोग घायल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ **हमले में दिल्ली पुलिस के जवान और उनके छोटे भाई भी घायल**

▶ **छह घंटे वाद वन्य एवं प्राणी विभाग की टीम ने तेंदुए को कावू किया**

राजधानी के बुराड़ी क्षेत्र के जगतपुर गांव में सोमवार सुबह करीब छह बजे एक तेंदुए ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हमले में दिल्ली पुलिस के जवान और उनके भाई समेत लगभग 10 लोग घायल हो गए। घायलों में एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घंटे भर की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने तेंदुए को गली में घेर लिया, इसी दौरान तेंदुआ एक मकान के कमरे में घुस गया। करीब छह घंटे बाद वन एवं वन्य जीव विभाग की टीम ने तेंदुए को बेहोश किया और पिंजरे में बंद कर अपने साथ ले गई।

जगतपुर गांव की गली नंबर-1 में अचानक घरों की छत पर तेंदुआ देखकर लोग सहम गए। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई, इस कारण तेंदुआ भी बदहवासी में इधर-उधर भागने लगा। इस दौरान तेंदुए को जो भी मिला, उस पर हमला कर दिया। इसी दौरान तेंदुए का सामना करने के लिए बड़ी संख्या में युवक लाठी-डंडे लेकर गली में जमा हो गए। गोदाम से निकलकर तेंदुए ने युवकों पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। हमले में दिल्ली पुलिस के जवान विपिन और उनके छोटे भाई नितिन के अलावा दर्जनभर लोग घायल हो गए।

जगतपुर गांव की गली नंबर-1 स्थित घर में बेहोशी के इंजेक्शन के बाद बेसुध तेंदुआ। वीडियो ग्रैब

करीब सात बजे तेंदुए को कमरे में बंद कर दिया गया। इसके बाद वन एवं वन्य जीव विभाग की टीम ने घर में मौजूद बच्चों व अन्य सदस्यों को बाहर निकाला। तेंदुए को काबू करने के लिए टीम ने कमरे के बाहर आंगन में जाल लगाया और छत से रस्सियां नीचे डालीं। लेकिन, कामयाबी नहीं मिली। इसी दौरान बेहोश करने वाली टीम ने डार्ट गन (इंजेक्शन गन) के माध्यम से बेहोशी दवा तेंदुए को दागी। करीब 12 बजे टीम ने तेंदुए को बेहोशी की हालत में पिंजरे में बंद कर मकान से बाहर निकाला।

2004 के लोकसभा चुनाव में पहली बार देश के सभी मतदान केंद्रों पर 10.75 लाख ईवीएम का उपयोग किया गया था। तब से सभी आम चुनाव ईवीएम से ही कराए जा रहे हैं।

अतीत के आईने से

कागजी मतपत्र की जगह ली ईवीएम ने

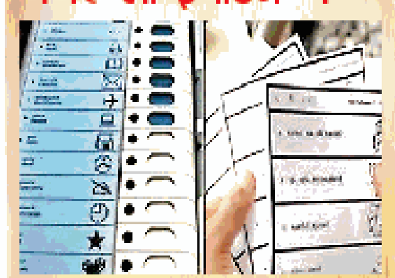

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की धुरी होते हैं। चुनाव में धनबल और धोखाधड़ी का प्रभाव रोकने तथा चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए चुनाव आयोग ने पिछली सदी के अंतिम दशक के अंत में कागजी मतपत्र की जगह ईवीएम का प्रयोग आरंभ किया।

बूथ कैप्चरिंग थी समस्या

कागजी मतपत्रों के उपयोग के साथ एक गंभीर चिंता बूथ-कैप्चरिंग थी। ईवीएम को वोट डालने की दर को प्रति मिनट पांच तक सीमित करके ऐसी धोखाधड़ी पर अंकुश लगाया जा सका। मतदान केंद्र पर बलपूर्वक कब्जा किए जाने की स्थिति में डिवाइस को निष्क्रिय करने के लिए एक क्लोज बटन भी उपलब्ध है।

मतदान में हुई वृद्धि

सेंटर फार द स्टडीज आफ डेवलपिंग सोसाइटीज द्वारा किए गए मतदान के बाद के सर्वेक्षणों के अनुसार ईवीएम पेश किए जाने के बाद महिलाओं, अनुसूचित जातियों और जनजातियों, वरिष्ठ नागरिकों और अशिक्षित मतदाताओं जैसे कमजोर समूहों के मतदान में वृद्धि हुई है। ईवीएम ने कम पढ़े-लिखे मतदाताओं द्वारा मतदान करने की संभावना 6.4 प्रतिशत तक बढ़ा दी। इससे कमजोर समूह सशक्त हुए।

अस्वीकृत की संख्या घटी

इलेक्ट्रानिक वोटिंग के कारण अस्वीकृत वोटों की संख्या में भी काफी कमी आई है। कागजी मतपत्र पर अस्पष्ट मोहर लगाने से मतपत्र खारिज हो सकता है, ईवीएम वोट दर्ज करने के लिए केवल एक बटन दबाना होता है।

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

कांग्रेस के नए खेवनहार डीके शिवकुमार

विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में भी पार्टी की पतवार कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के हाथ

संजय मिश्र ● नई दिल्ली

देश की चुनावी राजनीति में व्यक्ति केंद्रित चुनाव के बारे में चाहे कितनी भी प्रतिकूल टिप्पणियां की जाएं, पर पक्ष-विपक्ष दोनों चुनाव में 'पर्सनाल्टी कल्ट' की वास्तविकता को खारिज नहीं कर सकते। कर्नाटक में डीके शिवकुमार एक ऐसे ही चेहरा हैं, जिन पर कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं का दारोमदार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री की दोहरी जिम्मेदारी संभाल रहे डीके को राज्य की राजनीति के नए 'चट्टान पुरुष' के रूप में शुमार किया जा रहा, जिसने मुश्किल हालात में पार्टी को राज्य सत्ता के शिखर तक पहुंचाया दिया है। अब उनके लिए राष्ट्रीय मंच पर अपने सियासी पुरुषार्थ को साबित करते हुए कांग्रेस की उम्मीदों पर खरा उतरने की बहुत बड़ी चुनौती है।

कर्नाटक में लिंगायत के बाद दूसरे सबसे बड़े प्रभावशाली वोक्कालिगा समुदाय के नए 'मसीहा' के रूप में उभरे डीके के लिए 2024 चुनाव अग्निपरीक्षा की तरह है, क्योंकि बीते दो लोस चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। 2019 में तो पार्टी को राज्य की 28 में से केवल एक सीट ही मिल पाई थी। पिछले वर्ष हुए विस चुनाव में कर्नाटक में 135 सीटों के साथ बड़ी जीत दिलाने वाले डीके से पार्टी नेतृत्व की लोस चुनाव में अपेक्षाएं भी कुछ इसी तरह की हैं। हालांकि, वास्तविकता यह भी है कि विस चुनाव में भ्रष्टाचार के आरोपों की लहर के साथ संगठन के अंदरूनी कलह से बिखरी भाजपा संभल चुकी है। इसकी झलक पार्टी के भीतर तब दिखी, जब सिद्दरमैया सरकार के कई मंत्रियों ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया। राज्य से कम से कम दर्जनभर सीटें जिताने के अपने लक्ष्य में आई इस पहली बाधा से निपटने के लिए डीके ने इन मंत्रियों के निकटस्थ को मैदान में उतार मुकाबले को कांटेदार बनाने का दांव चला है।

मजबूती का प्रमाण: पिछले छह-सात वर्षों में ईडी, सीबीआइ व इनकम टैक्स की एक के बाद एक की गईं कार्रवाईयों व गिरफ्तारी के मुश्किल दौर में भी डीके न टूटे और न ही सियासी पाला बदला। कर्नाटक के सबसे अमीर राजनेताओं में शामिल डीके की शीर्ष नेतृत्व से निकटता की गहराई का संकेत यह भी है कि तिहाड़ जेल में सोनिया गांधी उनसे मिलनें गईं। जमानत पर बाहर आए तो इस घटना का जिक्र कर भावुक हुए डीके ने कर्नाटक में जीत का उपहार देने का वादा कर इसे हकीकत में तब्दील किया।

संकटमोचक के रूप में उभरे: 2014 में केंद्र की सत्ता से बाहर होने के बाद बीते करीब एक दशक से विधायकों के पाला बदलने के कारण राज्यों की सत्ता से लेकर राज्यसभा सीट गंवाने के संकट से जूझ रही कांग्रेस के लिए डीके इस मोर्चे पर सबसे बड़े संकटमोचक के रूप में भी उभरे हैं। हिमाचल प्रदेश में बड़ा बहुमत होने के बाद भी भाजपा के आपरेशन कमल से कांग्रेस राज्यसभा की सीट हार गई, मगर डीके ने इसी दौरान कर्नाटक में जेडीएस-भाजपा के ऐसे प्रयास को नाकाम कर दिया। 2017 में गुजरात के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस विधायकों को सुरक्षित रिसोर्ट में रखते हुए दिग्गज अहमद पटेल की एक वोट से जीत से लेकर झारखंड व महाराष्ट्र में सरकार बचाने के लिए विधायकों को सुरक्षित रखने में उनकी कामयाबी के अनेक उदाहरण हैं। जाहिर तौर पर शिखर नेतृत्व उम्मीद कर रहा कि इस बार चुनौतियों के विष से उबरते हुए शिवकुमार लोकसभा चुनाव में भी एक प्रमुख संकटमोचक की भूमिका निभाएंगे।

जेडीएस के फैक्टर को किया खत्म

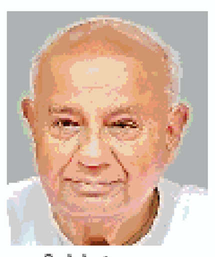

एचडी देवेगौड़ा

जेडीएस नेता व पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा परिवार की तीन दशक से वोक्कलिंगा समुदाय की लीडरशिप को कर्नाटक के 2023 के विधानसभा चुनाव में छीन लिया। इस समुदाय को अपनी ओर मोड़ लिया। इसके साथ ही सूबे में जेडीएस के त्रिकोणियी मुकाबला बनाने के फैक्टर को खत्म कर दिया। अब देवेगौड़ा परिवार अस्तित्व बचाने के लिए भाजपा की शरण में है।

भरोसे की कसौटी पर मुख्यमंत्री सिद्दरमैया से आगे

सिद्दरमैया

यह भी दिलचस्प है कि 2020 में सोनिया गांधी व राहुल गांधी की पसंद के तौर पर कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए शिवकुमार के नेतृत्व में पार्टी ने चुनावी जीत हासिल की, पर ओबीसी के सूबे के सबसे बड़े चेहरे सिद्दरमैया के मुकाबले वह मुख्यमंत्री की रेस में पिछड़ गए। कांग्रेस नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं के भरोसे की कसौटी पर वह अब भी सिद्दरमैया से आगे माने जाते हैं।

दमदार चेहरा

135 सीट विस चुनाव में जिताने में अहम भूमिका निभाई थी डीके शिवकुमार ने

28 में से केवल एक लोस सीट ही कर्नाटक में कांग्रेस जीत मिल पाई थी 2019 में

2020 में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की पसंद के तौर पर बनाए गए थे कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष

कल के अंक में पढ़ें

लोकसभा चुनाव में कुछ क्षेत्रीय चेहरे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान और प्रभाव बना रहे हैं। ऐसे ही चेहरों से आपको परिचित करती सीरीज 'दमदार चेहरा' में बुधवार को पढ़िए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और ओबीसी वर्ग के नेता **डा. मोहन यादव** के बारे में।

उत्तराखंड में जनाधार के मोर्चे पर होगी कांग्रेस की अग्निपरीक्षा

रविंद्र बड़थ्वाल ● देहरादून

उत्तराखंड में पिछले दो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का मत प्रतिशत तेजी से गिरा है। हालांकि, फिर भी यह 30 प्रतिशत से अधिक रहा है। मत प्राप्ति की दौड़ में लगातार पिछड़ने के बाद भी जनाधार बढ़ाने के लिए कांग्रेस के प्रदेश से लेकर केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर न सतर्कता दिखाई पड़ रही और न ही इच्छाशक्ति। पहले प्रत्याशियों के चयन और अब चुनाव प्रचार पर असमंजस और आंतरिक गुटबाजी की छाया साफ दिख रही है। नामांकन वापसी के बाद प्रदेश की पांचों सीट पर चुनावी रण उफान ले रहा है, लेकिन पार्टी में एकजुटता नहीं दिख रही। हाईकमान भी अब तक चुनाव अभियान और समन्वय समेत कई महत्वपूर्ण समितियों का गठन नहीं कर सका है। स्टार प्रचारकों की स्थिति भी साफ नहीं है। प्रचार युद्ध प्रत्याशियों के भरोसे सिमटा हुआ है। ऐसे में जनाधार के मोर्चे पर यह चुनाव पार्टी के लिए अग्निपरीक्षा साबित हो सकता है।

पृथक उत्तराखंड बनने के बाद यह लोकसभा का पांचवां चुनाव है, जिसमें कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला है। प्रदेश में कभी मजबूत जनाधार रखने वाली कांग्रेस अब पिछड़ती दिख रही है। परिस्थितियां नहीं बदली तो पार्टी की पैठ पर खतरा मंडरा सकता है। पिछले दो लोकसभा चुनाव में मत प्रतिशत पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि मतदाताओं में पार्टी का ग्राफ तेजी से गिर रहा है। यह हाल उस पार्टी की है, जिसने वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी पांच सीट पर जीत का परचम लहराया था। तब पार्टी को 43.13 प्रतिशत मत मिले थे, जो अब तक का सर्वाधिक है। पार्टी इस आंकड़े को दोबारा न तो छू पाई और न ही इसके समीप ही पहुंच सकी। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 34.40 प्रतिशत मत मिले थे। उसके बाद मुश्किलें बढ़ती गईं। 2019 में मत प्रतिशत गिरकर 31.73 प्रतिशत हो गया। इसे रोकने और जीत दर्ज करने की चुनौती और बढ़ चुकी है। इससे निपटने की रणनीति धरातल पर आकार लेती दिखाई नहीं दी है।

महत्वपूर्ण समितियों की नहीं हुई घोषणा: 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान में कम दिन बचे हैं। फिर भी बड़े नेता बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। चुनाव अभियान समिति, चुनाव प्रचार समिति, चुनाव समन्वय समिति जैसी महत्वपूर्ण समितियों की घोषणा के लिए पार्टी हाईकमान पर टकटकी लगी हुई है। इस मामले में भाजपा बढ़त ले चुकी है। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के चुनाव कार्यक्रम तय हो चुके हैं। कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची तक घोषित नहीं की। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत पार्टी के बड़े नेताओं के कार्यक्रम तय होने की प्रतीक्षा की जा रही है।

प्रदेश प्रभारी सैलजा अब तक नहीं पहुंचीं

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से अबतक कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने उत्तराखंड का रुख नहीं किया है। क्षत्रपों के बीच खींचतान रोकने और उन्हें मनाकर मजबूत प्रत्याशी तय करने की पहली मोर्चेबंदी पर असमंजस हावी रहने का ही परिणाम रहा कि कद्दावर नेताओं ने प्रत्याशी बनने से ही कन्नी काट ली है। उन्हें मनाने और डैमेज कंट्रोल के प्रयास भी नहीं हुए।

दलों का दमखम

किस लोस चुनाव में कितने प्रतिशत मत मिले

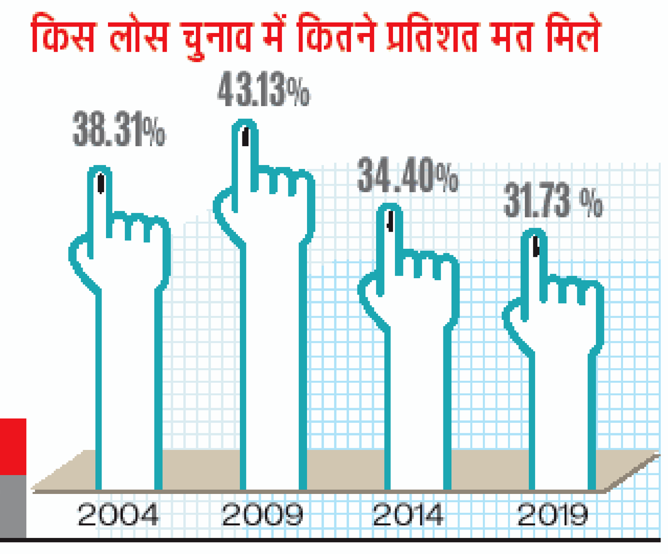

तृणमूल और भाजपा में मुद्दे बनाम योजनाओं की जंग

जयकृष्ण वाजपेयी ● कोलकाता

बंगाल का रण

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस बंगाल में एक-दूसरे को खूब घेर रहे हैं। दोनों ओर से चुनावी सभाओं और इंटरनेट मीडिया के सहारे हमले तेज हैं। भाजपा जहां शिक्षा विभाग, नगरपालिकाओं में नियुक्तियों, राशन घोटाले में तृणमूल नेता, मंत्री व विधायकों की गिरफ्तारी, संदेशखाली कांड और सीएए को मुद्दा बनाकर हमलावर है तो तृणमूल 100 दिनी रोजगार, प्रधानमंत्री आवास फंड रोकने, अपनी लक्ष्मी भंडार व कन्याश्री जैसी योजनाओं को ढाल बना रही है।

तृणमूल के अभियान से स्पष्ट है कि वह भाजपा के भ्रष्टाचार और संदेशखाली जैसे मुद्दों का जवाब अपनी योजनाओं के माध्यम से देने का प्रयास कर रही है। वैसे पिछले पांच वर्षों में हुए विभिन्न चुनावों के परिणामों को देखा जाए तो तृणमूल ने 2024 के लोकसभा चुनाव की लड़ाई अपने विरोधियों से पहले शुरू की है। 2019 के बाद से दो प्रमुख चुनाव हुए। 2021 के विधानसभा और 2023 के पंचायत चुनाव में हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान की कहानी का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के बाद तृणमूल ने 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा द्वारा छीने गए अपने कई आधार को मजबूत किया है। व्यापक रूप से चलाई गई लोकलुभावन लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री सहित महिला केंद्रित योजनाओं के इर्द-गिर्द सावधानीपूर्वक बुनी गई चुनावी रणनीति से ममता को सबसे बड़े वोट बैंक-महिला मतदाताओं पर अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिली है। तृणमूल को इन्हीं योजनाओं की बदौलत 2019 के लोस चुनाव के अपने वोट शेयर 43 प्रतिशत को बढ़ाकर 2021 के विस चुनाव में 48 प्रतिशत और 2023 के पंचायत चुनाव में 51.1 प्रतिशत करने में मदद मिली। बंगाल में 7.60 करोड़ मतदाताओं में 3.70 करोड़ महिला हैं। अकारण नहीं है कि 2024-25 के बजट में लक्ष्मी भंडार योजना की तीन करोड़ महिला लाभार्थियों को 1,000 रुपये प्रतिमाह के मासिक भुगतान का वादा किया गया है और एससी-एसटी श्रेणी की महिलाओं को 1,200 रुपये प्रतिमाह देने का वादा है। कन्याश्री की 2.7 करोड़ छात्राएं लाभार्थी हैं।

सीएए को लेकर जितने जोर से भाजपा नेता हमला करते हैं, तृणमूल नेता भी उसी तेजी के साथ विरोध जताते हैं। ममता की कट्टर सीएए विरोधी छवि है। इस मुद्दे पर तृणमूल के पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। बनगांव, जहां मतुआ समुदाय गेम-चेंजर है और उत्तर बंगाल की कई सीटों पर सीएए के प्रभाव के कारण भाजपा के वोट शेयर में वृद्धि देखी जा सकती है, लेकिन इनमें ज्यादातर सीटें पहले से ही भाजपा के पास हैं।

7.60 करोड़ मतदाताओं में 3.70 करोड़ महिलाएं हैं बंगाल में

- भर्ती-राशन घोटालों, सीएए व संदेशखाली कांड को धार देकर भाजपा कर रही प्रहार
- तृणमूल ने 100 दिनी रोजगार, लक्ष्मी भंडार और कन्याश्री योजनाओं को बनाया है चुनावी ढाल

वोट की तुलना में सीटें नहीं बढ़ना है तृणमूल की चिंता

तृणमूल ने अभियान की रणनीति केंद्र द्वारा 100 दिनी कार्य योजना के 59 लाख श्रमिकों का बकाया फंड और 11.3 लाख ग्रामीण परिवारों को आवास योजना का फंड नहीं देने के आसपास बना रखी है। यह मुद्दा 2023 के पंचायत चुनाव में भी गूंजा था। राजनीतिक लाभ मिलने के बाद तृणमूल ने इसे आगे बढ़ा रखा है। हालांकि, भर्ती व राशन घोटालों में मंत्रियों से लेकर विधायकों व नेताओं की गिरफ्तारी, नोटों का अंबार मिलना और इसके बाद संदेशखाली कांड बड़ी चिंता का सबब है। वोट शेयर बढ़ने के बाद भी सीटें नहीं बढ़ना तृणमूल की चिंता है। 2014 के लोस चुनाव में सिर्फ 40 प्रतिशत वोट शेयर के साथ ममता ने 34 सीटें जीतीं थीं, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में 43 प्रतिशत वोट मिलने के बावजूद 22 सीटें ही जीत सकी थीं।

मैदान छोड़ रहे कांग्रेस नेता

नरेंद्र शर्मा ● जयपुर

सुदर्शन सिंह रावत

गोविंद सिंह डोटासरा

अशोक गहलोत

जितेंद्र सिंह

राजस्थान में कांग्रेस नेताओं की लोकसभा चुनाव लड़ने की अनिच्छा लगातार सामने आ रही है। 2014 व 2019 में प्रदेश की सभी 25 लोस सीटों पर हार के बाद प्रदेश के वरिष्ठ नेता चुनाव लड़ने से कन्नी काट रहे हैं।

मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यममंत्री दिग्विजय सिंह और छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम भूपेश बघेल जैसे दिग्गज नेता चुनाव लड़ रहे हैं, पर राजस्थान में ऐसा नहीं है। कांग्रेस आलाकमान की इच्छा के बावजूद पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट, जितेंद्र सिंह व प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया। दरअसल, पिछले दो चुनाव में हार के बाद कांग्रेस के नेताओं में अज्ञात भय नजर आ रहा है। यही कारण है कि एक प्रत्याशी ने तो टिकट घोषित होने के बाद चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया। दो प्रत्याशियों ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वे चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे, पर पार्टी संकट में है और ऊपरी दबाव के कारण वे मैदान में उतरे हैं। पार्टी नेताओं के चुनाव लड़ने के प्रति अनिच्छा जताने पर कांग्रेस नेतृत्व को मजबूरी में नागौर सीट पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और सीकर में माकपा से समझौता करना पड़ा। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र मालवीय भाजपा में शामिल हो गए तो अब पार्टी नेतृत्व भारत आदिवासी पार्टी (बाप) से समझौता करना चाहता है। यह सीट बाप को देने को तैयार है, पर बाप दो सीट मांग रही है। बाप-कांग्रेस नेतृत्व के बीच बातचीत जारी है।

ये है बानगी: राजसमंद सीट पर कांग्रेस ने पूर्व विधायक सुदर्शन सिंह रावत को प्रत्याशी घोषित किया था। टिकट तय होने के बाद रावत एक सप्ताह तक अज्ञात स्थान पर चले गए। कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व उन्हें तलाशता रहा, पर नहीं मिले। आखिरकार तीन दिन पहले सामने आए और चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया। मजबूरी में भीलवाड़ा में घोषित प्रत्याशी दामोदर गुर्जर को राजसमंद सीट पर शिफ्ट किया गया। भीलवाड़ा में पूर्व विस अध्यक्ष सीपी जोशी को टिकट दिया गया है। जोशी चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे, पर आलाकमान के दबाव के बाद वह मैदान में उतरे हैं। झुंझुनूं सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र ओला ने एक सभा में कहा कि मैं चुनाव नहीं लड़ना चाहता था, पर बड़े नेताओं ने कहा कि पार्टी संकट में है, इसलिए लड़ रहा हूं। इससे पहले जयपुर शहर में घोषित प्रत्याशी सुनील शर्मा एक कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर एक विवादास्पद टिप्पणी के कारण चर्चा में आए तो उनका टिकट बदला गया। सुनील के स्थान पर पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास को टिकट दिया गया। खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में भाजपा मजबूत है। मैं चुनाव नहीं लड़ना चाहता था, पर पार्टी के आदेश के कारण लड़ रहा हूं। बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर कांग्रेस नेतृत्व हेमाराम चौधरी या हरीश चौधरी में से किसी एक को टिकट देना चाहता था, पर दोनों ने लड़ने से इन्कार किया तो आरएलपी के उम्मेदाराम को प्रत्याशी घोषित किया गया।

अंदर की बात

राजस्थान के सीएम बोले-कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे

कांग्रेस में मचे घमासान पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को सभी 25 सीटों पर उम्मीदवार नहीं मिले, नेता मैदान छोड़ रहे हैं। मजबूरी में अन्य दलों से समझौता करना पड़ रहा है। शर्मा ने एक जनसभा में प्रदेश में लगातार तीसरी बार सभी सीटों पर भाजपा की जीत का दावा किया है।

चुनावी कानाफूसी

लड़ रहे हैं 16, जीतेंगे 18

नीरज कुमार

राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को आप कुछ भी कह लें, लेकिन निराशावादी तो उनको बिल्कुल भी न कहें। उनके आशावाद को देखिए। बीते लोकसभा चुनाव में जदयू बिहार की 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था। 16 पर जीत हुई। इस बार 17 के बदले 16 सीटें मिलीं, मगर जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार बता रहे हैं कि हम 18 सीटों पर जीतने जा रहे हैं। कोई उनके दावे को मजाक समझ सकता है, लेकिन वह 18 सीटों का हिसाब दे देंगे। देखिए, 16 तो हमारे हैं ही। समस्तीपुर से लोजपा की उम्मीदवार शांभवी चौधरी हमारे दल के नेता अशोक चौधरी की पुत्री हैं। वैशाली की लोजपा उम्मीदवार वीणा देवी हमारे दल के विधान परिषद सदस्य दिनेश कुमार सिंह की धर्म पत्नी हैं। दोनों जीत रही हैं। 16 हमारे और दो हमारे नेताओं के स्वजन। जोड़ लीजिए। पूरे 18 हुए कि नहीं। नीरज ये दावा कानाफूसी के रूप में करते हैं, मगर इसमें दम तो है ही।

मदद बनी मुसीबत, आई निष्ठा पर आंच

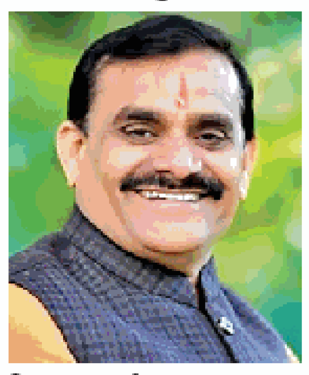

विष्णु दत्त शर्मा

मध्य प्रदेश में नई उम्मीदों और संभावनाओं के साथ कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा ज्वाइन की, लेकिन शुरुआती वाकया ही उन्हें भविष्य के लिए सशंकित किए हुए है। दरअसल, जिनके भरोसे उन्होंने पाला बदला, उन्होंने ही पुराने राज खोलकर नए नवेले नेताओं की निष्ठा को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। हुआ यूं कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी और पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी समेत कुछ अन्य नेताओं ने भाजपा का दामन थामा की तो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने उनका जुदा अंदाज में परिचय देते यह भी बता दिया कि कांग्रेस में रहते हुए भी इन नेताओं ने हमारी बड़ी मदद की है। फिर क्या था, नेताओं के चेहरे की हवाइयां उड़ गईं, लेकिन किसी तरह मामला आया-गया करने की कोशिश की गई। अब यह अलग बात है कि जो राज सामने आया है, वह गया या नहीं, यह अभी रहस्य है।

जनता के दरबार में राजा

देश में 1951 में हुए पहले संसदीय चुनाव में दरभंगा महाराज कामेश्वर सिंह निर्दलीय लड़े थे। बिहार की दरभंगा (उत्तर) सीट पर चुनाव में उनका मुकाबला कांग्रेस के श्यामनंदन मिश्रा से था। इस चुनाव में वह हार गए थे। चुनाव प्रचार करते महाराज कामेश्वर सिंह का चित्र ● सौजन्यः ई-समाद फाउंडेशन

कश्मीर में लोकतंत्र के पर्व के साक्षी बनेंगे देश-दुनिया के पर्यटक

रजिया नूर ● श्रीनगर

देश के अन्य हिस्सों की तरह कश्मीर में भी चुनाव का उत्साह दिख रहा है। बैठकों के दौर के साथ नुक्कड़ सभाएं और रैलियों का सिलसिला भी आरंभ हो रहा है। घाटी के लोग भी लोकतंत्र के इस पर्व में खुलकर भागीदारी के लिए तैयार हो रहे हैं। कश्मीर के इतिहास में पिछले तीन-चार बार में यह पहला चुनाव होगा, जब मतदाता इस कदर उत्साहित दिख रहे हैं। पूरी दुनिया और यहां आ रहे देश व दुनियाभर के लाखों पर्यटक मतदाताओं के इस जोश के प्रत्यक्ष साक्षी बनेंगे।

खास बात यह है कि चुनाव ऐसे समय हो रहा है, जब कश्मीर में पर्यटन का सीजन चरम पर है। तीसरे दौर की अधिसूचना के साथ ही कश्मीर में चुनावी शोर जोर पकड़ लेगा। अप्रैल-मई में यहां प्रकृति अपने सबसे सुंदर रूप में होती है। ऐसे समय में पर्यटन स्थलों पर देश-विदेश के पर्यटकों का जमावड़ा रहता है। कोरोना संक्रमण के बाद पर्यटकों की संख्या में तेज उछाल देखा गया है और हर वर्ष रिकार्ड टूट रहे हैं। चुनाव के बाद भी पर्यटकों की एडवांस बुकिंग में कोई कमी नहीं दिख रही है।

यह है मतदान का कार्यक्रम: कश्मीर से जुड़ी तीनों सीटों पर मई में मतदान होगा। अनंतनाग-राजौरी क्षेत्र में सात मई, श्रीनगर-गांदरबल में 13 मई और उत्तर कश्मीर की बारामुला-कुपवाड़ा सीट के लिए 20 मई को मतदान होगा। ऐसे में उत्तरी कश्मीर के नियंत्रण रेखा से जुड़े गांव या फिर दक्षिण कश्मीर के पहलगाम या अन्य पर्यटन स्थलों पर पहुंचने वाले पर्यटक गांवों में चुनावी माहौल को न केवल महसूस कर पाएंगे, बल्कि बदले कश्मीर की झलक भी देख सकेंगे। गुलमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम, मुगल गार्डन, डल झील व अन्य विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल में पर्यटकों की बुकिंग फुल चल रही है। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी के अनुसार घाटी में अप्रैल से लेकर मई-जून तक पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक रहती है, क्योंकि यहां देश के बाकी हिस्सों की तुलना में मौसम खुशगवार होता है।

कभी चुनाव के दौरान बंद हो जाता था कश्मीर: आतंक के दौर में जब भी कश्मीर में लोकसभा या विधानसभा के चुनाव होते थे तो अलगाववादियों की हड़ताल व चुनाव बहिष्कार की चेतावनी के बीच मतदाता जान हथेली पर रख मतदान केंद्रों पर पहुंचते थे। अनुच्छेद-370 हटने के बाद से घाटी में हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। बंदूक व पत्थर छोड़ युवा मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

2019 के बाद से काफी बढ़ गई है पर्यटकों की संख्या

पर्यटन विभाग के अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों विशेषकर 2019 में अनुच्छेद-370 के हटने के बाद से घाटी में पर्यटकों की संख्या में रिकार्ड तोड़ बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020 व 2021 में कोरोना महामारी के चलते पर्यटन क्षेत्र प्रभावित रहा। 2023 में 2.11 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर में सैर करने आए। 2023 में अकेले मई-जून में ही कश्मीर में 19 लाख से अधिक पर्यटकों ने प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाया।

बदली बयार

कश्मीर में बदलाव का प्रमाण है ट्यूलिप गार्डन में नाचते पर्यटक ● साहिल मीर

अब भी बन रहे रिकार्ड

वित्त वर्ष 2023-24 में 10 लाख से अधिक पर्यटकों ने गुलमर्ग में बने गंडोला में सैर की और यह अपने आप में रिकार्ड है। यहां पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या दोगुनी से भी अधिक रही। पिछले 10 दिन से श्रीनगर में खोले गए ट्यूलिप गार्डन में 90 हजार के करीब पर्यटक सैर कर चुके हैं। यह संख्या तो तब है जब रमजान चल रहा है और स्थानीय पर्यटकों की संख्या काफी कम है।

****

25 संसदीय सीटों के लिए 13 मई 2024 को मतदान होना है आंध्र प्रदेश में। इसके साथ ही यहां 175 सदस्यीय विधानसभा के लिए भी चुनाव है। इसके चलते सभी राजनीतिक दलों के लिए प्रत्याशियों का चयन बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है।

न्यूज गैलरी

हिमंत ने साइकिल रैली से शुरू की विजय संकल्प यात्रा

माजुली: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को माजुली में साइकिल रैली के साथ विजय संकल्प यात्रा शुरू की। माजुली जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र में आता है। हिमंत अगले 15 दिनों में 30 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों की यात्रा करना चाहते हैं। इन क्षेत्रों में चुनाव 19 अप्रैल को निर्धारित है। साइकिल रैली के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के नेता बस एक फोन काल दूर हैं। फोन जाते ही वे भाजपा में आ जाएंगे। (प्रेट्र)

'कोट्टायम में अधिकारियों ने बीडीजेएस के पोस्टर फाड़े'

कोट्टायम: भाजपा की अगुआई वाले राजग ने केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपी गई शिकायत में कहा है कि कुछ सरकारी अधिकारियों ने कोट्टायम लोकसभा क्षेत्र से उसके प्रत्याशी तुषार वेलाप्पल्ली के पोस्टर फाड़ दिए हैं। अधिकारियों ने कहा है कि पोस्टर पर दर्शाया गया एक चुनाव चिह्न आधिकारिक रूप से प्रत्याशी को आवंटित नहीं है। भाजपा की सहयोगी पार्टी भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) के प्रत्याशी तुषार वाम मोर्चा के प्रत्याशी थामस चझिकादन और यूडीएफ के फ्रांसिस जार्ज के विरुद्ध चुनाव मैदान में हैं। (प्रेट्र)

मुस्लिम अपना वोट डालना सुनिश्चित करें : इमाम

तिरुअनंतपुरम: केरल के इस्लामिक विद्वान, शिक्षाशास्त्री और कोझिकोड पालायम जामा मस्जिद के मुख्य इमाम हुसैन मदावूर ने मुस्लिमों से 26 अप्रैल को अपना वोट डालना सुनिश्चित करने को कहा है। यहां तक कि उमरा तीर्थयात्रा या इसके लिए अवकाश को भी टालने की अपील की है। सऊदी अरब में मक्का को मुस्लिमों के लिए पवित्र शहर माना जाता है। पूरे वर्ष मुस्लिम कभी भी उमरा कर सकते हैं। हुसैन ने कहा कि चुनाव से देश का भविष्य निर्धारित होता है। मुस्लिम इसे प्राथमिकता दें। (आइएएनएस)

48 घंटे में ही सपा ने मप्र के खजुराहो में प्रत्याशी बदला

भोपाल: समाजवादी पार्टी ने खजुराहो लोकसभा सीट का प्रत्याशी बदल दिया है। शनिवार को डा. मनोज यादव को प्रत्याशी घोषित किया गया था, पर 48 घंटे में ही उनकी जगह निवाड़ी से पूर्व विधायक मीरा दीपक यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। डा. मनोज यादव अब समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष होंगे। सपा ने पिछले विधानसभा चुनाव में भी मनोज यादव को बिजावर से प्रत्याशी घोषित किया गया था, पर बाद में उन्हें बदल दिया गया था। ऐसे में उन्हें संतुष्ट करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। यह पद रिक्त था। खजुराहो सीट कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में गठबंधन के तहत सपा को दी है। नईदुनिया

भाजपा के संकल्पपत्र में दिखेगा विकसित भारत का भी रोडमैप

चुनावी रण ▸ घोषणापत्र समिति की बैठक में शामिल हुए आठ केंद्रीय मंत्री और तीन मुख्यमंत्री

लाखों सुझावों का डेटाबेस तैयार, संकल्पपत्र को जल्द देंगे अंतिम रूप : पीयूष गोयल

1.70 लाख सुझाव आए हैं नमो एप पर

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की घोषणापत्र समिति की बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल। प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने भी अपने संकल्पपत्र को आकार देना शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को घोषणापत्र समिति की पहली बैठक हुई, जिसमें विभिन्न माध्यमों से पार्टी को मिले सुझावों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। समिति के सह संयोजक पीयूष गोयल का कहना है कि भाजपा के पास लाखों सुझावों का डेटाबेस है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने सहित देशहित और जनहित को प्राथमिकता में रखते हुए अगली बैठक में महत्वपूर्ण बिंदु रखे जाएंगे। इस आधार पर जल्द ही संकल्पपत्र को अंतिम रूप दिया जाएगा।

लोकसभा चुनाव में राजग की सीटें 400 पार पहुंचाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरी भाजपा अपना संकल्पपत्र भी इसी तरह का बनाने के लिए प्रयासरत है, जो सभी वर्गों को आकर्षित करे। इसके लिए सोमवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित घोषणापत्र समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे रक्षामंत्री सहित गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, रविशंकर प्रसाद सहित समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए।

सह संयोजक पीयूष गोयल ने बताया कि सभी वरिष्ठ सदस्यों ने बैठक में अपने सुझाव रखते हुए 2047 तक भारत को विकसित बनाने के रोडमैप के लिए पार्टी और सरकार की रूपरेखा पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि संकल्पपत्र के लिए सुझाव एकत्र करने के उद्देश्य से लगभग 33 दिनों तक सामान्य व्यक्तियों तक पहुंचने के लिए 916 वीडियो वैन ने देशभर में 3500 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया। सौ शहरों में समाज के प्रतिष्ठित लोगों के साथ बैठकें कीं। इनमें भी हजारों सुझाव आए, जिन्हें मंत्रियों व अन्य पार्टी नेताओं ने संकलित किया। मिस्ड काल अभियान को भी भाजपा ने देशभर में चलाया। लगभग पौने चार लाख सुझाव उसके माध्यम से मिले हैं। उसका डेटाबेस तैयार किया गया। इसके अलावा नमो एप पर भी एक लाख 70 हजार के आसपास सुझाव आए हैं। गोयल ने कहा कि जो यह दर्शाता है कि जनता के मन में कितना उत्साह है और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राष्ट्र को विकसित बनाने के संकल्प में सहभागी बनना चाहते हैं। लोगों में विश्वास है कि मोदी हैं तो मुमकिन हैं। गोयल ने बताया कि इन सभी सुझावों का डेटाबेस बनाते हुए सार्थक चर्चा हुई है। समाज के सभी वर्गों का विचार करते हुए, देशहित व जनहित को प्राथमिकता पर रखते हुए सुझावों की छंटनी की गई है। अब सुझावों पर कुछ अध्ययन कर अगली बैठक में फिर से चर्चा में लाया जाएगा। सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार कर उन्हें शामिल करते हुए कुछ ही दिनों में संकल्पपत्र को अंतिम रूप दिया जाएगा।

कांग्रेस ने आंध्र में पांच लोस व 114 विस उम्मीदवार किए तय

अमरावती, प्रेट्र: कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश की पांच लोकसभा और 114 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने इसकी पुष्टि की। वाईएस शर्मिला ने बताया कि वह सोमवार को नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आयोजित कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल हुई थीं और बैठक में उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लग गई। शर्मिला ने कहा कि शेष उम्मीदवारों के नाम भी जल्द तय किए जाएंगे। उम्मीदवारों की पहली सूची मंगलवार को जारी की जा सकती है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला को कडप्पा संसदीय क्षेत्र से उतारे जाने की संभावना है। इस सीट से जगन मोहन रेड्डी ने एक बार फिर अपने भाई और मौजूदा सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी को उतारा है। कांग्रेस कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य गिदुगु रुद्रराजू को राजमहेंद्रवरम संसदीय सीट, पूर्व केंद्रीय मंत्रियों पल्लम राजू और जेडी सीलम को काकीनाडा और बापटला सीट से चुनाव लड़ाए जाने की संभावना है।

वाईएस शर्मिला।

अखिलेश से नजदीकी की चर्चा के बाद मायावती ने काटा टिकट

जासं, कन्नौज : बसपा ने कन्नौज से घोषित लोकसभा के प्रत्याशी अकील अहमद उर्फ पट्टा का टिकट काट दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने जोनल कोआर्डिनेटर नौशाद अली से विमर्श के बाद सोमवार शाम कानपुर के इमरान बिन जफर को प्रत्याशी बनाया है। इमरान ने वर्ष 2014 में आम आदमी पार्टी की टिकट पर कन्नौज से चुनाव लड़ा था। माना जा रहा है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव से नजदीकियों और बसपा के नेताओं की नाराजगी के कारण अकील अहमद का टिकट काटा गया। बता दें, बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर 11 मार्च को जोनल पदाधिकारी ने कन्नौज लोकसभा सीट से अकील अहमद उर्फ पट्टा के चुनाव लड़ने की घोषणा की थी। उनका टिकट तय होने से पार्टी के कुछ नेता असहमत थे। सपा मुखिया के करीबी होने की भी चर्चाएं थीं।

अकील अहमद।

चुनाव के बीच पंजाब से बिहार में हो रही शराब तस्करी पर चिंता

इन्द्रप्रीत सिंह, चंडीगढ़

▸ बिहार में चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए शराब के इस्तेमाल की आशंका

▸ आयोग के निर्देश पर पंजाब व बिहार के मुख्य सचिवों व आबकारी अधिकारियों ने की बैठक

पंजाब

बिहार में शराबबंदी के बावजूद पंजाब से बड़ी मात्रा में शराब की हो रही तस्करी का मामला चुनाव आयोग के पास पहुंच गया है। चुनाव आयोग को इस बात की आशंका है कि बिहार में होने वाले लोकसभा चुनाव के दौरान इस शराब का मतदाताओं को लुभाने में दुरुपयोग हो सकता है। इसी को रोकने के लिए आयोग के निर्देश पर सोमवार को पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा और बिहार के मुख्य सचिव ब्रजेश महरोत्रा ने आनलाइन बैठक की। इसमें दोनों प्रदेशों के आबकारी विभाग के सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में बिहार के अधिकारियों ने पूरे वर्ष का डाटा पेश करते हुए कहा कि बिहार में शराबबंदी के बावजूद दूसरे राज्यों से शराब आ रही है। इसमें सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत पंजाब से है। इसके अलावा हरियाणा से सात और चंडीगढ़ से चार प्रतिशत शराब की तस्करी हो रही है।

बिहार के अधिकारियों का मानना है कि जब से सरकार ने आबकारी नीति में बदलाव करके कोटा बढ़ाया है, तभी से तस्करी भी पड़ोसी राज्यों में बढ़ गई है। ग्रुपों का कोटा बढ़ने के कारण वे बिक्री के लिए पंजाब के अलावा दूसरे उन राज्यों में भी शराब भेज रहे हैं, जहां से मांग आ रही है। पंजाब के पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब से होने वाली शराब की तस्करी की काफी शिकायतें आ रही हैं। बिहार सरकार ने जो केस भेजे हैं, उनके होलोग्राम और बार कोड के आधार पर कार्रवाई भी की है।

छिंदवाड़ा के मेयर ने भी छोड़ा कमल नाथ का 'हाथ'

राज्य ब्यूरो, भोपाल

▸ विक्रम अहाके ने मुख्यमंत्री निवास पर ली भाजपा की सदस्यता

▸ कांग्रेस विधायक कमलेश शाह, पूर्व विधायक भी जा चुके भापजा में

▸ महापौर का चुनाव जीतने पर राहुल गांधी ने इंटरनेट मीडिया पर लिखा था – 'मां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पिता किसान और बेटा महापौर'

दल बदल

मध्य प्रदेश में कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के गढ़ कहे जाने वाले छिंदवाड़ा में दोनों को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह, चौरई के पूर्व विधायक गंभीर सिंह के भाजपा की सदस्यता लेने के बाद अब कमल नाथ के करीबी व छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके ने कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर विक्रम ने भाजपा की सदस्यता ली।

किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले 34 वर्षीय विक्रम की मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रही हैं। कमल नाथ ने भविष्य की संभावना को देखते हुए उन्हें महापौर का टिकट दिया था। विक्रम ने भाजपा के अंतू धुर्वे को 3786 वोटों से पराजित किया था। विक्रम की जीत पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इंटरनेट मीडिया पर उनकी सराहना की थी। राहुल ने लिखा था कि 'मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पिता किसान और बेटा महापौर'। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में कमल नाथ ने बहुत गड़बड़ी की है। कमल नाथ के बेटे व सांसद नकुल नाथ ने आदिवासी अंचल का अपमान किया है। इससे आहत होकर महापौर विक्रम अहाके ने भी कहा कि ऐसी पार्टी में नहीं रहना, जहां आदिवासियों का अपमान होता है, इसलिए वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कमल नाथ एक्सपोज हो गए हैं।

छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके ने थामा भाजपा का दामन। इंटरनेट मीडिया

रालोद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी ने पार्टी छोड़ी

जासं, बागपत : सोमवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी ने पार्टी छोड़कर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी। शाहिद ने कहा कि रालोद ने ऐसे गठबंधन से हाथ मिला लिया, जो 70 साल पुरानी लोकतंत्र की मजबूत व्यवस्था को धराशायी कर रहा है। उधर, रालोद के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि 'तब उनकी धर्मनिरपेक्षता कहां गई थी जब वह चार लोगों के साथ संघ के वरिष्ठ नेता से मिलने गए थे'। शाहिद सिद्दीकी छह साल से रालोद के उपाध्यक्ष थे। उन्होंने एक्स पर कहा कि वह चौ. चरण सिंह का बहुत सम्मान करते हैं इसीलिए उन्हें भारत रत्न मिलने के फौरन बाद त्यागपत्र नहीं दिया लेकिन लोकतांत्रिक ढांचे पर हो रहे हमले से आहत हैं। पेशे से पत्रकार शाहिद कांग्रेस, सपा, बसपा और रालोद में आते-जाते रहे हैं।

शाहिद सिद्दकी। इंटरनेट मीडिया

जदयू के पुराने स्टार प्रचारक अब किसके 'स्टार'... यह उन्हें खुद ही नहीं है पता

भुवनेश्वर वात्स्यायन, पटना

स्टार प्रचारक

▸ पिछले लोकसभा चुनाव में आरसीपी थे जदयू के स्टार प्रचारकों में

▸ पवन वर्मा जदयू छोड़ दिल्ली में कर रहे प्रवास

आरसीपी सिंह। फाइल

पवन वर्मा। फाइल

पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में जदयू के स्टार प्रचारकों की सूची में प्रमुखता से शामिल रहे नाम 2024 के चुनाव में किसके स्टार हैं, उन्हें खुद इस बात का पता नहीं। विगत पांच वर्षों के भीतर उनकी प्राथमिकताएं बदल गईं हैं। सुर इस तरह से बदले कि जहां उन्हें स्टार की सूची में जगह थी, वहां अब वे ताकना भी नहीं चाहते।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जदयू के स्टार प्रचारकों की सूची में आरसीपी सिंह का नाम तीसरे नंबर पर था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दल के वरिष्ठ नेता बशिष्ठ नारायण सिंह के बाद स्टार प्रचारकों की सूची में उनका नाम तीसरे स्थान पर था। इस बार के लोकसभा चुनाव में आरसीपी किसके स्टार हैं, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। जदयू के स्टार प्रचारकों की सूची में प्रमुखता के साथ दो नाम और थे, जिनमें एक नाम प्रशांत किशोर का और दूसरा पवन वर्मा का था। प्रशांत किशोर ने तो अब अपनी पार्टी बना ली है और पवन वर्मा जदयू को नमस्ते कह दिल्ली में हैं। ये दोनों इस लोकसभा चुनाव में किसके स्टार हैं, यह लोगों को नहीं पता। प्रशांत किशोर की पार्टी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही और पवन वर्मा को किसी ने एप्रोच नहीं किया है। जदयू ने 2019 में जब दूसरी बार अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी तो उसमें जदयू से मंत्री रह चुकीं विधायक बीमा भारती का भी नाम था। बीमा भारती ने अब जदयू को छोड़ दिया है। वह पूर्णिया से राजद के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं। इसी तरह जदयू के विधायक रहे अभय कुशवाहा भी 2019 में जदयू के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल थे। वह भी अब जदयू को छोड़कर राजद के टिकट पर औरंगाबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे। इसलिए इन दोनों के सुर बदल चुके हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में पूर्व मंत्री श्याम रजक को भी जदयू के स्टार प्रचारकों में जगह थी, पर अब वह राजद में हैं। जदयू के विधान पार्षद रहे प्रो. रणवीर नंदन भी 2019 में जदयू के स्टार प्रचारकों की सूची में थे, पर अब इनकी प्राथमिकता में दूसरा दल है।

यह सवाल भी कि ये किनके होंगे स्टार : वर्ष 2019 में पशुपति कुमार पारस, सूरजभान सिंह और प्रिंस राज का नाम लोजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल था। जब लोजपा में विभाजन हो गया तो पशुपति कुमार के नेतृत्व में रालोजपा अस्तित्व में आ गई।

बीजद के सांसद अनुभव महांती भाजपा में शामिल

▸ कहा- ओड़िया माटी के स्वाभिमान, सम्मान के लिए भाजपा में शामिल हुआ

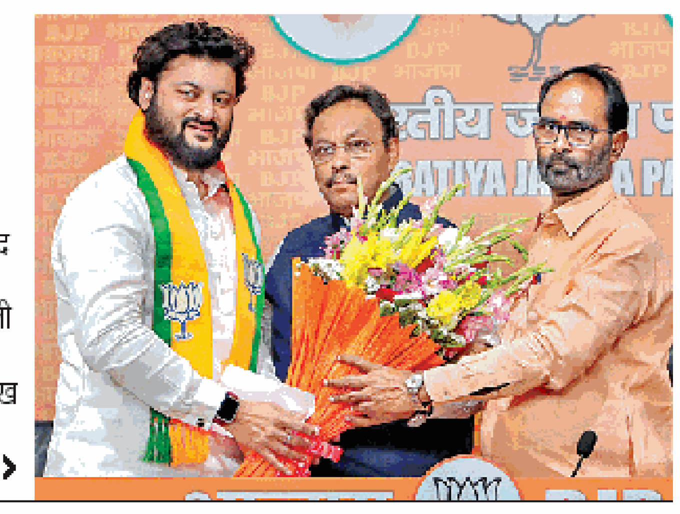

ओडिशा के केंद्रपाड़ा से बीजद सांसद एवं अभिनेता अनुभव महांती सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े तथा संजय मयूख की उपस्थिति में भाजपा में सम्मिलित हो गए। प्रेट्र

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

ओडिशा के चर्चित अभिनेता व केंद्रपाड़ा से सांसद अनुभव महांती सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। अनुभव ने 30 मार्च को ही बीजद से इस्तीफा दिया था।

भाजपा में शामिल होने के बाद अनुभव ने कहा कि ओड़िया माटी के स्वाभिमान, सम्मान एवं पूरे भारत के सम्मान के लिए मैं भाजपा में शामिल हुआ हूं। मुझे खुशी है कि मैंने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व में काम किया है और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम करने का मौका मिल रहा है। अनुभव ने कहा कि देश के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संसद में जो भी बिल आया, हमने उसका समर्थन किया। कई ऐतिहासिक बिल पारित होते हुए देखा है।

पूर्व आप सांसद डा. गांधी कांग्रेस में हुए शामिल

▸ कांग्रेस सांसद परनीत कौर के भाजपा में जाने से कांग्रेस तलाश रही थी सशक्त चेहरा

पूर्व आप सांसद धर्मवीर गांधी सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा की उपस्थिति में कांग्रेस में सम्मिलित हो गए। प्रेट्र

जागरण संवाददाता, पटियाला

आम आदमी पार्टी के पूर्व सांसद डा. धर्मवीर गांधी सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। डा. गांधी के कांग्रेस के शामिल होने से माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें पटियाला से अपना लोकसभा प्रत्याशी घोषित कर सकती है। बता दें कि पटियाला से कांग्रेस की सांसद रहीं परनीत कौर पिछले दिनों पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हो गई थीं। यही नहीं, भाजपा ने उन्हें अपना पटियाला से प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। ऐसे में कांग्रेस पटियाला से ऐसे प्रत्याशी की तलाश कर रही थी जोकि परनीत कौर को चुनाव में कड़ी टक्कर दे सके। चूंकि डा. धर्मवीर गांधी वर्ष 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में आप के प्रत्याशी के रूप में परनीत कौर को हरा चुके हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि कांग्रेस ने उन्हें पटियाला से चुनाव मैदान में उतारेगी।

मुसीबत

महागठबंधन के लिए सिरदर्द बनीं पूर्णिया व कटिहार सीट

पूर्णिया से पप्पू यादव हर हाल में चुनाव लड़ने का कर रहे दावा, अब कटिहार में अशफाक करीम ने कांग्रेस से किए खड़ी की परेशानी

जागरण टीम, भागलपुर

बिहार

▸ कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके पप्पू यादव बना रहे दबाव

पप्पू यादव। फाइल

बिहार में महागठबंधन के लिए चुनाव के दूसरे चरण की दो सीटें पूर्णिया और कटिहार फिलहाल सिरदर्द बनी हुई हैं। पूर्णिया सीट पर पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव लगातार दबाव बना रहे हैं। इधर, अब कटिहार सीट से राजद से राज्यसभा सदस्य अहमद अशफाक करीम ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर महागठबंधन के समक्ष बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। सीट शेयरिंग के बाद अपने हिस्से में आई इस सीट पर कांग्रेस ने तारिक अनवर को प्रत्याशी घोषित किया है।

एक तरफ पूर्णिया सीट पर महागठबंधन के दो घटक दलों के उम्मीदवार नामांकन के लिए तैयार हैं। महागठबंधन की सीट शेयरिंग में पूर्णिया सीट राजद के खाते में आई है। उसने जदयू छोड़कर राजद में पहुंची बीमा भारती को टिकट भी दिया है। दूसरे घटक दल कांग्रेस के राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव भी यहां पार्टी का झंडा लेकर नामांकन को अड़े हुए हैं। उनका कहना है कि चाहे जो हो जाए, वह पूर्णिया सीट नहीं छोड़ेंगे। वह कांग्रेस का झंडा-बैनर लेकर ही नामांकन को जाएंगे। पहले वह दो अप्रैल को नामांकन करने वाले थे, लेकिन अब उनके नामांकन की तिथि चार अप्रैल हो गई है। पूर्णिया सीट के लिए चार अप्रैल नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। राजद की बीमा भारती तीन अप्रैल को नामांकन के लिए पर्चा दाखिल करेंगी। कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि पप्पू यादव पूर्णिया से चुनाव लड़ते हैं तो पार्टी उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी। पप्पू यादव लालू प्रसाद यादव का आशीर्वाद लेकर ही कांग्रेस में गए थे और उन्हें उम्मीद थी कि पूर्णिया से उन्हें टिकट मिल जाएगा। बाद में राजद ने जदयू से आईं बीमा भारती को पूर्णिया से टिकट दे दिया। जिला कांग्रेस कमेटी बीमा भारती के साथ रहने की प्रतिबद्धता भी जता चुकी है।

इधर, कांग्रेस ने रविवार को ही कटिहार सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर को टिकट दिया है। जबकि सोमवार को राजद के राज्यसभा सदस्य व कटिहार मेडिकल कालेज के प्रबंध निदेशक अहमद अशफाक करीम ने कटिहार से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। पटना में समर्थकों व कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठक के बाद करीम ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। करीबियों के अनुसार वह चार अप्रैल को नामांकन कर सकते हैं। अशफाक करीम ने दूरभाष पर बताया कि मंगलवार को वह पटना से लौटेंगे। इसके बाद नामांकन की तिथि निर्धारित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगे। अशफाक करीम के चुनाव मैदान में उतरने व एआइएमआइएम द्वारा भी कटिहार से प्रत्याशी देने की घोषणा से मुस्लिम वोटों में बिखराव होगा। कटिहार में 18 लाख से अधिक मतदाता हैं। इनमें 42 प्रतिशत मुस्लिम हैं।

आइएसएफ से बात न बनते देख फिर कांग्रेस की ओर मुड़ा वाममोर्चा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल

अब्बास सिद्दीकी।

बिमान बोस। फाइल

फुरफुरा शरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आइएसएफ) के साथ सीटों का बंटवारा नहीं हो पाने को देखते हुए वाममोर्चा एक बार फिर कांग्रेस के साथ शेष सीटों को लेकर समझौता करने के प्रयास में है। आइएसएफ के चेयरमैन व बंगाल में पार्टी के एकमात्र विधायक नौशाद सिद्दीकी ने डायमंड हार्बर सीट से चुनाव लड़ने की बात कही थी, जिसका वाममोर्चा ने समर्थन करते हुए वहां अपना प्रत्याशी नहीं उतारने की बात कही थी। मालूम हो कि डायमंड हार्बर को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का गढ़ कहा जाता है। वे वहां से पिछली दो बार सांसद निर्वाचित हुए हैं और इस बार भी मैदान में हैं। वाममोर्चा और आइएसएफ के बीच सीटों को लेकर बातचीत चल ही रही थी कि उसी दौरान आइएसएफ ने आठ सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी, जहां पहले से वाममोर्चा और कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। आइएसएफ को श्रीरामपुर, उलबेरिया, मालदा दक्षिण सीटों से प्रत्याशी हटाने का अनुरोध किया गया था लेकिन उसने इस पर ध्यान नहीं दिया।

****

6 चुनाव सभाओं को संबोधित कर सकते हैं पीएम नरेन्द्र मोदी राजस्थान में। आज वह एक दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे। उनका अगले सप्ताह उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा के दौरे का कार्यक्रम तय किया जा रहा है।

दुग्धाभिषेक...

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी तथा पुत्री रोहिणी आचार्य ने सोमवार को बिहार में सारण जिले के सोनपुर स्थित हरिहरनाथ मंदिर में दुग्धाभिषेक किया। रोहिणी आचार्य सारण लोकसभा सीट से राजद प्रत्याशी हैं। एएनआइ

सुप्रिया श्रीनेत और दिलीप घोष की अभद्रता पर चुनाव आयोग को आपत्ति

- ममता बनर्जी और कंगना रनौत के खिलाफ बयानबाजी पर चेताया
- चुनाव आयोग ने नड्डा और खरगे को भी भेजा चेतावनी नोटिस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में सुप्रिया श्रीनेत और दिलीप घोष की सफाई भी काम नहीं आई। नाखुश चुनाव आयोग ने नासिर्फ दोनों के बयानों की तीखी निंदा की है, बल्कि दोनों ही नेताओं को भविष्य में किसी तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर चेताया भी है। आयोग ने इस मामले में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी चेतावनी नोटिस दिया। साथ ही कहा कि चुनाव प्रचार में लगे अपने सभी नेताओं को अनिवार्य रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियों से बचने की नसीहत दें।

आयोग की सख्ती

आयोग ने इससे पहले भाजपा और तृणमूल कांग्रेस की ओर से की गई शिकायत के बाद भाजपा नेता दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। दोनों ही नेताओं ने आयोग को इस मामले में 29 मार्च को अपनी सफाई दी थी। हालांकि दोनों के जवाबों से असंतुष्ट आयोग ने दोनों ही टिप्पणियों को अक्षम्य व महिला सम्मान के खिलाफ बताया। आयोग ने सख्त चेतावनी जारी करने के साथ ही जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे को चेतावनी दी कि प्रचार के स्तर को बेहतर बनाए रखना उनकी जिम्मेदारी है। ऐसे में वे अपने सभी नेताओं को इस बात की हिदायत अवश्य दें कि वह चुनाव में किसी भी तरह आपत्तिजनक टिप्पणी और भड़काऊ भाषणों से बचें।

दिलीप घोष और सुप्रिया सुनेत। फाइल

मंगलुरु में बीच सड़क पर इफ्तार पार्टी, चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

मंगलुरु, प्रेट्र : चुनाव आयोग ने मंगलुरु के पास मुडुपी ग्राम पंचायत में बीच सड़क पर इफ्तार पार्टी करने के मामले को गंभीरता से लिया है। आयोग ने इसके लिए मुख्य आयोजक को नोटिस भेजा है। 30 मार्च को इसका आयोजन राजमार्ग पर किया गया था। इसके चलते राजमार्ग लगभग चार घंटे से अधिक समय तक अवरुद्ध रहा। इससे राजमार्ग से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आयोग ने चुनाव आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए इसके मुख्य आयोजक अबुबकर सिद्दीकी को नोटिस भेजा है। इस कार्यक्रम का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान लिया। इस इफ्तार पार्टी को रिक्शा चालकों ने मिलकर आयोजित किया था। बताया गया कि इसमें विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया था।

शाह पर अपशब्द के लिए सिद्दरमैया ने यतींद्र का किया बचाव

- कर्नाटक की भाजपा इकाई ने चुनाव आयोग से की शिकायत, पार्टी ने इसे भाजपा नेता पर निजी हमला बताया

मैसुरु, प्रेट्र : कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ दिए अपने बेटे यतींद्र के अभद्र बयानों का बचाव किया है। लेकिन भाजपा ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री पर किए गए निजी हमले के लिए यतींद्र के खिलाफ चुनाव आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है।

कांग्रेस नेता सिद्दरमैया ने सोमवार को अपने बेटे के अपशब्दों का बचाव करते हुए कहा कि यतींद्र का इरादा अमित शाह का अपमान करना कभी भी नहीं था। उनका बयान अदालत में पेश सीबीआइ की रिपोर्ट के आधार पर था। पूर्व विधायक यतींद्र ने विगत गुरुवार को चमाराजानगर जिले के हनूर कस्बे में पार्टी की एक बैठक में कहा था, 'गृह मंत्री अमित शाह एक गुंडा, राउडी है। उनके खिलाफ गुजरात में हत्या के आरोप दर्ज हैं और उन्हें वहां से तड़ीपार कर दिया गया था। (प्रधानमंत्री) मोदी ने ऐसे ही लोगों को अपने आसपास रख कर राजनीति की है।' इसी के अगले दिन भाजपा की कर्नाटक इकाई ने यतींद्र के बयान के आधार पर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने इसे भाजपा नेता पर निजी हमला बताया है। और शाह के खिलाफ अपमानजनक और अभद्र भाषा के प्रयोग के लिए यतींद्र के खिलाफ चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला बताया है।

यतीन्द्र। सिद्दरमैया। फाइल

'राहुल गांधी को लोकतंत्र पर बोलने का अधिकार नहीं'

राजस्थान दौरे के आखिरी दिन पांच लोस क्षेत्रों का किया दौरा, विपक्षियों पर साधा निशाना

कहा, जो 12 लाख करोड़ का घोटाला करेगा वो जेल जाएगा

जागरण संवाददाता, जयपुर

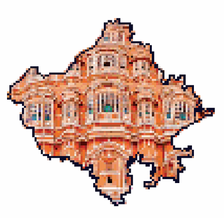

राजस्थान

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा बार-बार लोकतंत्र को खतरे में बताने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ा प्रतिवाद किया। कहा, राहुल गांधी लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि राहुल को लोकतंत्र की बात करने का अधिकार ही नहीं है। उनकी दादी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू किया था। लाखों लोगों को जेल में डाल दिया था। राजनीतिक पार्टियों पर प्रतिबंध लगाया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्षी दलों को भी घेरा। बोले, विपक्षी दल कह रहे हैं, लोकतंत्र बचाओ। क्यों, लोकतंत्र को क्या हो गया? कहते हैं कि हमारे नेता जेल में हैं। 12 लाख करोड़ के घोटाले करेंगे तो जेल में जाएंगे या नहीं? आगे बोले, यह कहकर चुनाव लड़ा था कि जो भ्रष्टाचार करेगा वो जेल की सलाखों के पीछे जाएगा।

जोधपुर में सोमवार को भाजपा की एक बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं अन्य। प्रेट्र

राजस्थान के दो दिवसीय दौरे के आखिरी दिन सोमवार को अमित शाह जोधपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इसमें पांच लोकसभा क्षेत्रों जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली और जालौर-सिरोही के शक्ति केंद्र पदाधिकारी, कोर कमेटी के सदस्य, पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। शाह ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में 'लोकतंत्र बचाओ' रैली को लेकर आइएनडीआइए पर पलटवार करते हुए कहा, ''चाहे आप कितनी भी पार्टियां इकट्ठा कर लें, चुनाव के बाद प्रधानमंत्री के रूप में केवल मोदी ही आने वाले हैं। मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से भारत तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बन जाएगा। कहा कि पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू एक गलती कर गए थे। वह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगा गए थे, जिससे कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं बन सके। मोदी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर तिरंगा लहरा दिया। शाह ने कहा, इस चुनाव में भाजपा का मुकाबला परिवारवाद और घमंडिया गठबंधन से है। जिन नेताओं को अपने परिवार के अतिरिक्त किसी की चिंता नहीं है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अपने पुत्र राहुल को पीएम बनाना चाहती हैं। गहलोत का एक ही लक्ष्य है बेटे को सीएम बनाना, लालू यादव बेटे तेजस्वी और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भतीजे, स्टालिन और उद्धव ठाकरे बेटों को सीएम बनाना चाहते हैं। जो बेटा, बेटी, बहू और भतीजे के बारे में सोचते हैं, वे युवाओं की चिंता कैसे कर सकते हैं।

60 प्रतिशत वोटों के साथ 25 सीटें जीतने का लक्ष्य : शाह ने कहा, चुनाव कार्यकर्ताओं के दम पर जीता जाता है। मैंने विस्तृत कार्य योजना बताई है, जो थोड़ी कठिन है। लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए कठिन नहीं है। 2014 में 55 प्रतिशत और 2019 में 61 प्रतिशत वोटों के साथ राज्य की सभी लोकसभा सीटें जीती थी। इस बार 70 प्रतिशत वोटों के साथ सभी 25 सीटों पर लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करनी है।

प्रधानमंत्री आज जयपुर में करेंगे चुनावी सभा: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को राजस्थान आएंगे। वह जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के कोटपुतली में भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। पांच अप्रैल को चूरू में जनसभा को संबोधित करेंगे। चूरू में भाजपा ने वर्तमान सांसद राहुल कस्वा का टिकट काटकर देवेंद्र झाझड़िया को प्रत्याशी घोषित किया है।

'राहुल नहीं जानते हैं लोकतंत्र की परिभाषा'

भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत भीमाकाली मंदिर परिसर में आयोजित भाजपा पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए। जागरण

जागरण संवाददाता, मंडी : मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश की आत्मा और चेतना पर कुठाराघात किया है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकतंत्र की हत्या वाले बयान पर घेरा और कहा कि वह लोकतंत्र की परिभाषा तक नहीं जानते हैं। देश में आपातकाल लगाकर किसने लोकतंत्र की हत्या की थी, देश की जनता भलीभांति जानती है।

साक्षात्कार देने पर रोक: पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने कंगना के मीडिया को साक्षात्कार देने पर फिलहाल रोक लगा दी है। प्रादेशिक और राष्ट्रीय मुद्दे तय होने के बाद ही वह साक्षात्कार दे पाएंगी। उन्हें कोई टिप्पणी करने से मना किया गया है।

पिछली सरकारों की दंगा पालिसी से फैली अराजकता : योगी

- हाथरस, बुलंदशहर और गौतमबुद्ध नगर में प्रबुद्धजन को किया संबोधित
- कहा- पिछली सरकारों की दंगा पालिसी से फैली अराजकता

जागरण टीम, मेरठ

उत्तर प्रदेश

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस, बुलंदशहर और गौतमबुद्ध नगर में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में गुंडे सुरक्षित थे, आम जन असुरक्षित। आज गुंडे असुरक्षित और आमजन सुरक्षित है। सीएम ने प्रबुद्धजन से अपने-अपने लोकसभा क्षेत्र में घर-घर जाकर आमजन को एक-एक वोट की ताकत समझाने की अपील की। सीएम योगी ने पिछली सरकारों पर भी प्रदेश में दंगा पालिसी के जरिए अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

हाथरस में सीएम ने कहा, यह चुनाव तुष्टीकरण बनाम भारत की आस्था के बीच है। लोगों ने 2014 से पहले की अराजकता देखी है। उसके बाद एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को भी साकार होते देख रहे हैं। सुरक्षा व समृद्धि भी देखी है। सरकार ने हर वर्ग के विकास के लिए काम किए। मोदी की गारंटी सर्वांगीण विकास, विकसित भारत की है। जो लोग मोदी पर अंगुली उठाने का प्रयास कर रहे हैं, वे भारत के विकास में अवरोधक हैं। मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित व समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कार्य करना होगा।

ग्रेटर नोएडा के जीएल बजाज इंस्टीट्यूट में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करते योगी आदित्यनाथ। जागरण

बुलंदशहर में मुख्यमंत्री ने प्रबुद्धजन से अपील कि आपको आमजन को वोट के सही प्रयोग व दुरुपयोग के फर्क को समझाना होगा। योगी ने कहा कि जातिवाद नहीं, हमें राष्ट्रवाद चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता ने बहकावे में आकर पहले गलत सरकारों का चुनाव किया, जिससे प्रदेश बदनाम हुआ और पहचान खोता रहा। अब यूपी का मतलब 'अनलिमिटेड पोटेंशियल' यानी असीमित संभावनाएं हैं।

ग्रेटर नोएडा में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और बसपा पर जमकर हमला बोला। कहा कि पूर्व की सरकारों के भ्रष्टाचार के कारण उत्तर प्रदेश का विकास नहीं हुआ। कोई नई परियोजनाएं पूर्व की सरकारों के कार्यकाल में नहीं आईं।

'मुस्लिम नेताओं के डर से अयोध्या नहीं जा रहे राहुल'

केरल

तिरुअनंतपुरम, आइएएनएस: केरल भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी मुस्लिम नेताओं के डर के कारण अयोध्या के राममंदिर नहीं जा रहे हैं। वह वायनाड के कलपेट्टा से पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वायनाड में रामभक्तों ने पूछना शुरू कर दिया है कि राहुल गांधी राम मंदिर क्यों नहीं जा रहे हैं। अब यह साफ हो चुका है कि राहुल की धर्मनिरपेक्षता एकपक्षीय है। वह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, जमात-ए-इस्लामी और एसडीपीआइ से डर रहे हैं और इस कारण राम मंदिर नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 26 अप्रैल के बाद राम मंदिर जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने केरल में भाकपा महासचिव डी. राजा को गले लगाया।

के सुरेंद्रन। फाइल

हालांकि नई दिल्ली में दोनों एक-दूसरे का विरोध कर रहे हैं। लोग उनका पाखंड समझ चुके हैं। आप दिल्ली में अलग और केरल में अलग राजनीतिक रुख अपना रहे हैं। आपने राष्ट्रपति पद पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) की महिला की नियुक्ति का विरोध क्यों किया? राहुल द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली वायनाड संसदीय सीट पर तकरीबन 20 प्रतिशत एसटी समुदाय की आबादी है। इसके बावजूद वह राष्ट्रपति का विरोध करते हैं।

मिशन 2024 : अमेरिका के 20 शहरों में भाजपा के समर्थन में निकली कार रैली

- भारतवंशी समुदाय ने 'अब की बार 400 पार' का किया है आह्वान
- वाशिंगटन और आसपास के क्षेत्रों के सिख समुदाय ने भी लिया हिस्सा

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में भारतवंशी समुदाय ने इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा की अगुआई वाले राजग के लिए 'अब की बार 400 पार' का आह्वान किया है। भाजपा के ओवरसीज फ्रेंड्स (ओएफबीजेपी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए 20 विभिन्न शहरों में कार रैली निकाली। ओएफबीजेपी ने भारत के लोगों से आम चुनाव में राजग को 400 से अधिक सीटों पर जीत दिलाने का आग्रह किया है। ओफबीजेपी-यूएसए के अध्यक्ष ए. प्रसाद ने कहा कि अमेरिकी भारतवंशी समुदाय पूरे उत्साह में है। इससे पहले भारतवंशी समुदाय में इस तरह का उत्साह नहीं देखा गया। ओएफबीजेपी-यूएसए के राष्ट्रीय महासचिव वासुदेव पटेल ने बताया कि समुदाय ने उत्साह से कार रैलियों में भाग लिया। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन और उसके आसपास के सिख समुदाय ने भी प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए कार रैली निकाली।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में ओवरसीज फ्रेंडस आफ बीजेपी के सदस्यों और समर्थकों ने झंडे-पोस्टर लेकर रैली निकाली। प्रेट्र

प्रधानमंत्री का पद 2047 तक खाली नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

केशव प्रसाद मौर्य।

राहुल गांधी पर किया तंज, कहा-वह 2029 के चुनावों की तैयारी करें

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की खिंचाई करते हुए उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि कम से कम वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री का पद खाली नहीं है।

वरिष्ठ भाजपा नेता मौर्य ने एक इंटरव्यू में राहुल गांधी को 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी करने की सलाह देते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक सर्वोच्च पद खाली नहीं है। राहुल गांधी की प्रधानमंत्री बनने की लालसा साफ नजर आती है क्योंकि वह बार-बार जाति का मुद्दा उठाते हुए जबकि उन्हें ओबीसी, एससी और एसटी की जरा भी परवाह नहीं है। वह प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए उतावले हैं, लेकिन वह कुछ भी कर लें उन्हें इसमें सफलता नहीं मिलेगी। यह सारे मुद्दे बहुत ही छिछले हैं और उनकी ओबीसी की बोगी पहले ही फुस हो चुकी है। अमेठी और रायबरेली से अपने प्रत्याशियों की घोषणा करने में देरी पर कांग्रेस की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि यह पार्टी इतनी डर गई है कि यह अपनी कथित पुश्तैनी सीटों पर भी अपना उम्मीदवार तय नहीं कर पा रही है। इससे साबित होता है कि इन्हें अपने गांधी परिवार पर भी भरोसा नहीं रहा है।

चुनावी हलचल

नोटा को लेकर जागरूकता के लिए उठाए गए हैं पर्याप्त कदम : हाई कोर्ट

- बांबे हाई कोर्ट ने जनहित याचिका को किया खारिज

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उपरोक्त में से कोई नहीं (नोटा) विकल्प के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति आरएम जोशी की खंडपीठ ने 22 मार्च को एक जनहित याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में नोटा के विकल्प को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए निर्वाचन आयोग को निर्देश दिए जाने का आग्रह किया गया था। छात्र सुहास वानखेड़े द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि निर्वाचन आयोग को नोटा विकल्प के बारे में लोगों में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए एक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करना चाहिए। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता निर्देशन पुस्तिका पर गौर करते हुए कोर्ट ने कहा कि नोटा के बारे में निर्देश दस्तावेज में मोटे अक्षरों में प्रकाशित किए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि नोटा के बारे में विस्तृत जानकारी स्पष्ट रूप से मोटे अक्षरों में उल्लिखित है जिससे मतदाता का ध्यान तुरंत आकर्षित होगा। इसलिए कोई और निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के छात्र होने की वजह से जुर्माना लगाने से बच रही है।

राहुल के मैच फिक्सिंग के बयान की शिकायत

- भाजपा नेताओं ने कड़ी कार्रवाई और बिना शर्त माफी की मांग की
- पीएम विरोधी टिप्पणी पर तृणमूल नेता पांडा पर प्रतिबंध की अपील

नई दिल्ली, प्रेट्र : विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइ की रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ईवीएम को लेकर मैच फिक्सिंग के बयान की भाजपा ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इसी के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जातिगत टिप्पणी करने को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेता पीयूष पांडा के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने का भी आग्रह किया है। भाजपा ने संदेशखाली की पीड़िताओं का चेहरा कही जाने वाली रेखा पात्रा को धमकाए जाने की भी आयोग से शिकायत की है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और भाजपा महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के समक्ष राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही आग्रह किया कि कांग्रेस नेता देश और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उन पर झूठे आरोप लगाने के लिए बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। चुनाव आयोग को दिए ज्ञापन में सत्तारूढ़ भाजपा ने आग्रह किया है कि रविवार को रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन ने लोकतंत्र बचाओ रैली के दौरान पीएम मोदी पर लोकसभा चुनाव में मैच फिक्सिंग करने का आरोप लगाया। उन्होंने आदतन चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करके स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का माखौल उड़ाया है।

चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव को तो फिक्स मैच बताया ही, उन्होंने केंद्र सरकार के अपने लोगों को चुनाव आयोग में बैठाने का भी आरोप लगाया है।

उन्होंने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के बाद संविधान को रद कर दिया जाएगा। इसीलिए भाजपा ने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि वह राहुल गांधी और गलतबयानी करने वाले अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और आइएनडीआइए के अन्य नेताओं ने आती हुई हार को देखते हुए कुंठा में आकर बेबुनियाद आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं।

भाजपा नेता पुरी ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के नेता पीयूष पांडा के अभद्र बयान पर उनके चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसीतरह तृणमूल के इंटरनेट मीडिया प्रभारी देबांशु भट्टाचार्य ने बंगाल की बासिरहाट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और संदेशखाली की पीड़िता रेखा पात्रा का व्यक्तिगत ब्योरा इंटरनेट मीडिया पर जारी करके उन्हें प्रताड़ित करने का काम किया है। उन्हें राज्य सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभार्थी बताते हुए उन पर अभद्र टिप्पणी की है। भाजपा ने भट्टाचार्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग की है।

****

बंगाल में हटाए गए दो शीर्ष चुनाव पदाधिकारी

- मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय तैनात थे दोनों अधिकारी
- नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने दोनों को लेकर जताई थी आपत्ति

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

केंद्रीय चुनाव आयोग ने सोमवार को बंगाल में मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय के दो शीर्ष पदाधिकारी को हटा दिया। इनमें अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी अमित राय चौधरी व संयुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी राहुल नाथ शामिल हैं। चुनाव आयोग ने इन दोनों की जगह नियुक्ति के लिए राज्य सरकार से नाम मांगे हैं। राज्य चुनाव आयोग कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक ये दोनों पदाधिकारी लंबे समय से यहां कार्यरत थे। अमित राय चौधरी पिछले 10 वर्षों से यहां काम कर रहे थे जबकि राहुल नाथ छह वर्षों से कार्यरत थे। भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने दोनों को लेकर आपत्ति जताई थी। बता दें, चुनाव आयोग हाल के समय में बंगाल के कई शीर्ष पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला कर चुका है। आयोग ने कुछ समय पहले बंगाल के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक के पद से राजीव कुमार को हटाया था, जो बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के करीबी माने जाते हैं और कोलकाता पुलिस के आयुक्त भी रह चुके हैं। चुनाव आयोग कई जिला अधिकारियों की भी बदली कर चुका है।

विमान में बैठने के बाद नहीं करना पड़ेगा उड़ान का अधिक इंतजार

नई दिल्ली, प्रेट्र : विमान यात्रियों को बोर्डिंग के बाद अधिक समय तक उड़ान के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उड़ान की रवानगी में अधिक देरी होने पर यात्री एयरपोर्ट के डिपार्चर गेट का इस्तेमाल कर विमान से बाहर निकल सकेंगे। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने नए दिशानिर्देश में इसकी अनुमति दे दी है। उड़ान में कई घंटों की देरी की शिकायतों के मद्देनजर दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

बीसीएएस के महानिदेशक जुल्फिकार हसन ने सोमवार को कहा कि 30 मार्च को एयरलाइन कंपनियों और एयरपोर्ट संचालकों को जारी नए दिशानिर्देश लागू हो चुके हैं। इन दिशानिर्देशों से यात्रियों की परेशानी कम होगी। उन्हें विमान में बैठने के बाद अधिक समय तक उड़ान का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

बोर्डिंग के बाद उड़ान में अधिक देरी होने और अन्य आपात स्थिति में यात्रियों को संबंधित एयरपोर्ट के डिपार्चर गेट से बाहर निकलने की अनुमति होगी। हालांकि यह नहीं बताया गया है कि कितनी देरी होने पर बाहर निकलने की अनुमति होगी। यात्रियों को विमान से उतारने और उन्हें फिर से बोर्डिंग एरिया में लाने का निर्णय संबंधित एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियां लेंगी।

आम तौर पर खराब मौसम, मेडिकल इमरजेंसी या तकनीकी कारणों से उड़ान में देरी होती है। ऐसी स्थिति में यात्रियों को बोर्डिंग क्षेत्र में वापस लाया जाएगा। संबंधित समस्या के समाधान के बाद उड़ान के लिए फिर से बोर्डिंग करवाई जाएगी।

तकनीकी समस्या की स्थिति में दूसरे विमान की व्यवस्था करना पड़ी तो यात्रियों का सामान नए विमान में शिफ्ट किया जाएगा। एयरपोर्ट संचालकों को सुरक्षा जांच सहित बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करनी होगी।

गौरतलब है कि जनवरी में बीसीएएस ने हवाई अड्डे के टरमैक पर यात्रियों के खाना खाने की घटना पर इंडिगो पर 1.20 करोड़ और मुंबई एयरपोर्ट संचालक एमआइएएल पर 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

दरअसल इंडिगो की गोवा-दिल्ली उड़ान को कई घंटों की देरी के बाद मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। जब यह उड़ान मुंबई एयरपोर्ट पर उतरी तो कई यात्री विमान से बाहर निकल आए और टरमैक पर बैठकर खाना खाने लगे। इस घटना का वीडियो प्रसारित हो गया था।

एयरपोर्टों पर भी बनाई जाएगी स्मार्ट सुरक्षा लेन : हसन ने कहा कि एयरपोर्टों पर भीड़ की समस्या से निपटने के लिए बीसीएएस ने कई कदम उठाए हैं। इन कदमों से बदलाव दिख रहे हैं। यात्रियों की सहूलियत के लिए एयरपोर्टों पर स्मार्ट सुरक्षा लेन बनाई जाएगी। देश में घरेलू हवाई यातायात तेजी से बढ़ रहा है। हर दिन लगभग 3,500 उड़ानें संचालित की जाती हैं।

हसन ने कहा कि बेंगलुरु एयरपोर्ट पर फुल-बाडी स्कैनर इस महीने चालू होने की उम्मीद है। आने वाले समय में ये स्कैनर 50 लाख से अधिक वार्षिक यात्री यातायात वाले एयरपोर्टों पर भी शुरू किए जाएंगे। गौरतलब है कि फुल-बाडी स्कैनर परीक्षण सफल रहा है।

- एयरपोर्ट के डिपार्चर गेट का इस्तेमाल कर बाहर निकलने की मिली अनुमति
- उड़ान में देरी की शिकायतों के मद्देनजर बीसीएएस ने जारी किए नए दिशानिर्देश

इसी साल जनवरी में मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की उड़ान में अव्यवस्था होने पर यात्री वहीं बैठकर खाना खाने लगे। फाइल

इस तरह होगी यात्रियों को सहूलियत

- अधिक देरी होने पर यात्रियों को बोर्डिंग एरिया में वापस लाया जाएगा
- देरी की समस्या के समाधान के बाद दोबारा बोर्डिंग करवाई जाएगी
- एयरपोर्ट संचालक सुरक्षा जांच, बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करेंगे

'एयर कार्गो' से जुड़े सुरक्षा पहलुओं पर गौर करने की जरूरत : गृह सचिव

केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने सोमवार को कहा कि देश में नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में यह और भी अधिक तेजी से बढ़ेगा। इसके साथ कई तरह की चुनौतियां भी आएंगी। कहा कि चिंता का एक क्षेत्र 'एयर कार्गो' (हवाई मार्ग से माल ढुलाई) है। गृह सचिव ने 'एयर कार्गो' की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर और गौर करने की जरूरत जताई।

राष्ट्रीय राजधानी में बीसीएएस के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भल्ला ने निगरानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। समारोह में नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने कहा कि बढ़ते हवाई यात्री यातायात के बीच हवाई अड्डों पर प्रक्रियाओं को और अधिक सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) से संबंधित खतरों सहित विभिन्न संभावित खतरों का भी उल्लेख किया।

पायलटों की कमी के कारण विस्तारा की उड़ानें हुईं कम

नई दिल्ली, प्रेट्र : विस्तारा एयरलाइंस संकट का सामना कर रही है। पायलटों की अनुपलब्धता के कारण अस्थायी रूप से उड़ान संचालन कम कर दी है। सोमवार को लगभग 50 उड़ानें रद कर दी गईं। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को अधिक संख्या में उड़ानें रद होने की संभावना है और यह संख्या 70 तक जा सकती है। विस्तारा के एक प्रवक्ता ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पायलटों की अनुपलब्धता सहित विभिन्न कारणों से एयरलाइन को बड़ी संख्या में उड़ानें रद करनी पड़ीं और देरी हुई।

सूत्रों ने कहा कि विस्तारा को नए अनुबंधों के तहत अपने ए 320 बेड़े के अधिकारियों के वेतन में संशोधन के बाद पायलटों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। अधिक संख्या में ग्राहकों को समायोजित करने के लिए चुनिंदा घरेलू मार्गों पर अपने बी787-9 ड्रीमलाइनर और ए 321 नियो जैसे बड़े विमान भी तैनात किए हैं। उड़ानों की संख्या कम करने से प्रभावित ग्राहकों को वैकल्पिक उड़ान या रिफंड भी दे रहे हैं।

कच्चातिवु के मुद्दे पर द्रमुक बेनकाब : मोदी

रणनीति ▶ तमिलनाडु में मतदान के पहले द्रमुक और कांग्रेस पर भाजपा का हमला जारी

जयशंकर ने कहा, मछुआरों का हित मारने वाले शुभचिंतक होने का कर रहे दिखावा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दिए जाने के मुद्दे पर भाजपा का द्रमुक और कांग्रेस पर हमला जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस मामले में सामने आए नए तथ्यों ने द्रमुक के दोहरे मापदंड को बेनकाब कर दिया है। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मछुआरों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले लोग ही अभी तक उनके शुभचिंतक होने का नाटक करते रहे हैं और इसकी सच्चाई जनता को जानना जरूरी है। 19 अप्रैल को पहले चरण में तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर मतदान होना है। इसके पहले भाजपा इसे प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश में जुटी है। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष अन्नामलाई ने खुद आरटीआइ के तहत कच्चातिवु की जानकारी जुटाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और द्रमुक पर हमला करते हुए पोस्ट किया कि दोनों परिवारवादी पार्टियां सिर्फ अपने बेटों और बेटियों की चिंता तक सीमित हैं। उन्होंने कहा कि कच्चातिवु पर दोनों दलों की आपराधिक साठगांठ ने मछुआरों के हितों को बहुत नुकसान पहुंचाया है। वहीं एस जयशंकर ने कच्चातिवु को लेकर कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व के सोच को उजागर किया। जयशंकर के अनुसार पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में इंदिरा गांधी ने कच्चातिवु को छोटा टापू कहकर इस विवाद से पीछा छुड़ाने की कोशिश की थी और इस आशय के बयान भी दिए थे। तमिलनाडु में तत्कालीन द्रमुक सरकार के मुख्यमंत्री एम करुणानिधि को 1974 में श्रीलंका के साथ समझौते के एक साल पहले से इसकी जानकारी थी। इसके दस्तावेजी सुबूत मौजूद हैं। जयशंकर के अनुसार, 1974 के समझौते में कच्चातिवु श्रीलंका को दिए जाने के बावजूद वहां भारतीय मछुआरों को मछली मारने का हक दिया गया था। लेकिन दो साल बाद 1976 में हुए समझौते में इसे खत्म कर दिया गया।

पांच दशक पुराने मामले को नए सिरे से उठाने की जरूरत के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि तमिलनाडु में अभी तक यह मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में 6,185 मछुआरों को कच्चातिवु के नजदीक मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंका गिरफ्तार कर चुका है। साथ ही 1,175 नौकाएं भी जब्त कर चुका है। संसद में सवाल पूछने के साथ-साथ द्रमुक सांसद संसदीय समितियों की बैठक में भी लगातार यह मुद्दा उठाते रहे हैं। पिछले पांच साल में खुद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन लगातार केंद्र को पत्र लिख रहे हैं। विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर ने खुद उनके 21 पत्रों का जवाब दिया है। जयशंकर ने कहा कि ऐसा कर द्रमुक खुद को मछुआरों का हितैषी साबित करने की कोशिश करती है, जबकि सच्चाई बिल्कुल उल्टा है। इसे जनता को जानने का अधिकार है।

कच्चातिवु को भारत में फिर से लाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि इससे संबंधित मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इसीलिए वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। लेकिन उन्होंने इतना जरूर साफ किया कि मोदी सरकार पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु के मछुआरों की समस्या को दूर करने का हरसंभव प्रयास कर रही है और उनकी मदद कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

नई दिल्ली में सोमवार को प्रेस कान्फ्रेंस में कच्चातिवु द्वीप मामले में द्रमुक और कांग्रेस को घेरते विदेश मंत्री एस जयशंकर। एएनआइ

राजमार्गों पर नई टोल दरें लोकसभा चुनाव के बाद होंगी प्रभावी

नई दिल्ली, प्रेट्र : चुनाव आयोग ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) से टोल शुल्क वृद्धि को टालने के लिए कहा है। आमतौर पर देश के ज्यादातर टोल राजमार्गों पर दरों को एक अप्रैल से बढ़ाया जाता है, लेकिन चुनाव आयोग ने कहा कि नई दरें लोकसभा चुनाव के बाद ही लागू होनी चाहिए। चुनाव आयोग ने इस संबंध में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के एक पत्र के जवाब में यह बात कही।

ऐसा माना जा रहा था कि टोल शुल्क में औसत पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। एनएचएआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति में बदलाव के आधार पर हर साल टोल शुल्क में परिवर्तन किया जाता है। देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल को शुरू होंगे और एक जून तक चलेंगे। मतों की गिनती चार जून को होगी।

आयोग ने कहा कि बिजली दर पर निर्णय के लिए आवश्यक प्रक्रिया राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी रखी जा सकती है। हालांकि, बिजली दर संबंधित राज्य में मतदान के पूरा होने पर यानी राज्य में मतदान की तारीख के बाद ही किया जाएगा।

मेहता की ओर से कार्रवाई न करने के बयान को सिंघवी ने सराहा

प्रथम पृष्ठ से आगे

आयकर विभाग ने 2024 में 2021 के डिमांड नोटिस पर उसके खाते से 135 करोड़ रुपये वसूल लिए। इसके बाद विभाग ने हाई कोर्ट द्वारा तय मानक के आधार पर ही अन्य वर्षों का आकलन कर मार्च 2024 में याचिकाकर्ता को 1700 करोड़ का और डिमांड नोटिस भेजा है। लेकिन, अभी चुनाव चल रहे हैं। चुनाव के दौरान वह किसी दल को परेशान नहीं करना चाहता। इसलिए, जब तक कोर्ट में अगली सुनवाई नहीं होती, तब तक 1700 करोड़ के डिमांड नोटिस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सिंघवी ने कहा कि अभी और नोटिस भेजा गया है। कुल 3500 करोड़ के लगभग का डिमांड नोटिस है। कोर्ट ने सालिसिटर जनरल मेहता का बयान आदेश में दर्ज किया कि फिलहाल 3500 करोड़ के डिमांड नोटिस के संबंध में आयकर विभाग कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा और सुनवाई 24 जुलाई तक के लिए टाल दी। मेहता की ओर से कार्रवाई न करने के बयान की सिंघवी ने सराहना की। हालांकि, कहा कि इस मामले में उनकी याचिका में हाई कोर्ट के आदेश में तय किए गए पैरामीटर को चुनौती दी गई है। ग्रास रिसीट पर टैक्स नहीं वसूला जा सकता। नियम के अनुसार, उसमें से खर्च को घटाना होता है। उनका कहना है कि जो 135 करोड़ की वसूली की गई है, उसमें भी सिर्फ 20% ही टैक्स लिया जाना चाहिए था। मेहता ने कहा कि उन्हें भी मेरिट पर बहुत कुछ कहना है लेकिन अभी नहीं।

यदि लड़ाई न लड़ी गई होती तो यह संभव न होता : कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रेट्र : आयकर विभाग से राहत मिलने के बाद कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि यदि पार्टी ने 'कर आतंकवाद' के खिलाफ लड़ाई न लड़ी होती तो यह संभव नहीं होता। आयकर विभाग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इस मामले में कांग्रेस के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने कहा कि पार्टी का रुख वैध और सही था। उन्होंने एक्स पर कहा कि यदि आप लड़ते रहेंगे तो निराशा आशा में बदल जाती है। उन्होंने कहा कि आखिरकार सच्चाई की जीत होती है। हम लगातार लड़ते रहे और हमें राहत मिली। वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आयकर के नोटिस को लेकर सोमवार को भाजपा सरकार की आलोचना की।

असम में पंजाबी ढाबे में खालिस्तानी पोस्टर, मालिक गिरफ्तार

गुवाहाटी, प्रेट्र : असम के बंगाईगांव जिले में खालिस्तान समर्थक होने के संदेह में सड़क किनारे संचालित एक ढाबा मालिक को गिरफ्तार किया गया है। ढाबा मालिक पंजाब का निवासी है। बंगाईगांव के एसपी मोहन लाल मीणा के अनुसार, ढाबा मालिक ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर गेरुकाबारी जांच चौकी के समीप स्थित अपने ढाबे में जरनैल सिंह भिंडरावाले एवं अन्य के पोस्टर लगा रखे थे।

एसपी ने कहा कि भिंडरावाले का एक फोटो है। दूसरे में एक व्यक्ति खालिस्तानी झंडे जैसा झंडा लहरा रहा है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान पंजाब के तरन तारन के गुरमुख सिंह के रूप में की गई है। गुरमुख के पास मारे गए विवादास्पद रैप गायक सिद्धू मूसावाला का फोटो भी मिला है। एसपी ने कहा, 'उसने कहा कि कुछ ट्रक ड्राइवरों ने उसे ये तस्वीरें दी हैं। वह खालिस्तान समर्थक हो सकता है, लेकिन हम इस समय कुछ नहीं कह सकते। कोरोना से पहले गुरमुख ट्रक चालक था, लेकिन महामारी के बाद उसने ढाबा खोल लिया। लगता है कि अपने ढाबा में ट्रक ड्राइवरों को आकर्षित करने के लिए उसने ये तस्वीरें रखी होंगी।

आइएएस अधिकारी नवीन तंवर पर लटकी निलंबन की तलवार

राज्य ब्यूरो, शिमला

- विधि विभाग की राय, हिमाचल सरकार केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में उठाए मामला
- दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के मामले में सीबीआइ कोर्ट ने सुनाई थी तीन साल कैद

दूसरे के स्थान पर बैंक क्लर्क भर्ती परीक्षा देने के दोषी हिमाचल प्रदेश कैडर के आइएएस अधिकारी नवीन तंवर को निलंबित किया जा सकता है। विधि विभाग ने हिमाचल सरकार को राय दी है कि मामले को केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में उठाया जाए। केंद्र सरकार दोषी आइएएस अधिकारी को निलंबित कर सकती है। जबरन सेवानिवृत्त करने के बारे में भी केंद्र सरकार ही निर्णय ले सकती है। विधि विभाग ने इसके बारे में राय के साथ फाइल कार्मिक विभाग को लौटा दी है। विधि विभाग ने लिखा है कि कोई भी कर्मचारी या अधिकारी 48 घंटे तक जेल में रहता है तो उसे स्वतः निलंबित समझा जाना चाहिए।

2014 में गाजियाबाद स्थित आइडियल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आइबीपीएस) की क्लर्क भर्ती परीक्षा हुई थी। इसमें दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के मामले में 14 मार्च को सीबीआइ कोर्ट में तंवर समेत छह लोगों को दोषी पाते हुए तीन साल कैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। वर्ष 2019 में नवीन संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हो गए। इन दिनों वह चंबा जिले के भरमौर में सहायक उपायुक्त (एडीसी) हैं।

नवीन तंवर। फाइल

केरल की उधार सीमा से जुड़ा केस पांच जजों वाली संविधान पीठ को भेजा गया

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल सरकार की उधारी की सीमा से जुड़े मुकदमे को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज दिया। मुकदमे में राज्य ने आरोप लगाया है कि केंद्र उधार लेने पर सीमा लगाकर राज्य के वित्त को विनियमित करने के उसके विशेष, स्वायत्त अधिकार में हस्तक्षेप कर रहा है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथ ने राज्यों के उधार लेने से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 293 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रविधान अब तक शीर्ष अदालत द्वारा किसी भी आधिकारिक व्याख्या के अधीन नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत दायर मूल मुकदमे में केरल सरकार ने कहा कि संविधान विभिन्न अनुच्छेदों के तहत राज्यों को अपने वित्त को विनियमित करने के लिए राजकोषीय स्वायत्तता प्रदान करता है और उधार सीमा और इसे बढ़ाने का अधिकार राज्य विधानमंडल को होता है। संविधान का अनुच्छेद 131 केंद्र और राज्य के बीच किसी भी विवाद में शीर्ष अदालत के मूल क्षेत्राधिकार से संबंधित है।

मध्य प्रदेश की भोजशाला में एएसआइ सर्वे पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- हालांकि, कोर्ट ने कहा कि उसकी इजाजत के बगैर सर्वे के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के भोजशाला सरस्वती मंदिर का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से सर्वे कराने पर रोक लगाने से सोमवार को इन्कार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि उसकी इजाजत के बगैर सर्वे के नतीजों के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही कोर्ट ने भोजशाला के एएसआइ सर्वे को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति ऋषिकेश राय और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी, धार की याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। याचिका में भोजशाला का एएसआइ से सर्वे कराने के मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश को रद करने की मांग की गई है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने 11 मार्च को एएसआइ को धार जिले में स्थित भोजशाला सरस्वती मंदिर का सर्वे करने का आदेश दिया था। कहा था कि एएसआइ के पांच वरिष्ठ अधिकारी अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके यह पता लगाएंगे कि क्या भोजशाला परिसर स्थित कमाल मौला मस्जिद सरस्वती मंदिर को तोड़ कर बनाई गई थी। हाई कोर्ट ने एएसआइ को सर्वे करके छह सप्ताह में रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया था। एएसआइ ने 22 मार्च से सर्वे शुरू कर दिया है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील की दलीलें सुनने के बाद केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एएसआइ को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कोर्ट की इजाजत के बिना सर्वे रिपोर्ट में आने वाले नतीजे के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ ही स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान ऐसी कोई खोदाई नहीं दी जाएगी जिससे कि परिसर का चरित्र या प्रकृति बदलती हो।

मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा है कि हाई कोर्ट ने एएसआइ से सर्वे का आदेश देकर अंतरिम राहत के नाम पर अंतिम राहत दे दी है। हाई कोर्ट ने संविधान में मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए आदेश दिया है। लेकिन यह ध्यान नहीं दिया कि इस आदेश से याचिकाकर्ता का भी वही अधिकार प्रभावित होता है। हाई कोर्ट का आदेश बना रहने लायक नहीं है।

परिसर में तलघर और सीढ़ियां मिलीं

नईदुनिया, धार : ऐतिहासिक भोजशाला में सोमवार को 11वें दिन भी एएसआइ का सर्वे जारी रहा। टीम ने बाहरी परिसर के लकड़ीपीठा क्षेत्र में संरचना की संभावना के मद्देनजर खोदाई शुरू की। उधर, भोजशाला के गर्भगृह के पिछले भाग में चल रही खोदाई के दौरान तलघर और सीढ़ीनुमा संरचना मिली है। बता दें कि भोजशाला में पांच स्थानों पर खोदाई हो रही है। टीम ने 50 मीटर के दायरे में गाछावाड़ी क्षेत्र में भी सर्वे शुरू किया है।

जम्मू कश्मीर

अनंतनाग में हाईवे पर वायुसेना उतारेगी अपने लड़ाकू विमान

सुखोई, मिराज व तेजस जैसे विमान उतरेंगे और उड़ान भरेंगे, साढ़े तीन किमी लंबी पट्टी तैयार, श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर होगा ट्रायल रन, इस दौरान वाहनों के लिए बंद रहेगा हाईवे

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर में श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनंतनाग में निर्मित साढ़े तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी (रोड रनवे) वायुसेना के लड़ाकू विमानों की सुरक्षित आवाजाही के परीक्षण के लिए लिए तैयार हो चुकी है। परिस्थितियों के अनुकूल रहने सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक सुखोई, मिराज और तेजस जैसे युद्धक विमान इस पट्टी पर उतरेंगे और उड़ान भरेंगे। बता दें कि यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर में हाईवे पर लड़ाकू विमानों को उतारा जाएगा। देश के कई राज्यों में इस तरह का अभ्यास पहले भी किया जा चुका है। इस दौरान आम नागरिकों को किसी असुविधा से बचाने के लिए आम वाहनों की आवाजाही का मार्ग भी बदला गया है। इसके साथ हवाई पट्टी के दोनों तरफ राष्ट्रीय राजमार्ग करीब दो-दो किमी तक के इलाके में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। हवाई पट्टी के परीक्षण के लिए राडार व अन्य उपकरणों के अलावा सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर इस हवाई पट्टी के साथ साथ लड़ाकू विमानों को खड़ा करने की सुविधा, एक हवाई यातायात नियंत्रण एटीसी टावर के अलावा लड़ाकू व अन्य विमानों की आवाजाही के लिए आवश्यक सुविधाएं भी तैयार की गई हैं।

अनंतनाग के बिजबिहाड़ा में निर्मित रोड रनवे का इस्तेमाल मुख्यतः चीन और पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। इस रनवे से उड़ान भरने के बाद युद्धक विमान अगले तीन मिनट में एलओसी और चार से पांच मिनट में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार होंगे। यह हवाई पट्टी करीब एक वर्ष पहले ही तैयार हुई है। इस पर लगभग 119 करोड़ की लागत आई। किन्हीं कारणों से परीक्षण टल रहा था। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर में फिलहाल दो जगहों पर अवंतीपोरा और श्रीनगर तकनीकी हवाई अड्डा ही युद्धक विमानों लायक है। बिजबिहाड़ा में बनी यह पट्टी चीन और पाक के साथ युद्ध की स्थिति में, बाढ़ या किसी अन्य आपात स्थिति में वायुसेना के युद्धक विमानों के अलावा एनडीआरएफ के बचाव अभियान, राहत सामग्री को गिराने, फंसे लोगों को हवाई जहाज के जरिये निकालने के काम भी आएगी।

रणनीतिक तैयारी। प्रतीकात्मक

सैन्य कमांडरों के सम्मेलन में पड़ोस से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन में सोमवार को पड़ोसी देशों से जुड़ी भू-राजनीतिक और सुरक्षा चुनौतियों पर गहन मंथन किया गया। सूत्रों ने बताया कि मानेकशा सेंटर में इस सम्मेलन में सोमवार को सेना प्रमुख, उप सेना प्रमुख और सभी सैन्य कमांडरों ने विचार-विमर्श सत्र में हिस्सा लिया। सम्मेलन का आयोजन हाइब्रिड तरीके (आनलाइन और आफलाइन) से किया जा रहा है। 28 मार्च को इसका आयोजन डिजिटल माध्यम से किया गया और एक-दो अप्रैल को आमने-सामने की बैठक आयोजित की जा रही है। सैन्य सूत्रों ने बताया कि सम्मेलन के दौरान 'पड़ोसी देश से जुड़ी भू-राजनीतिक और सुरक्षा चुनौतियों' पर गहन मंथन किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने 27 मार्च को एक बयान में कहा था कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे इस दौरान वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व समग्र सुरक्षा स्थिति का भी आकलन करेगा। इसमें कहा गया था कि यह सम्मेलन भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व के लिए वैचारिक मुद्दों पर विचार-मंथन करने, समीक्षा करने और सुरक्षा की समग्र स्थिति का आकलन करने के एक महत्वपूर्ण मंच का कार्य करता है।

अहमदी बोले, अभी रोक नहीं लगी तो बाद में कहा जाएगा पूजा तो चल ही रही है

प्रथम पृष्ठ से आगे

मसाजिद कमेटी के वरिष्ठ वकील हुजैफा अहमदी ने कहा कि पहले वजूखाने को सील किया गया और अब दक्षिणी छोर पर तलगृह में पूजा की इजाजत दे दी गई है। ऐसी ही बहुत सी अर्जियां निचली अदालत में लगातार दाखिल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि तलगृह में व्यास जी के रहने की तो बात आती है, लेकिन वहां पूजा होती थी इस बारे में कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोर्ट ने अभी रोक नहीं लगाई तो बाद में कहा जाएगा कि यह चल रहा है तो उसे अब क्यों रोका जाए। इतिहास से हमें सीखना चाहिए जहां कोर्ट को आश्वासन के बावजूद हिंसा हुई थी। उनकी दलीलों पर प्रधान न्यायाधीश ने पूछा कि जो लोग तलगृह में पूजा करने जाते हैं, वे कहां से जाते हैं और नमाज के लिए जाने वाले कहां से जाते हैं। कोर्ट को बताया गया कि दोनों अलग-अलग जगह से जाते हैं। नमाज के लिए मस्जिद में प्रवेश उत्तर की ओर स्थित सीढ़ियों से होता है, जबकि तलगृह में पूजा के लिए पुजारी दक्षिण के प्रवेश द्वार से जाते हैं। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इसका मतलब है कि तलगृह में होने वाली पूजा से नमाज पर कोई असर नहीं पड़ता। यह कहा जा सकता है कि यथास्थिति रखी जाए। नमाज जारी रहने दीजिए और दक्षिण में तलगृह में पूजा जारी रह सकती है। हालांकि, अहमदी लगातार रोक आदेश की मांग करते रहे। दूसरी ओर मंदिर पक्ष व व्यास परिवार के वकील श्याम दीवान और विष्णु शंकर जैन ने मसाजिद कमेटी की दलील का विरोध करते हुए कहा कि कोर्ट को इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। यह मामला तो नोटिस जारी करने लायक भी नहीं है। निचली अदालत और हाई कोर्ट ने कारण सहित आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद केस को जुलाई में फिर सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया।

****

11 करोड़ रुपये की कोकेन की तस्करी का प्रयास करने के आरोप में राजस्व गुप्तचर निदेशालय ने सिएरा लियोन के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने कोकेन भरे 74 कैप्सूलों को अपने पेट में छिपा रखा था। जेजे अस्पताल के डाक्टरों ने आरोपित के शरीर से 1,108 ग्राम कैप्सूल निकाले।

अप्रैल से जून तक देश में पड़ेगी भीषण गर्मी, 20 दिन चलेगी लू

मौसम विभाग ने जताया अनुमान, इसी दौरान होंगे देश में आम चुनाव

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र समेत छह राज्य ज्यादा तपेंगे

किरण रिजिजू। फाइल फोटो

नई दिल्ली, प्रेट्र : मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि देश में इस वर्ष अप्रैल से जून की अवधि में अत्यधिक गर्मी पड़ने का अनुमान है और मध्य व पश्चिमी प्रायद्वीपीय हिस्सा इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसी अवधि में देश में आम चुनाव भी होने जा रहे हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरण रिजिजू ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, 'यह हम सभी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होने जा रहा है। चूंकि हम दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश हैं और मौसम की कठिन स्थितियों का सामना करते हैं, इसलिए देश के लिए इसकी अग्रिम तैयारी करना नितांत जरूरी हो जाता है।' मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि आम चुनाव के दौरान बाहरी गतिविधियों में संभावित बढ़ोतरी से आम लोगों के लिए गर्मी से खतरा बढ़ सकता है।

महापात्र ने कहा कि अप्रैल से जून की अवधि में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने का अनुमान है और इसकी सबसे अधिक संभावना मध्य एवं पश्चिमी प्रायद्वीपीय भारत में है। वहीं, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के कुछ हिस्सों, पूर्वोत्तर राज्यों एवं उत्तरी ओडिशा में अधिकतम तापमान सामान्य और सामान्य से कम रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के महानिदेशक ने कहा कि अप्रैल-जून के दौरान मैदानी इलाकों के अधिकांश हिस्सों में लू के दिन सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। देश के विभिन्न हिस्सों में सामान्य चार से आठ दिनों की तुलना में 10 से 20 दिन लू चलने की आशंका है। उन्होंने कहा कि गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तर छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में अत्यधिक गर्मी का सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है। महापात्र ने कहा कि अल नीनो की स्थिति (मध्य प्रशांत महासागर में समय समय पर पानी का गर्म होना) कमजोर हो रही है, लेकिन यह अप्रैल व मई के दौरान जारी रहेगी। विभाग ने यह भी कहा कि अप्रैल में देश में सामान्य वर्षा (लंबी अवधि के औसत 39.2 मिमी का 88 से 112 प्रतिशत) होने की सबसे अधिक संभावना है।

गेहूं की फसल पर नहीं पड़ेगा अत्यधिक गर्मी का असर : मौसम विभाग ने कहा कि अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी का गेहूं की फसल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। विभाग का कहना है कि गेहूं की कटाई के दौरान उत्तर भारत के कई हिस्सों और पूर्वी व पश्चिमी तटों पर अधिकतम तापमान सामान्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस ऊपर रहने की संभावना है और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के आसपास रहने का अनुमान है।

बिहार में भी चला बुलडोजर, सफाईकर्मी की पिटाई के आरोपित का घर ढहाया

बिहार के मुंगेर में बुलडोजर से तोड़ा जा रहा अवैध रूप से बना मकान। जागरण

जासं, मुंगेर : बिहार के मुंगेर जिले में नगर निगम की महिला सफाईकर्मी के साथ मारपीट करने वाले आरोपित के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह मुंगर शहर के वार्ड संख्या 22 में महिला कर्मी के साथ मारपीट की गई। इसके बाद सफाईकर्मी नगर निगम कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग करने लगे। सूचना पर नगर आयुक्त निखिल धनराज निप्पाणीकर पहुंचे और सफाईकर्मियों से बात की। इसके बाद आरोपित दिलीप यादव के अवैध मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। दिलीप ने पुलिस लाइन के पास सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कच्चा मकान बना रखा था। नगर आयुक्त निखिल धनराज निप्पाणीकर ने कहा कि सफाईकर्मियों से मारपीट की घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सनातन धर्म मामले में उदयनिधि स्टालिन की याचिका अस्वीकार

▸ सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सुनवाई शुरू होने पर मामले को स्थानांतरित नहीं कर सकते

उदयनिधि स्टालिन। फाइल

पत्रकारों से जुड़े मामलों से तुलना करने को भी गलत बताया

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन से पूछा है कि उन्होंने किस मंशा से सनातन धर्म पर भड़काऊ बयान मामले में दर्ज हुई एफआइआर को एक स्थान पर लाने की याचिका दायर की है? वैसे शीर्ष न्यायालय ने इस याचिका को विधिक कारणों से अस्वीकार कर दिया है। उदयनिधि ने एक कार्यक्रम में अपने भाषण में सनातन धर्म को जड़ से मिटाने का आह्वान किया था। वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे हैं।

शीर्ष न्यायालय में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने तमिलनाडु के मंत्री के आपराधिक मामलों के मुकदमों के स्थानांतरण के लिए कानूनी प्रविधान के उपयोग पर सवाल उठाया। कहा, कुछ मामलों में सुनवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है और उनमें समन जारी हो चुके हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट कैसे उन मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है। जस्टिस दत्ता ने कहा, किसी मामले की सुनवाई शुरू होने पर केवल कुछ खास कारणों से शीर्ष न्यायालय हस्तक्षेप कर सकता है, सामान्य स्थितियों में सुप्रीम कोर्ट ऐसा नहीं करता है। पीठ ने पत्रकारों के मामलों के स्थानांतरण से उदयनिधि के मामले की तुलना को उचित नहीं बताया।

पीठ ने उदयनिधि को अपनी याचिका में संशोधन करने के लिए कहा और छह मई के बाद उसे सूचीबद्ध कराने का निर्देश दिया है। तमिलनाडु के मंत्री की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा, उदयनिधि ने यह बयान किसी राजनीतिक स्वार्थ के चलते नहीं दिया था बल्कि सामान्य तौर पर 30-40 लोगों के समूह के समक्ष दिया था, इसलिए उसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उदयनिधि ने सनातन धर्म संबंधी यह बयान सितंबर 2023 में हुए एक सम्मेलन में दिया था। इस बयान में कहा गया था कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के अधिकार के विरुद्ध है, इसलिए इसे उखाड़ फेंकना चाहिए। सनातन धर्म वैसा ही है जैसा कि कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू होता है, इसलिए उसे नष्ट कर देना चाहिए। तमिलनाडु के मंत्री के बयान का देश में भारी विरोध हुआ और कई स्थानों पर उनके खिलाफ भड़काऊ बयान देने के मामले दर्ज कराए गए थे।

नेताजी की मौत पर जनहित याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मृत्यु के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इसमें उन नेताओं के खिलाफ लापरवाही पूर्ण और गैर जिम्मेदाराना आरोप शामिल हैं, जो अब जीवित नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने याचिका में महात्मा गांधी तक को नहीं छोड़ा। उसने कहा कि याचिकाकर्ता की प्रामाणिकता जांचने की जरूरत है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता पिनाक पाणि मोहंती से पूछा कि उन्होंने जनहित के लिए और मानवाधिकारों के लिए क्या काम किया है। मोहंती ने अपनी याचिका में कहा था कि वह वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन आर्गेनाइजेशन (इंडिया) के कटक जिला सचिव हैं। पीठ ने कहा कि आपके पीछे कौन है? आपने जनहित के लिए क्या किया है? सुप्रीम कोर्ट ने उनसे एक हलफनामा दाखिल करने को कहा, जिसमें बड़े पैमाने पर समाज के लिए, खासकर मानवाधिकार के क्षेत्र में उनके द्वारा की गई अब तक की गतिविधियों का जिक्र हो। कोर्ट ने सुनवाई चार सप्ताह बाद करना तय किया।

झींगा व्यवसाय की आड़ में शाहजहां ने काले धन को किया सफेद

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

▸ कोर्ट ने संदेशखाली कांड के मास्टरमाइंड को 13 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में भेजा

ईडी ने सोमवार को विशेष अदालत में दावा किया कि संदेशखाली कांड का मुख्य आरोपित व निलंबित टीएमसी नेता शाहजहां शेख सहयोगियों की मदद से आदिवासियों की जमीन पर कब्जा करता था और उस पर झींगा पालन करता था। इस व्यवसाय की आड़ में उसने राशन घोटाले की 31.20 करोड़ रुपये की काली कमाई को सफेद किया। इसके लिए शेख सबीना के नाम पर कंपनी भी खोली थी। सोमवार को शाहजहां को कोलकाता स्थित ईडी की विशेष अदालत में पेश किया गया। ईडी के वकील ने कहा, देश की खातिर, संदेशखाली के लोगों की खातिर शाहजहां को हिरासत में लेना जरूरी है, नहीं तो यह अभिशाप हो जाएगा। इसके बाद अदालत ने शाहजहां को 13 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। बता दें कि ईडी ने 30 मार्च को राशन घोटाले में शाहजहां को गिरफ्तार किया था। ईडी ने दावा किया कि शाहजहां ही संदेशखाली में सिंडिकेट चला रहा था। उसके करीबी सहयोगियों की पहचान सिंडिकेट के सदस्यों के रूप में की गई है। सूत्रों के मुताबिक, अब ईडी अवैध रूप से जमीन कब्जा करने और उस पर झींगे का व्यवसाय करने के लिए शाहजहां पर मनी लांड्रिंग के तहत शिकंजा कसना चाहती है। शाहजहां की पेशी के दौरान वकीलों के समूह ने उसे फांसी देने की मांग करते हुए नारे लगाए।

संदेशखाली कांड का मुख्य आरोपित शाहजहां शेख सोमवार को कोलकाता में न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। एएनआइ

मुख्तार की मौत के बाद बांदा के वरिष्ठ जेल अधीक्षक को दी गई धमकी

जागरण संवाददाता, बांदा

▸ गुरुवार को मौत के बाद आधी रात आया था फोन, रविवार को दी गई पुलिस को सूचना

माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के करीब चार घंटे बाद बांदा जेल के वरिष्ठ अधीक्षक वीरेश राज शर्मा को बेसिक फोन से जान से मारने की धमकी दी गई थी। फोन करने वाले ने कहा था कि अब तुझे ठोकना पड़ेगा, बच सकते हो तो बच। 14 सेकंड की काल के दौरान उसने जमकर गालियां भी दीं। इस मामले को पहले दबाए रखा गया, लेकिन रविवार देर रात अधिकारियों के निर्देश पर वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने मुकदमा दर्ज कराया है। पता लगाया जा रहा है कि धमकी देने वाला वास्तव में मुख्तार अंसारी से जुड़ा है या फिर किसी ने शरारत की है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक सुरक्षा के घेरे में रह रहे हैं।

बता दें, मुख्तार ने जीवित रहने के दौरान अदालत में आरोप लगाया था कि जेल में उसे धीमा जहर दिया जा रहा है। गुरुवार को उसकी मौत के बाद बेटे उमर अंसारी ने भी आरोप दोहराते हुए पिता को समुचित इलाज न मिलने की बात कही थी। पोस्टमार्टम में मुख्तार की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया था।

20 वर्ष बाद पता चलेगा मौत का कारण : अफजाल

जागरण संवाददाता, गाजीपुर : सांसद अफजाल अंसारी ने सोमवार को कहा, सरकार के संरक्षण में उसके चहेते अधिकारियों ने दुर्दांत अपराधियों को बचाने के लिए मुख्तार की हत्या को अंजाम दिया। अफजाल ने दावा किया कि मुख्तार का शव इस एहतिहात के साथ दफन किया गया है कि पांच, दस व बीस वर्ष बाद भी उसके नाखून या बालों का परीक्षण कर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सकेगा। इस बीच सपा के पूर्व सांसद और आजमगढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव और एआइएमआइएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्तार अंसारी के घर पहुंचकर स्वजन से मुलाकात कर शोक संवेदना जताई।

यूपी में मुख्तार को मसीहा बताने वाला सिपाही निलंबित

जागरण संवाददाता, चंदौली : लखनऊ में मुख्तार अंसारी के समर्थन में एक सिपाही के वाट्सएप स्टेटस लगाने के बाद चंदौली में एक सिपाही को इंटरनेट मीडिया पर मुख्तार को मसीहा बताकर पोस्ट करना भारी पड़ गया। एसपी डा. अनिल कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सिपाही आफताब को निलंबित कर दिया। सिपाही आफताब बलिया का रहने वाला है। एसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया उत्तर प्रदेश पुलिस आचरण नियमावली का उल्लंघन पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। सिपाही चंदौली में 2018 से तैनात है। बता दें, इससे पहले लखनऊ के बक्शी का तालाब थाने में तैनात सिपाही मोहम्मद फैयाज ने मुख्तार के समर्थन में वाट्सएप स्टेटस लगाया था।

आपरेशन में नर्स ने काट दी प्रसूता की नस, मौत

जागरण संवाददाता, गोड्डा

▸ झारखंड के गोड्डा में सदर अस्पताल का मामला

▸ अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही पर स्वजन का हंगामा

झारखंड में गोड्डा के सदर अस्पताल में चिकित्सक की अनुपस्थिति में नर्स ने प्रसूता का आपरेशन कर नवजात को गर्भ से सुरक्षित बाहर तो निकाल लिया, परंतु प्रसूता की जान चली गई। स्वजन का आरोप है कि नर्स की लापरवाही से प्रसूता की नस कट गई और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। रविवार देर रात घटी इस घटना के बाद स्वजन ने सोमवार को अस्पताल में जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मामले को शांत कराया। सिविल सर्जन ने मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर रिपोर्ट तलब की है।

बताया गया कि प्रसव पीड़ा के बाद 22 वर्षीय प्रतिमा कुमारी को रविवार सुबह पति कैलाश साह ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। ड्यूटी पर तैनात जनरल फिजिशियन डा. राजेंद्र भगत ने ड्यूटी पर तैनात नर्स को ब्लड प्रेशर आदि की जांच कर महिला का सामान्य प्रसव कराने का निर्देश दिया था। इस बीच नर्स ने सुबह करीब 11 बजे आपरेशन कर उक्त महिला का प्रसव कराया। इसके बाद से ही रक्तस्राव शुरू हो गया। देर शाम प्रतिमा की हालत गंभीर हो गई तो ड्यूटी पर तैनात नर्स ने कुछ दवाएं मंगाईं। इससे भी उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो रात्रिकालीन सेवा में मौजूद चिकित्सक को रात करीब एक बजे प्रसव वार्ड में बुलाया गया, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। स्वजन ने आरोप लगाया है कि डिलीवरी के बाद नर्स ने उनसे 5000 रुपये की मांग की, परंतु उन्होंने एक हजार रुपए दिए तो नर्स का चेहरा तमतमा गया। इसके बाद मरीज की देखभाल में और भी लापरवाही बरती गई।

आगरा में पालतू कुत्ते के विवाद में युवक की पीटकर हत्या

जागरण संवाददाता, आगरा : आगरा में रविवार रात पालतू देसी कुत्ते को लेकर हुए विवाद में पड़ोसियों ने युवक को पीट-पीटकर मार डाला। घटना के बाद स्वजन ने थाने के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शव पोस्टमार्टम को भेजा। सोमवार शाम तीन बजे पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कराया गया। हत्या के बाद सब्बल व सरिया लेकर भागते आरोपित का वीडियो पुलिस को मिला। इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

कार चालक 32 वर्षीय जैकी बघेल को 15 दिन पहले पड़ोसी राकेश के पालतू कुत्ते ने काट लिया था। उस समय तकरार के बाद मामला शांत हो गया था। रविवार रात घर के बाहर खड़े जैकी को देखकर कुत्ता भौंकने लगा। जैकी ने राकेश से उसे बांधने को कहा। इसी बात पर कहासुनी के दौरान राकेश ने भाई अनिल व अन्य स्वजन के साथ सरिया व सब्बल से जैकी पर हमला कर दिया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

40 वर्ष पूर्व की थी साथी की हत्या, अब मिला आजीवन कठोर कारावास

जागरण संवाददाता, मंडी

▸ उप्र के जौनपुर का रहने वाला दोषी, 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

▸ 20 मई 1984 को हिमाचल में पेट में चाकू घोंपकर की थी साथी की हत्या

हिमाचल में अपने साथी के पेट में चाकू घोंपकर हत्या करने के दोषी को 40 वर्ष बाद आजीवन कठोर कारावास की सजा मिली है।

मंडी जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (प्रथम) ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मनुपुर गांव निवासी किशन देव पाल उर्फ किशन नाथ को सोमवार को यह सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। 20 मई, 1984 को मंडी के एक होटल में किशन देव पाल ने अपने साथी बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के जमालाबाद निवासी शंकर प्रसाद की हत्या कर दी थी। इसके बाद वह फरार हो गया था। न्यायालय ने उसे उद्घोषित अपराधी करार दिया था। पीओ सेल ने उसे 11 जनवरी, 2020 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सदर पुलिस ने न्यायालय में मामले का अनुपूरक चालान दायर किया था।

जिला न्यायवादी विनोद भारद्वाज ने बताया कि दोषी व मृतक बोरी आदि का कारोबार करते थे। दोनों 20 मई, 1984 को मंडी के एक होटल में बिस्तर लेकर ठहरे हुए थे। उसी कमरे में तीसरी चारपाई पर वेदराम नाम का व्यक्ति सोया हुआ था। होटल मालिक के बेटे आइटीआइ प्रशिक्षु उमेश कुमार ने पुलिस को दिए बयान में बताया था कि वह होटल की ऊपरी मंजिल के कमरे में सोया हुआ था। रात ढाई बजे निचली मंजिल से चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। कोई व्यक्ति जोर-जोर से चिल्ला रहा था कि उसके पेट में चाकू घोंप दिया है। जब वह निचली मंजिल में आया तो शंकर प्रसाद खून से लथपथ जान बचाने की गुहार लगा रहा था। वेद राम और उमेश ने बताया कि चाकू किशन देव पाल ने पेट में घोंपा है। दोषी 36 वर्ष तक हुलिया बदलकर पंजाब व अन्य राज्यों में काम करता रहा। उसे स्वजन की मोबाइल लोकेशन के आधार पर पीओ सेल ने पकड़ा था।

बिहार में कहलगांव के भाजपा विधायक से 50 लाख की मांगी रंगदारी

जासं, भागलपुर : बिहार के भागलपुर जिले की कहलगांव के भाजपा विधायक पवन कुमार यादव को वाट्सएप काल कर सोमवार को 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। फोन करने वाले ने रंगदारी नहीं देने पर विधायक व उनके पुत्र की हत्या करने की धमकी भी दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि फोन पाकिस्तान से किया गया था। फोन करने वाले के वाट्सएप नंबर पर पाकिस्तानी सेना की वर्दी में डीपी (डिस्प्ले पिक्चर) में लगी थी। पुलिस ने विधायक व उनके परिवार वालों की सुरक्षा बढ़ा दी है।

बताया गया कि विधायक के मोबाइल पर सुबह 10.57 बजे +923486747773 नंबर से वाट्सएप काल आया। उनसे पूछा गया कि प्रत्युष पवन कौन है! विधायक ने जैसे ही कहा, उनका बेटा है। उधर से कहा गया कि वह विधायक व उनके बेटे को मार डालेगा। बचना है तो 50 लाख की रंगदारी देनी होगी। प्रत्युष रांची में बीआइटी मेसरा से बीटेक की दूसरे वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। झारखंड पुलिस को भी घटना की जानकारी देकर प्रत्यूष निगरानी बढ़ाने को कहा गया है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के नायक सूबेदार थानसिया का निधन

भारतीय सेना की असम रेजिमेंट के द्वितीय विश्वयुद्ध में भाग लेने वाले दिग्गज सूबेदार थानसिया के पार्थिव पर श्रद्धांजलि देते सेना के जवान। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय सेना की ओर से द्वितीय विश्वयुद्ध में भाग लेने वाले दिग्गज सूबेदार थानसिया का 102 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मिजोरम के रहने वाले सूबेदार ने 31 मार्च को अंतिम सांस ली। कठिन परिस्थितियों में कोहिमा युद्ध में उनके पराक्रम ने मित्र देशों की सेना की महत्वपूर्ण जीत दिलाई थी। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्हें कोहिमा की लड़ाई में वीरता के लिए याद किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने जेसामी में तैनाती के दौरान पहली असम रेजीमेंट की विरासत को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सूबेदार ने पूरी सेवा के दौरान राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। असम रेजीमेंट के जवानों ने अन्य लोगों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिकारी ने कहा, सूबेदार थानसिया की जीवन अतीत हीं नहीं बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा स्रोत है।

हाजिर नहीं होने पर मौलाना तौकीर फरार घोषित

जागरण संवाददाता, बरेली : बरेली जिले में 2010 में हुए दंगे के मामले में हाजिर नहीं होने पर कोर्ट ने इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खां को फरार घोषित कर दिया। सोमवार को सत्र न्यायालय ने मौलाना का गिरफ्तारी वारंट जारी करने के साथ ही कुर्की की तैयारी के आदेश भी कर दिए। इस प्रकरण में अगली सुनवाई आठ अप्रैल को होगी।

▸ बरेली में दंगा प्रकरण में जारी हुआ था गैर जमानती वारंट

इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल के मीडिया प्रभारी का कहना है कि दिल्ली में उपचार होने के कारण तौकीर रजा हाजिर नहीं हो सके। वह कोर्ट का सम्मान करते हैं। तबीयत में सुधार होते ही कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा। पांच मार्च को अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम) रवि कुमार दिवाकर ने तौकीर को दंगे का मास्टरमाइंड मानकर पेशी का आदेश दिया था। बाद में गैर जमानती वारंट जारी किया गया। इसके विरुद्ध मौलाना तौकीर ने हाई कोर्ट में अर्जी डाली, जिस पर आदेश हुआ कि 27 मार्च को ट्रायल कोर्ट में सरेंडर करें।

जागरण विशेष

आइसर के विज्ञानियों ने खोजा पालीथिन का सस्ता बायोडिग्रेडेबल विकल्प

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में बनी जैविक रूप से नष्ट होने वाली नैनोकंपोजिट फिल्म, ले सकेगी पालीथिन की जगह

अंजली राय ● भोपाल

पर्यावरण के लिए खतरा बनी पालीथिन पर नियंत्रण के लिए दुनियाभर में अभियान चलाया जा रहा है। इसके नए-नए विकल्पों की तलाश वर्षों से चल रही है, लेकिन अब तक ऐसे किसी विकल्प पर नहीं पहुंचा जा सका है जो सभी मानकों पर खरा उतर सके। पालीथिन के बेहद सस्ते होने के चलते इसके विकल्प व्यावहारिक रूप से बड़े स्तर पर उपयोग में नहीं आ पा रहे हैं।

मगर अब भोपाल के भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) के विज्ञानियों के शोध से एक उम्मीद जागी है। आइसर के विज्ञानियों ने एक प्राकृतिक बायोडिग्रेडेबल नैनोकंपोजिट फिल्म तैयार करने में सफलता हासिल कर ली है। विज्ञानियों ने केकड़े और झींगा श्रेणी के जीवों से प्रेरणा लेकर इसे तैयार किया है। न केवल इसकी लागत बेहद कम है, बल्कि यह चंद दिनों में अपने आप नष्ट भी हो जाती है। प्राकृतिक रेशों से बनी यह फिल्म बेहद मजबूत भी है। इसके चलते सामानों की पैकिंग में मददगार होने से लेकर अन्य उपयोगों में इसे पालीथिन के बेहतर विकल्प और पर्यावरण संरक्षण के रूप में भी देखा जा रहा है।

आइसर के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग की सहायक प्राध्यापक डा. परमिता दास का कहना है कि पेट्रोलियम आधारित पैकेजिंग सामग्रियां अपनी गैर-बायोडिग्रेडिबिलिटी और गैर-नवीकरणीयता के कारण पर्यावरण के लिए खतरा हैं। जबकि बायोपालीमर आधारित यह फिल्म पर्यावरण मित्र है। इसे जमीन पर कहीं भी फेंक देने से भी यह पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाती और यह धीरे-धीरे मिट्टी में घुल जाती है। प्राकृतिक चीजों से बनाने के साथ ही मजबूती के लिए इसमें सेल्यूलोज नैनोक्रिस्टल्स का उपयोग किया गया है। यह नैनोकंपोजिट फिल्म उच्च ताकत युक्त और हानिकारक पराबैंगनी किरणों से संरक्षण वाले गुणधर्मों से युक्त हैं। इस शोध का प्रकाशन प्रतिष्ठित अमेरिकी जर्नल एसीएस एप्लाइड नैनोमैटेरियल्स में किया जा चुका है।

केकड़े और झींगे से मिली प्रेरणा

पीएचडी स्कालर रूप सिंह लोधी ने बताया कि यह नैनोकंपोजिट्स फिल्म प्राकृतिक जीव व सामग्रियों की संरचनाओं से प्रेरित होकर बनाई गई है। यह संरचना मुख्यत: केकड़ा और झींगा शैली के जीवों में पाई जाती है। केकड़े का कवच इसी तरह की झिल्ली से बना होता है। प्रक्रिया में सेल्यूलोज नैनोक्रिस्टल्स (सीएनसी) को सोडियम कार्बोक्सी मेथाइल सेल्यूलोज पालीमर मैट्रिक्स में मिश्रित किया है, जो नैनोकंपोजिट को मजबूती प्रदान करते हैं। हम लैब में सीएनसी को बनाने के लिए बायोमास का भी उपयोग करते है। इनमें नए गुणधर्मों को बढ़ाने के लिए सीएनसी की सतह पर एक बायोपालीमर पालीडोपामीन की परत चढ़ाई गई है।

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान की विज्ञानी डा. परमिता दास और शोधार्थी रूप सिंह लोधी के प्रयोगशाला में शोध करते हुए ● सौ. आइसर

यह होगा फायदा

- पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण
- पैकिंग करने में सहायक
- पाराबैंगनी किरणों से संरक्षण

ऐसे बनेगा सीएनसी

- धान की पराली
- सब्जियों/फलों के छिलके
- कागज का कचरा

इस फिल्म के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। भविष्य में यह फिल्म पेट्रोलियम आधारित पैकेजिंग उत्पादों का विकल्प भी बन सकेगी, क्योंकि मजबूती के साथ लचीली, उच्च थर्मल स्थिरता, यूवी किरणों से संरक्षण की क्षमता, बायोडिग्रेडिबिलिटी, फ्री रेडिकल स्केवेंजिंग क्षमता, न्यूनतम जल वाष्प संचरण दर होने से इसे आसानी से पैकिंग के लिए उपयोग किया जा सकेगा।

डा. परमिता दास, सहायक प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

गुजरात में गोमांस खाने की शिक्षा देने वाले स्कूल ने मांगी माफी

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : गुजरात के कच्छ गांधीधाम में स्थित जीडी गोयनका स्कूल में मासूम बच्चों को पढ़ाया जा रहा था कि गाय सफेद व काली होती है। यह घास खाती है। हम इसका दूध पीना पसंद करते हैं और उसका मांस भी खा सकते हैं। कई संगठनों के विरोध के बाद स्कूल ने माफी मांगते हुए इस विवादित पाठ्यसामग्री को हटा लिया है।

कच्छ गांधीधाम के जीडी गोयनका स्कूल के 18 मार्च के एक पाठ्य सामग्री में गाय के बारे में लिखा गया था। ऐसी शिक्षा प्ले ग्रुप के बच्चों को दी जा रही थी। जब कई संगठनों ने इसे शर्मनाक बताते हुए इस पर आपत्ति जताई तो स्कूल ने माफी मांगते हुए इस पाठ्य सामग्री को हटा लेने की बात कही।

****

दैनिक जागरण

सही समय की प्रतीक्षा में बहुत समय व्यर्थ हो जाता है

जेल में केजरीवाल

आखिरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल भेज दिए गए। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने उनकी कस्टडी की मांग नहीं की थी, लेकिन यह शिकायत अवश्य की थी कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और अपने फोन का पासवर्ड देने से मना करने के साथ सवालों के गोलमोल जवाब दे रहे हैं। ईडी ने अरविंद केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजने की जो जरूरत जताई, उसे न्यायाधीश ने स्वीकार कर लिया। इसका अर्थ है कि केजरीवाल के वकील अदालत को अपनी इन दलीलों से संतुष्ट नहीं कर सके कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को गलत फंसाया गया है और उनका शराब घोटाले से कोई लेना-देना नहीं। शराब घोटाले में केजरीवाल एक ऐसे समय तिहाड़ जेल पहुंचे हैं, जब उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह पहले से ही वहां हैं। इसके अतिरिक्त एक अन्य मामले में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन भी जेल में हैं। यह आश्चर्यजनक है कि केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बजाय जेल से ही सरकार चलाने पर जोर दे रहे हैं। यह न तो आसान है और न ही व्यावहारिक, क्योंकि मुख्यमंत्री को केवल फाइलों पर हस्ताक्षर ही नहीं करने होते। उसे कैबिनेट बैठक करने के साथ अधिकारियों को लिखित और मौखिक आदेश-निर्देश भी देने पड़ते हैं। क्या यह संभव है कि वह जेल से पत्र जारी कर सरकार चलाते रहें? शायद वह ऐसी ही कोशिश करें, लेकिन इससे दिल्ली सरकार का कामकाज प्रभावित होना तय है।

यह सही है कि संविधान इस प्रश्न पर मौन है कि क्या कोई मुख्यमंत्री जेल से सरकार चला सकता है, लेकिन इसका कारण यह है कि संविधान निर्माताओं ने कभी यह कल्पना ही नहीं की थी कि यदि किसी मुख्यमंत्री के जेल जाने की नौबत आएगी तो वह इस्तीफा देने के स्थान पर जेल से सरकार चलाने की कोशिश करेगा। शराब घोटाले का सच जो भी हो, अरविंद केजरीवाल का अदालत के समक्ष ईडी की ओर से किए गए इस दावे का प्रतिकार न करना हैरान करता है कि उन्होंने उसे बताया था कि विजय नायर उन्हें नहीं, बल्कि उनके मंत्रियों आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे। ध्यान रहे कि शराब घोटाले में सबसे पहली गिरफ्तारी विजय नायर की ही हुई थी। उन्हें अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया का विश्वास पात्र माना जाता है। ईडी की मानें तो शराब घोटाले में पैसे का लेन-देन विजय नायर के जरिये ही हुआ। पता नही सच क्या है, लेकिन यदि अब आतिशी और सौरभ भी ईडी की जांच के दायरे में आ जाएं तो हैरानी नहीं। ईडी का आरोप है कि शराब नीति बदलकर शराब कंपनियों से रिश्वत के रूप में जो करोड़ों रुपये लिए गए, उनका इस्तेमाल गोवा और पंजाब में चुनाव लड़ने के लिए किया गया। चूंकि गोवा की चुनाव प्रभावी आतिशी थीं, इसलिए बहुत संभव है कि ईडी जल्द ही उन्हें पूछताछ के लिए तलब करे।

सतर्कता आवश्यक

झारखंड में साइबर ठगों का मनोबल कुछ इस हदतक बढ़ गया है कि अब वे शासन-प्रशासन में उच्च पदों पर आसीन अधिकारियों तक को फांसने में भी बाज नहीं आ रहे हैं। रांची और लातेहार के उपायुक्त का फर्जी वाट्सएप अकाउंट बनाया जाना उनके दुस्साहस को दर्शाता है। ये अपराधी न सिर्फ तकनीकी तौर पर काफी समृद्ध हैं, बल्कि भावनात्मक तौर पर भी लोगों को फांसने में माहिर है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से पूरी तरह से अपडेट ये ठग लोगों को ठगने के नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। जो इन ठगों के चाल को समझने में सफल नहीं हुए, उनके बैंक खाते देखते ही देखते ये ठग खाली कर दे रहे हैं। ठगी के कुछ ऐसे मामले भी आए हैं, जिनमें बच्चों की आवाज का क्लोन तैयार कर अपराधी उनके अभिभावकों से पैसे की मांग करते हैं। झारखंड में ऐसे मामलों की संख्या एक दर्जन के करीब हो चुकी है। ऐसा भी नहीं है कि शासन-प्रशासन की नजर में ऐसे मामले नहीं आ रहे हैं।

ये साइबर ठग न सिर्फ तकनीकी तौर पर काफी समृद्ध हैं, बल्कि भावनात्मक तौर पर भी लोगों को फांसने में माहिर हैं

इससे निपटने के लिए प्रशासन बड़े पैमाने पर साइबर सतर्कता से संबंधित कार्यक्रम चला रहा है। इसके बावजूद आए दिन साइबर अपराध के नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। आवश्यकता है कि पुलिस प्रशासन और सरकार ऐसे मामलों को और भी गंभीरता से ले और इससे संबंधित जागरूकता कार्यक्रम गांव स्तर तक पर चलाए। बेहतर तो यह होगा कि इस कार्य में पंचायत स्तर तक के जनप्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों आदि की भी सहभागिता सुनिश्चित हो। साइबर ठगों पर नकेल समेकित प्रयास से ही संभव है।

विकसित देशों से सीख ले भारत

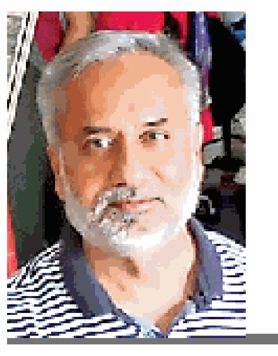

शिवकांत शर्मा

विकसित देशों में राजनीतिक दल सरकारी नौकरियां बढ़ाने की जगह उद्योग-धंधों को बढ़ावा देकर रोजगार पैदा करने की बात करते हैं, लेकिन भारत में उलटी कहानी है

अपने उत्कर्ष के दिनों में भारत एक उद्यम प्रधान और कारोबारी देश रहा है। सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य की राजसभा में आए यूनानी सम्राट सेल्यूकस के राजदूत मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक 'इंडिका' में भारतीय समाज के सात वर्गों का उल्लेख किया है। इनमें अधिकांश लोग बुद्धिजीवी, किसान, कारोबारी, शिल्पकार और सैनिक वर्गों के थे। बहुत कम लोग सेवक थे और नौकरी करते थे। नौकरी को निर्भरता और पराधीनता वाला काम होने की वजह से हेय समझा जाता था। आर्थिक इतिहासकार एंगस मैडिसन ने भी विश्व अर्थव्यवस्था के इतिहास में इसकी पुष्टि की है, परंतु सदियों की गुलामी के बाद आजाद हुए भारत में परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। आज लोगों को वेतन की सुरक्षा वाली नौकरी की पराधीनता आर्थिक असुरक्षा वाले कारोबारी उद्यम से बेहतर लगने लगी है। विशेष रूप से सरकारी नौकरी जिसे काम की सुरक्षा और पेंशन की वजह से सर्वोपरि माना जाता है। कारोबारी उद्यम को आर्थिक असुरक्षा के साथ-साथ मुनाफाखोरी के काम के रूप में देखा जाता है। इसकी बड़ी वजह हमारी उपनिवेशकालीन शिक्षा प्रणाली है जो उद्यम, सृजनशीलता और गवेषणा का कौशल एवं अनुभव देने की जगह रटने वाली पढ़ाई पर केंद्रित है। इससे शिक्षित स्नातक उद्यम, श्रम और गवेषणा से विमुख होकर दफ्तरी या मशीनी काम करने योग्य बनते हैं। उनकी उपादेयता खत्म होती जा रही है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के विकास के कारण मशीनें कई कामों को अधिक कुशलता और गति से कर सकती हैं। इसीलिए गांधी जी ने अपनी 'नई तालीम' में शिक्षा को श्रम से जोड़ने की बात की थी।

शिक्षाशास्त्री अनिल सद्गोपाल की अध्यक्षता में बनी समिति की रिपोर्ट में कहा गया था कि शिक्षा को काम के साथ जोड़ना बच्चों को समाज से जोड़ने जैसा है। इससे उनमें श्रम के प्रति श्रद्धा पैदा होती है और अनुभूतिजन्य ज्ञान भी मिलता है। श्रम और बौद्धिकता के इस संतुलन को प्रयोगिक रूप देने के लिए रांची के पास नेतरहाट में एक प्रायोगिक विद्यालय खोला भी गया, लेकिन उसकी सफलता के बावजूद उसे देश भर में नहीं फैलाया गया। नतीजा सबके सामने है। इस पर बहस हो सकती है कि देश में 21-30 के बीच किस आयु वर्ग के शिक्षितों में बेरोजगारी की दर सबसे ऊंची रहती है, किंतु वास्तविकता यह है कि उत्तर प्रदेश में सिपाहियों की लगभग 60 हजार नौकरियों के लिए 50 लाख से भी अधिक स्नातकों ने आवेदन किए और परीक्षा में जाने के लिए रेलगाड़ियों में जगह तक नहीं मिली।

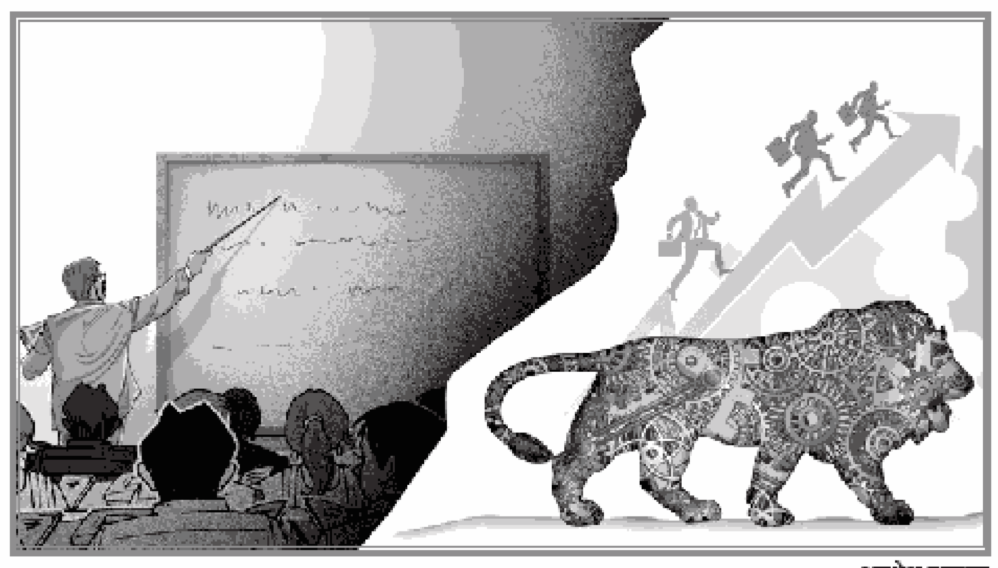

अवधेश राजपूत

यह भी किसी से छिपा नहीं कि मुट्ठी भर नागरिक सेवाओं के लिए कैसे लाखों स्नातक कोटा और पुणे जैसे शहरों के कोचिंग संस्थानों में जाकर कई साल तक तैयारी करते हैं। यह सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत में हर साल औसतन 15 लाख इंजीनियरों समेत करीब एक करोड़ छात्र स्नातक बनते हैं। योग्यता सर्वेक्षणों के अनुसार इनमें से केवल 25 प्रतिशत एमबीए स्नातक, 20 प्रतिशत इंजीनियर और मात्र 10 प्रतिशत सामान्य स्नातक ही काम के योग्य होते हैं। बाकी को या तो नए सिरे से प्रशिक्षित करना पड़ता है या ऐसा काम देना पड़ता है, जिसके लिए वे मानसिक रूप से तैयार नहीं होते।

काम-धंधों को लेकर सामाजिक सोच इतना नकारात्मक है कि यदि कोई नेता रोजगार के लिए उनकी मिसाल भी दे तो हंसी का पात्र बना दिया जाता है। कारोबारी उद्यम और काम-धंधों के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा भी कड़ी होती जा रही है। 10 करोड़ से अधिक किसान दूसरे काम-धंधों की तलाश में हैं। दस्तकारी और कारीगरी जैसे काम-धंधों की पुश्तैनी परंपरा या तो टूट चुकी है या मशीनों के माल के सामने टिक नहीं पाती है। इन सभी को रोजगार के लिए प्रशिक्षण, पूंजी और बाजार की जरूरत है। बेरोजगारी का मुद्दा हर चुनाव में चर्चा पाता है। इस बार कांग्रेस ने 30 लाख सरकारी नौकरियां, हर स्नातक और डिप्लोमा धारक को एक लाख रुपये प्रति वर्ष का भत्ता एवं प्रशिक्षण और युवाओं को जिला स्तर पर स्टार्टअप फंड देने की घोषणा को युवा न्याय गारंटी का नाम दिया है। भाजपा समेत अन्य दल भी आने वाले दिनों में ऐसी ही घोषणाएं करेंगे, लेकिन शिक्षा प्रणाली को कारोबारी उद्यम और अनुसंधानमुखी बना समस्या के समाधान की बात शायद ही कोई करे।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि भारत में रोजगार का मतलब नौकरी ही माना जाता है। जब भी कोई दल रोजगार की बात करता है तो सरकारी नौकरियां बढ़ाने या भरने की बात ही करता है। उद्योग-धंधे, कारोबार और काम-धंधे बढ़ाकर रोजगार सृजन की बात कम होती है। यूरोप, अमेरिका और जापान में ऐसा नहीं होता। वहां पार्टियां सरकारी नौकरियां बढ़ाने की जगह उन्हें घटाकर खर्च बचाने और बचे पैसों से उद्योग और कारोबार को बढ़ावा देकर रोजगार पैदा करने की बात करती हैं। सरकारी नौकरियों को रोजगार नहीं, बल्कि रोजगार टैक्स के रूप में देखा जाता है, क्योंकि उनका वेतन टैक्स के पैसे से दिया जाता है। नौकरियों से आज तक कोई देश उन्नत नहीं हुआ। उन्नति उद्योग-धंधों से ही होती है। इसलिए विकसित देशों में पार्टियां सरकारी खर्च घटाने और उद्योगों-कारोबारों को फैलाकर आमदनी बढ़ाने की बात करती हैं।

असली रोजगार सृजन उद्योग और कारोबार ही कर सकते हैं। वे रोजगार भी देते हैं और टैक्स भी। कांग्रेस की 30 लाख सरकारी नौकरियां देने की घोषणा को ही लें। इस समय केंद्र सरकार के कर्मचारियों की संख्या लगभग 33 लाख है, जिनके वेतन पर 3.25 लाख करोड़ खर्च होता है। यदि इनमें 30 लाख और जोड़ दिए गए तो वेतन पर होने वाला खर्च तीन लाख करोड़ और बढ़ जाएगा। इसी पैसे को यदि उद्योग-धंधों को बढ़ावा देने पर खर्च किया जाए तो रोजगार भी बढ़ सकते हैं और टैक्स की आमद भी। लोगों को बिना काम किए भत्ते और मुफ्त की बिजली देना और सरकारी नौकरियां भरते जाना सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि उसके नाम पर किया जाने वाला अनुत्पादक खर्च है। सरकार का दायित्व करदाता की पाई-पाई को उत्पादक कामों में लगाना है, जिससे अर्थव्यवस्था का विकास हो। वोटों के लिए अनुत्पादक फिजूलखर्ची करना नहीं। मतदाताओं को यह बात समझकर और स्वावलंबी बनकर आर्थिक रूप से जिम्मेदार प्रतिनिधियों के चुनाव को प्राथमिकता देनी होगी।

(लेखक बीबीसी हिंदी के पूर्व संपादक हैं)

response@jagran.com

सच के साथ खड़ा होता मुस्लिम समाज

रामिश सिद्दीकी

इस बार मुस्लिम समाज उन नेताओं के बहकावे में नहीं आया, जो सीएए को लेकर उसे उकसा रहे हैं

केंद्र सरकार की ओर से नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के नियमों को अधिसूचित करने के साथ ही उस पर अमल की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। हालांकि कुछ नेता इसका विरोध करने में लगे हुए हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने बीते रविवार को एक रैली में फिर से यही दोहराया कि यह कानून देश के वैध नागरिकों को विदेशी बनाने की एक साजिश है। मुसलमानों को बरगलाने के लिए इसी तरह की आधारहीन बातें तब की गईं थी, जब यह कानून संसद से पारित हुआ था। कुछ राज्य सरकारों ने तो इस कानून के खिलाफ अपनी विधानसभा में प्रस्ताव तक पारित किए थे। वह भी तब जबकि नागरिकता के विषय का राज्यों से कोई लेनादेना तक नहीं। उस समय एक ऐसा माहौल बनाया गया कि तमाम लोगों और संगठनों ने सड़कों पर उतरकर इस कानून का उग्र विरोध किया था। इनमें मुसलमानों की अच्छी-खासी भागीदारी थी। इस बार वैसा कुछ देखने को नहीं मिल रहा तो इसका यही मतलब है कि पहले मुस्लिम समाज का एक तबका दुष्प्रचार के चलते गुमराह हो गया था।

यह महत्वपूर्ण है कि इस बार मुस्लिम समाज में नागरिकता कानून का कोई खास विरोध देखने को नहीं मिला। इसका कारण यह है कि मुस्लिम समाज को यह सच समझ आ गया कि कैसे कुछ दल और नेता उसे मात्र एक वोट बैंक के रूप में देखते हैं और उसे बरगलाते हैं। सीएए का संबंध केवल केंद्र सरकार से है, लेकिन अनेक राज्य सरकारों ने कहा कि वे इस कानून को अपने राज्यों में लागू नहीं होने देंगे। ऐसे बयानों का मकसद केवल मुस्लिम समाज को यह दिखाना है कि वे तो उनके साथ हैं, लेकिन केंद्र सरकार उनके खिलाफ है। सीएए पर मुसलमानों को उकसाने की कोशिश कर रहे नेता यह जानते हैं कि वे केवल लफ्फाजी कर रहे हैं। वे यह भी जानते हैं कि इस कानून का संबंध भारत के मुसलमानों तो क्या, देश के किसी भी नागरिक से नहीं है। आजादी के बाद से भारतीय मुस्लिम समाज को कई बार इसी तरह झूठ का सहारा लेकर डराया गया और उसे सड़कों पर उतारा गया, फिर चाहे वह शाहबानो का मामला हो या सीएए का मसला। इससे मुस्लिम समाज को कोई लाभ नहीं मिला। लाभ मिला तो चंद मजहबी और मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करने वाले नेताओं को। ये वे नेता हैं, जिन्हें मुस्लिम समाज के हितों से कोई लगाव नहीं।

इस बार बेअसर रहा सीएए का विरोध। फाइल

यह शुभ संकेत है कि आज की युवा मुस्लिम पीढ़ी यह समझने लगी है कि मुस्लिम समाज को बरगलाने वाले मजहबी और सियासी नेता उनके समाज को केवल वोट बैंक के रूप में देखते हैं और वे उनके सच्चे हितैषी नहीं। आज जब संपूर्ण विश्व भारत की ओर देख रहा है, तब भारत की मुस्लिम आबादी, जो सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी है और यहां तक कि उनकी संख्या यहां कई इस्लामी देशों से भी अधिक है, को हर मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना चाहिए। अज्ञानता किसी भी समाज की सबसे बड़ी शत्रु होती है। इसी अज्ञानता का लाभ उठाकर कुछ नेता मुस्लिम समाज को गुमराह करते हैं। ऐसे लोग सफल न होने पाएं, यह मुस्लिम समाज को सुनिश्चित करना होगा। मुस्लिम समाज को इससे अवगत होना चाहिए कि नागरिकता कानून में 2019 में जो संशोधन किए गए, उसके तहत केवल तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत की नागरिकता दी जा सकती है। इस कानून के मुताबिक 31 दिसंबर, 2014 या उससे पहले भारत आ चुके उक्त तीन देशों के अल्पसंख्यकों को नागरिकता दी जा सकेगी। नागरिकता संशोधन कानून, 2019 से पहले किसी भी व्यक्ति को भारत की नागरिकता लेने के लिए कम से कम 11 साल भारत में रहना अनिवार्य था, लेकिन अब यह समय अवधि 11 से घटाकर पांच साल कर दी गई है।

मुस्लिम समाज को यह भी समझना होगा कि नागरिकता संशोधन कानून नागरिकता देने का कानून है, न कि किसी की नागरिकता छीनने का। इस कानून से किसी भी भारतीय नागरिक की नागरिकता नहीं जाने वाली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएए में पड़ोसी देश के मुसलमानों को शामिल न करने की भी वजह बताई है और यह भी स्पष्ट किया है कि इन देशों के मुस्लिम भी भारत की नागरिकता ले सकते हैं। मुस्लिम समाज इससे अनजान नहीं हो सकता कि जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश इस्लामिक देश हैं तो फिर वहां के मुसलमान धार्मिक अल्पसंख्यक कैसे हो सकते हैं? यह कैसे संभव है?

वास्तविकता यही है कि इन तीनों पड़ोसी देशों में उत्पीड़न के शिकार लोगों के पास भारत भाग आने के अलावा यदि कोई विकल्प है तो यही कि वे या तो मारे जाएं या फिर अपना धर्म-पंथ त्याग दें। इसी कारण जहां अफगानिस्तान में गैर-मुस्लिम गिनती के बचे हैं, वहीं बांग्लादेश, पाकिस्तान में उनकी आबादी उत्पीड़न के कारण तेजी से कम होती जा रही है। विश्व की अनेक संस्थाओं द्वारा प्रकाशित रपटों में यह बात सामने आ चुकी है कि इन देशों में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न हो रहा है और उनका सम्मान के साथ जीना मुश्किल है। इन देशों के अल्पसंख्यक आसानी से न तो अमेरिका जा सकते हैं, न यूरोप और न ही किसी अन्य देश। उनके पास सबसे आसान विकल्प भारत आना ही है। वे भारत की ओर उम्मीद से न देखें तो किसकी ओर देखें? सीएए अपनी तरह का दुनिया का पहला कानून नहीं है। पश्चिम के देशों और यहां तक कि अमेरिका ने भी मजहब और संस्कृति के आधार पर नागरिकता देने के कानून बना रखे हैं। सीएए का विरोध न सिर्फ अनैतिक है, बल्कि भारतीय सोच के विरुद्ध भी है।

(लेखक इस्लामी मामलों के जानकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

कर्म बंधन

प्रायः लोगों से सुनने में आता है कि ईश्वर की इच्छा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिलता। इस पर यही प्रश्न उठता है कि इस तरह तो सभी प्रकार के शुभ या अशुभ कर्म ईश्वर के अधीन हैं। हम तो कठपुतलियों की भांति मात्र अभिनय कर देते हैं, फिर फल हमारे हिस्से कैसे आता है? वस्तुतः समस्त कर्म प्रकृति के अधीन होकर किए जाते हैं। प्रकृति से तात्पर्य है 'स्वभाव' जिसे जीव ने स्वयं रचा है। ईश्वर न तो किसी से शुभ कर्म करवा कर उसे उन्नति देते हैं, न ही कोई अशुभ कर्म करवा कर उसे अवनति देते हैं। वह पूर्णतः निःस्पृह है।

जब तक स्वभाव शुद्ध नहीं होता, तब तक जीव प्रकृति के अधीन ही रहता है। प्रारब्ध के अनुसार कर्म का फल भुगत कर ही शुद्ध हुआ जा सकता है। इसमें अपनी इच्छा या अनिच्छा का कोई अर्थ नहीं है। यह अपरिहार्य है। ज्ञानी व्यक्ति भी बिना कर्मफलों को भोगे मुक्त नहीं हो सकता। किसी को परसंताप में सुख मिल रहा है, वह उसकी प्रकृति है। इस अशुभ कर्म के फल से वह छूट नहीं पाएगा। किसी को उस यंत्रणा को झेलकर असीमित वेदना मिल रही है, यह उसका प्रारब्ध हो सकता है। ईश्वर अपनी सभी संतानों को शुद्ध करना चाहते हैं। वे शासक भी हैं, नियामक भी हैं। यदि इस जन्म में हमारे हिस्से दुख भोगना लिखा है, तो हमें अच्छे लोग क्यों मिलेंगे? मनुष्य जिस प्रकार से अपने शुभ या अशुभ कर्मों का फल भोग सके, वैसी ही परिस्थिति और बुद्धि बन जाती है।

सूर्य की ऊर्जा से पृथ्वी पर समस्त क्रियाकलाप संपादित होते हैं, परंतु इन कार्यों से सूर्य निर्लिप्त हैं। उसी प्रकार मानव शरीर से होने वाले पाप-पुण्य से ईश्वर का कोई भी संबंध नहीं। अपने जीवन के पूर्वार्ध में किए गए कर्मों के फल जीवन के उत्तरार्ध में दिखने आरंभ हो जाते हैं। बीते जन्मों में स्वयं के किए कर्म को देखने के लिए आज मिल रहे फल को समझना होगा। यदि इसका सूत्र मिल गया तो कर्मों की दिशा सुधारने की राह मिल जाएगी।

ट्विंकल तोमर सिंह

आटिज्म पीड़ित बच्चों का समझें दर्द

सुनीता मिश्रा

आटिज्म बच्चों को होने वाली एक मानसिक बीमारी है, जिसमें बच्चे अपनेआप को सामाजिक रूप से अलग-थलग कर लेते हैं

हर साल दो अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। आटिज्म को मानसिक रोग, स्वलीनता और स्वपरायणता के नाम से भी जाना जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2007 में इसकी शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य समूचे विश्व में आटिज्म के प्रति जागरूकता पैदा करना और इससे पीड़ित बच्चों के जीवन में सुधार लाने के लिए कदम उठाना है। प्रत्येक वर्ष इस खास दिन को एक विशिष्ट विषय चुनकर मनाया जाता है। वर्ष 2024 में विश्व आटिज्म जागरूकता दिवस का विषय 'कलर' यानी रंग है। बच्चों को चमकीले रंग आकर्षित करते हैं। इसलिए लाल, पीला, नीला, हरा का उपयोग करके उन्हें अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। रंग के माध्यम से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मदद कर सकते हैं। नीला रंग आटिज्म का प्रतीक माना गया है।

आटिज्म बच्चों को होने वाली एक मानसिक बीमारी है, जिसमें बच्चे अपनेआप को सामाजिक रूप से अलग-थलग कर लेते हैं। वे किसी से घुलते मिलते भी नहीं हैं और दूसरों से बात करने से भी कतराते हैं। यह बीमारी बच्चे के मानसिक विकास को रोक देती है, लेकिन कुछ मामलों में ये अद्भुत प्रतिभा वाले भी होते हैं। एक शोध के मुताबिक, लगभग 10 प्रतिशत आटिज्म से पीड़ित बच्चे किसी खास प्रतिभा में काफी अच्छे होते हैं, जैसे गणितीय गणना, संगीत, चित्रकारी आदि। ध्यान दें कि सेंट्रल नर्वस सिस्टम (तंत्रिका प्रणाली) को नुकसान पहुंचने से यह समस्या पैदा होती है। गर्भवती महिला के पेट पर लगी चोट का असर उसके गर्भ में विकसित होते भ्रूण के नर्वस सिस्टम पर पड़ने की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भावस्था में पौष्टिक भोजन नहीं लेने या नशा करने से भी बच्चों का नर्वस सिस्टम दुष्प्रभावित हो सकता है। आनुवंशिक और पर्यावरण संबंधी कई कारण भी इस बीमारी के लिए उत्तरदायी हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में 100 में से एक बच्चा आटिज्म से पीड़ित होता है। इसके शुरुआती लक्षण 12 से 13 माह के बच्चों में नजर आने लगते हैं। इसके लक्षणों में शब्दों को बार-बार बोलना, बात करने से घबराना और अकेले रहना पसंद करना इत्यादि शामिल हैं।

अभिभावक इस बीमारी के लक्षणों को पहचान कर खुद से भी बच्चे को इस समस्या से उबरने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए बच्चे को खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। लोगों से घुलना मिलना सिखाएं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार के सदस्यों को उनके साथ बहुत ही सकारात्मक व्यवहार अपनाना चाहिए। साथ ही असामान्य स्थिति में डाक्टरों से परामर्श लेना चाहिए।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

स्वच्छ हवा-पानी की चुनौती

पर्यावरणविद् अनिल प्रकाश जोशी ने 'स्वच्छ हवा-पानी सबसे बड़ी चुनौती' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में सारगर्भित टिप्पणी की है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समवेत प्रयास समय की आवश्यकता हो चले हैं। स्वच्छ हवा-पानी सुनिश्चित करना केवल सरकारों का ही दायित्व नहीं, अपितु यह नागरिकों के कर्तव्य पालन से भी जुड़ा है। कृषि कार्य हों या कल-कारखाने, सभी प्रदूषण को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। इस समय कंस्ट्रक्शन कार्य का हवा को प्रदूषित करने में बड़ा योगदान हो चला है। वाहनों का प्रदूषण भी ऐसा ही एक मुद्दा है। यदि इसमें नागरिक अपने स्तर पर थोड़ी सी भी सक्रियता दिखाएं तो अनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अच्छी बात है कि लेखक महोदय ने केवल समस्या को रेखांकित ही नहीं किया, अपितु उसके समाधान की दिशा में कुछ उपयोगी सुझाव भी दिए हैं।

योगराज, खरड़ (पंजाब)

भटक गए आंदोलनकारी

उमेश चतुर्वेदी के आलेख 'निराश करती आंदोलन से उपजी राजनीति' से उभरने वाले प्रश्नों के प्रति आंदोलन की तपिश से निकले केजरीवाल सहित उन सभी राजनेताओं की जबावदेही बनती है, जो लक्ष्य हासिल करके उस रास्ते से भटक गए जिसको लोकनायक जयप्रकाश और अन्ना हजारे ने देश की भ्रष्टाचार मुक्त राजनीतिक व्यवस्था के लिए तय किया था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी स्वतंत्रता आंदोलन चलाकर आजादी का बड़ा लक्ष्य

मेलबाक्स

तो हासिल कर लिया गया, किंतु इस आंदोलन से निकले कांग्रेसी नेता गांधी के आदर्शों से भटक गए। 1975 में आपातकाल की विभीषिका से उभरे जेपी आंदोलन ने देश की सत्ता को तो बदल दिया, लेकिन इस आंदोलन के सेनानी देश की राजनीतिक व्यवस्था को बदलने में नाकाम रहे। जिससे कांग्रेस को पुनः सत्ता में आने का अवसर मिल गया। 2004 से 2014 तक लगातार सत्ता में रहने वाली कांग्रेस के शासन में चरम पर पहुंच चुके आर्थिक भ्रष्टाचार के विरुद्ध 2011 में अन्ना हजारे के नेतृत्व में जो आंदोलन खड़ा हुआ उससे निकलने वाली केजरीवाल टीम ने आम आदमी पार्टी का गठन करके देश को भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने की हुंकार भरी थी, लेकिन अब उसकी भी कलई खुलकर सामने आने लगी है। देश की शासनिक और प्रशासनिक व्यवस्था में समाए भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने की बात तो हर कोई करता है, लेकिन वह स्वयं कब भ्रष्टाचारी बन गया, यह उसे खुद नहीं मालूम होता। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए घोषित आय से अधिक आय की जांच के कार्य को चुनिंदा न बनाकर एक अपरिहार्य व्यवस्था के रूप में संचालित करने की जरूरत है। क्योंकि आज अपवाद को छोड़कर हर खासोआम किसी न किसी तरह के भ्रष्टाचार में संलिप्त है। इसलिए भ्रष्ट तरीकों से संपत्ति अर्जित करने वाले हर भ्रष्टाचारी पर ईडी, सीबीआइ और आयकर विभाग का शिकंजा कसा जाना चाहिए। जब तक इस तरह की समान और निष्पक्ष व्यवस्था लागू नहीं होगी तब तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ी जाने वाली हर लड़ाई अधूरी ही रहेगी।

डा. वीपी पांडेय, अलीगढ़

यह कैसा गठबंधन?

दिल्ली के रामलीला मैदान में आइएनडीआइए के प्रमुख घटक दलों के नेताओं का एक मंच पर जमावड़ा मजबूत और बाहरी एकता को जरूर दिखाता नजर आया, लेकिन राजनीतिक भाषण प्रतियोगिता से पहले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मंच पर सजी फोटो को उतरवा देना कहीं न कहीं असमंजस और गंभीर राजनीतिक सवाल खड़े करता हुआ भी जरूर दिखाई दिया। सबके भाषण में लोकसभा चुनाव के लिए कोई राजनीतिक एजेंडा, उद्देश्य या फिर भविष्य की चुनावी रूपरेखा का अभाव नजर आया। आइएनडीआइए के नेताओं का भाषण मात्र जांच एजेंसियों एवं मोदी अंधविरोध की राजनीति तक सीमित रहा।

दीपक गौतम, सोनीपत

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) *विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

32 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे पिछले साल उत्तर प्रदेश में जनवरी से सितंबर के बीच। इन नौ महीनों में काशी पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या 8.42 करोड़ थी।

अरविंद कुमार मिश्रा
लोक नीति विश्लेषक

आजकल

सामान्य जन की पहुंच में हवाई यात्रा

हाल में आई फिक्की की रिपोर्ट के मुताबिक देश में इस समय 148 हवाई अड्डे हैं। वर्ष 2014 में यह संख्या सिर्फ 74 थी। 2023 में घरेलू हवाई यात्रा परिवहन 8.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इस दौरान 15.20 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की। दरअसल उड़ान जैसी योजना ने हवाई सफर में ग्रामीण एवं कस्बाई लोगों की मौजूदगी बढ़ाई है। विमानन सेवाएं अब सिर्फ उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रहीं। अब आम जन भी हवाई सेवाओं से अपनी मंजिल तय कर रहे हैं

भारतीय विमानन उद्योग की ऊंची उड़ान। फाइल

हवाई यात्राएं हमारे सफर को ही आसान नहीं बनातीं, बल्कि ये जीवन को गुणवत्ता भी देती हैं। विमानन सेवाएं अब सिर्फ उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रहीं। सामान्य जन भी हवाई सेवाओं से अपनी मंजिल तय कर रहे हैं। इसने रोजगार से लेकर आपदा प्रबंधन के परिदृश्य को बदला है। विमानन क्षेत्र का विकास प्रत्यक्ष रूप से देश के अर्थतंत्र की गति को रेखांकित करता है। हवाई अड्डे, जहाज, यात्री और गंतव्य स्थानों का विकास नागरिक उड्डयन सेवाओं के चार प्रमुख आधार हैं। अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा बड़ा नागर विमानन बाजार है। फिक्की की रिपोर्ट के मुताबिक देश में इस समय 148 हवाई अड्डे हैं। 2014 में यह संख्या सिर्फ 74 थी। इनमें 14 हवाई अड्डे सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) से संचालित हैं। नागर विमानन महानिदेशालय के अनुसार 2023 में घरेलू हवाई यात्रा परिवहन 8.3 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ा। इस दौरान 15.20 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की। उड़ान जैसी योजना ने हवाई सफर में ग्रामीण और कस्बाई लोगों की मौजूदगी बढ़ाई है। इस योजना से 517 मार्गों पर एक करोड़ 31 लाख से अधिक यात्री सालाना गंतव्य तक पहुंच रहे हैं।

बढ़ेगी हवाई सेवाओं की मांग : लोगों की क्रय शक्ति बढ़ने के साथ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं की मांग बढ़ना तय है। देश में शहरीकरण का मौजूदा अनुपात 36 प्रतिशत है। यह अगले बीस साल में 51 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। 2047 में जब देश अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरे कर रहा होगा, उस समय हमारी अर्थव्यवस्था 30 लाख करोड़ डालर की हो जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक अगले दो दशक तक देश में सालाना हवाई सफर करने वालों का आंकड़ा 1.3 अरब के स्तर को पार कर जाएगा। इसके लिए हमें अगले कुछ सालों में 400 एयरपोर्ट स्थापित करने होंगे। 2016 में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी देने के साथ इस क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत हुई है।

जहाज निर्माण में आत्मनिर्भरता : देश में इस समय लगभग सात सौ हवाई जहाज हैं। पांच साल में इनकी संख्या लगभग 1200 तक पहुंचने का अनुमान है। हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड, टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड जैसी सार्वजनिक एवं निजी कंपनियां एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही हैं। अब ये उपक्रम यात्री जहाज निर्माण को बढ़ावा देने में जुटे हैं। तकनीक और एयरोस्पेस से जुड़े कच्चे माल की उपलब्धता के लिए द्विपक्षीय करार महत्वपूर्ण हैं। केंद्र सरकार की कोशिश है कि भारत में ही दिग्गज विमानन कंपनियां संपूर्ण असेंबलिंग यूनिट स्थापित करें। इससे विमान को बनाने में लगने वाले कलपुर्जे से लेकर वस्तुओं की आपूर्ति घरेलू बाजार से हो सकेगी। एयरबस और बोइंग को भारत ने यह प्रस्ताव दिया है। इसी साल की शुरुआत में बेंगलुरु में बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी सेंटर की स्थापना की गई है। सैन्य विमान निर्माण की दिशा में भारत ने गत कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। बड़ोदरा में देश की पहली सी-295 परिवहन विमान निर्माण किया जा रहा है। यह टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के संयुक्त उपक्रम से संभव होगा। विमानन क्षेत्र में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सौ से अधिक एमएसएमई को प्रोत्साहित किया जा रहा है। हवाई जहाज का रखरखाव और मरम्मत एक बड़ा उद्योग बनकर उभरा है। राष्ट्रीय नागरिक विमानन नीति-2016 में मेंटेनेंस एंड रिपेयर ओवरआल (एमआरओ) सुविधाओं को बढ़ावा दिया गया है। एमआरओ सेवा बेहतर होने से बड़ी संख्या में रोजगार भी सृजित होंगे। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के दूसरे चरण में एमआरओ हब के लिए 1,365 हेक्टेयर जमीन आरक्षित की गई है।

हवाई जहाज की लीज की सुविधा : देश के अधिकांश हवाई जहाज पट्टे यानी लीज पर लिए जाते हैं। भारत में हवाई जहाज की लीजिंग से जुड़ी इंडस्ट्री न होने से भारतीय विमानन कंपनियों को आयरलैंड, सिंगापुर, हांगकांग जैसे देशों की ओर रुख करना पड़ता है। ऐसे में विमानों की लीज से जुड़े कारोबार को विकसित करने के लिए इस क्षेत्र के नियमों को सरल बनाने की आवश्यकता है। विमानन कंपनियों को बेहतर कारोबारी माहौल देना होगा। पिछले कुछ सालों में चीन ने एयरक्राफ्ट लीजिंग इंडस्ट्री विकसित कर विदेश पर अपनी निर्भरता कम की है। भारत हवाई जहाजों को पट्टे पर देने और लेने से जुड़े कारोबार का एक बड़ा केंद्र बनने की तैयारी में है। गुजरात की गिफ्ट सिटी में हवाई जहाजों की लीज से जुड़ी कारोबारी गतिविधियों की सुविधा दी गई है। सामान्य हवाई जहाज के पट्टे दो तरह के होते हैं। ड्राई लीजिंग और वेट लीजिंग। ड्राई लीज में हवाई जहाज कंपनी पट्टेदार को बिना चालक विमान मुहैया कराती है। वेट लीज में जहाज के साथ उसके परिचालन और रखरखाव की शर्तें भी शामिल होती हैं।

नए गंतव्य स्थलों का विकास : कुछ समय पहले तक विदेशी पर्यटकों की एक बड़ी संख्या पर्यटन के स्वर्णिम त्रिभुज दिल्ली-जयपुर-आगरा घूमकर अपनी यात्रा पूरी कर लेती थी। पिछले कुछ सालों में देश में नए पर्यटन केंद्रों के विकास से नागरिक उड्डयन सेवाओं का भी विस्तार हुआ है। आध्यात्मिक पर्यटन स्थल के रूप में अयोध्या, वाराणसी और मथुरा के विकास ने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के मामले में गोवा को पीछे छोड़ दिया है। 2023 में जनवरी से सितंबर के बीच उत्तर प्रदेश में 32 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे। इन नौ महीनों में काशी पहुंचने वाले सैलानियों की संख्या 8.42 करोड़ थी। इनमें बड़ी संख्या विदेशी पर्यटकों की थी। जम्मू एवं कश्मीर ने प्रकृति प्रेमियों की बड़ी संख्या को आकर्षित किया है। भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है। हमें नागरिक उड्डयन सेवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नए गंतव्य स्थल की पहचान कर उन्हें पर्यटन केंद्र के रूप में सुविधा संपन्न बनाना होगा। गंतव्य स्थलों के विकास के साथ वीजा आन अराइवल जैसी सुविधाएं देश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं।

हरित क्षेत्र परियोजनाएं : विशाल आधारभूत संरचना होने से हवाई अड्डे स्थानीय पर्यावरण को काफी प्रभावित करते हैं। विमानन गतिविधियों का महानगरों में केंद्रीयकरण और उससे पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए सरकार ने 2008 में हवाई अड्डों को हरित परियोजनाओं से जोड़ने की नीति लागू की। इसके अंतर्गत 21 हवाई अड्डों में हरित क्षेत्र विकसित किए जाने हैं। इन पर 98 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। मोपा (गोवा), शिरडी, सिंधुदुर्ग (महाराष्ट्र), ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश), कुशीनगर समेत 11 हवाई अड्डे हरित क्षेत्र के लक्ष्यों को पूरा कर परिचालन स्तर पर आ चुके हैं। हरित क्षेत्र युक्त हवाई अड्डों में सौर ऊर्जा संयंत्र, पर्यावरण अनुकूल भवन, रनवे पर एलईडी लाइट्स, वर्षा जल संचयन और पुनर्चक्रण सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाता है।

तकनीक और कौशल का हो प्रभावी उपयोग : कई डिजिटल अनुप्रयोग अपनाने के बाद भी भारतीय हवाई अड्डों पर जांच-पड़ताल के दौरान काफी समय लगता है। यहां कर्मचारियों के कौशल विकास के साथ आधुनिक तकनीक के और प्रभावी उपयोग की दरकार है। हवाई अड्डों में बोर्डिंग गेट तक पहुंचने में लगने वाला समय और दूरी अव्यावहारिक होती हैं। देश में इस समय कई हवाई अड्डे निर्माणाधीन हैं, उनमें डिजाइनिंग के स्तर पर इन समस्याओं को दूर किया जाना चाहिए। एक साधारण व्यक्ति को विमान के प्रस्थान, आगमन, टर्मिनल संख्या, सुरक्षा जांच प्रक्रिया, सामान रखने से जुड़े नियम आदि की जानकारी और सरल शब्दों में देने की आवश्यकता है। हवाई यात्राओं को टिकाऊ बनाकर हम शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय और पर्यटन उद्योग को गति दे सकते हैं।

आधुनिक तकनीक से सुगम होता हवाई यातायात

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) ने विगत कुछ वर्षों में हवाई मार्गों पर नेविगेशन रडार एवं अन्य तकनीकों के विकास पर काफी निवेश किया है। देश में अधिकांश एयरक्राफ्ट आटोमैटिक डिपेंडेंट सर्विलांस ब्राडकास्ट (एडीएफ-बी) से लैस हैं। इससे जहाज की तात्कालिक स्थिति, आवृत्ति और वेग का पता चलता है। हवाई यातायात नियंत्रण तंत्र (एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम) बेहतर होने से ईंधन और समय की बचत होती है। किसी भी जहाज के परिचालन की लागत में 40 प्रतिशत हिस्सा एयर टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) का होता है।

भारत विश्व के उन चुनिंदा सात देशों में शामिल है, जिनके पास सेंट्रल-एयर ट्रैफिक फ्लो मैनेजमेंट सिस्टम (सी-एटीएफएम) है। यह विमान के संचालन से संबंधित विभागों के साथ समन्वय करता है। मौसम, हवाई मार्ग सहित हवाई अड्डे पर लैंडिंग की जगह समेत कई महत्वपूर्ण जानकारियां देने के साथ यह निर्णय क्षमता को प्रभावी बनाता है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता समेत 36 हवाई अड्डों पर तैनात फ्लो मैनेजमेंट सिस्टम से यह संबद्ध है। इसमें एक बड़ी स्क्रीन पर सी-एटीएफएम के जरिये पूरे देश की विमानन अवसंरचना का रियल टाइम डाटा हासिल किया जा सकता है। इसे सीधे एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संबद्ध किया जाता है।

इसके अलावा हवाई यातायात को व्यवस्थित करने वाली कई आधुनिक तकनीक भी हमारे पास उपलब्ध हैं। कुछ महीने पहले भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और भारत इलेक्ट्रानिक्स (बीईएल) द्वारा एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट आटोमेशन सिस्टम विकसित किया गया है। इसे भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर स्थापित किया जा चुका है। अब इसे सभी बड़े हवाई अड्डों पर स्थापित किया जा रहा है। यह एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को टकराव की आशंका, परिस्थिति का वस्तुनिष्ठ आकलन पेश करता है।

-अरविंद कुमार मिश्रा

खरी-खरी

श्वान प्रेम की पराकाष्ठा

धर्मेंद्र जोशी

उनका श्वान प्रेम अनूठा है। सुबह से लेकर शाम तक वे श्वान सेवा में लीन रहते हैं। चाहे सुबह हो या शाम का भ्रमण, वह अपनी पत्नी के संग करने के बजाय श्वान के साथ करना पसंद करते हैं। कई बार उनकी पत्नी ने इस पर कड़ा एतराज भी जताया और कहा कि सात फेरे तो मेरे साथ लिए, लेकिन सुबह-शाम इस डागी (प्यार का नाम लकी) के साथ रहते हो। लकी को डागी कहना उनको खल गया। दोनों में कई दिनों तक बोलचाल बंद रही।

वह लकी के खान-पान को लेकर भी संजीदा हैं। कभी लकी की तबीयत खराब हो जाने पर वह तुरंत डाक्टर से संपर्क करते हैं, लेकिन वृद्ध माता-पिता की बीमारी की दवा मेडिकल स्टोर से लाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। जब से लकी उनके जीवन में आया है, उनका जीवन जीने का तरीका ही बदल गया है। पहले वह यदाकदा सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को थोड़ी बहुत तवज्जो देते थे, लेकिन आजकल तो वह, उनका लकी और मोबाइल, बस यही उनका संपूर्ण संसार हैं।

लकी की पहुंच न केवल उनके हृदय की गहराइयों तक है, बल्कि वह उनके शौचालय से लेकर बेडरूम तक कभी भी आ-जा सकता है। उनके अध्ययन कक्ष में छोटे बच्चों के आने पर सख्त मनाही है, मगर लकी इसके लिए अपवाद है। एक बार तो उन्होंने हद कर दी। कड़ाके की ठंड में उनके गांव का भोला शहर से उनसे मिलने के लिए आया। उसको बाहर बरामदे में सुलाया, वहीं दूसरी ओर लकी को कमरे के भीतर गर्म बिस्तर पर सुलाया।

आजकल जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, उसी अनुपात में उनका लकी के प्रति अनुराग भी बढ़ रहा है। वह अपनी कार में हमेशा अपने बगल में लकी को ही बैठाते हैं, यह बात अलग है कि आज तक उनकी कार में बैठने का सौभाग्य उनके सगे अनुज को भी नहीं मिल पाया है। वह बेचारा सालों से साइकिल की ही सवारी कर रहा है। वैसे वह अकेले व्यक्ति नहीं हैं, जो श्वान मोह की गिरफ्त में हैं। कई लोग इन दिनों रक्त संबंध और परिवार की महत्ता को दरकिनार कर श्वान प्रेम की पराकाष्ठा पार कर रहे हैं।

पोस्ट

15 अप्रैल तक तिहाड़ में रहेंगे अरविंद केजरीवाल, लेकिन मुख्यमंत्री के तौर पर रहेंगे। भारतीय राजनीति में क्या-क्या देखने को मिल रहा है।
हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

राहुल गांधी और प्रियंका को अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ना चाहिए। वहां से इनके चुनाव न लड़ने से कमजोरी का संकेत जाएगा। मुझे उनकी जीत पर कोई संदेह नहीं। प्रशांत भूषण@pbhushan1

विपक्ष की रैली में कांग्रेस का कहना था कि यह आइएनडीआइए की रैली है। जबकि अखिलेश यादव ने मंच से इस रैली को आम आदमी पार्टी की रैली कहा। सोनिया गांधी को सुनीता केजरीवाल के बगल में बिठाया गया। राहुल गांधी को भगवंत मान के बराबर।
प्रकाश नारायण सिंह@prakashnarayan18

टिकट न मिलने से नाराज नेताओं का अपने गुस्से का सार्वजनिक प्रदर्शन करना या पार्टी बदल लेना प्रशंसनीय है। कम से कम वे अपनी पार्टी के आदर्शों, विचारों या नीतियों से बंधे होने का ढोंग तो नहीं करते। वे इस मामले में ईमानदार हैं कि उनके लिए पहली प्राथमिकता कुर्सी या पद ही है।
अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या विपक्षी दल साझा रैली के माध्यम से अपनी अपेक्षा के अनुरूप राजनीतिक संदेश देने में सफल हो सके?

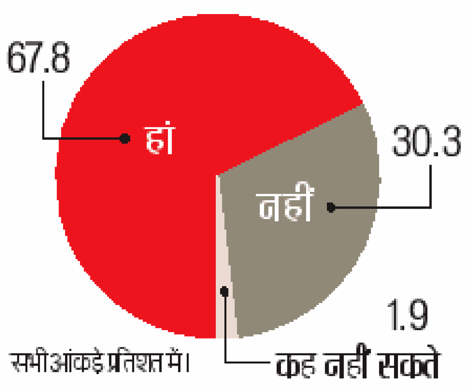

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या अरविंद केजरीवाल को जेल से सरकार चलाने के बजाय इस्तीफा देना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

लंबे टाइम के लिए गए जेल उस्ताद,
शिखर चूमकर कैरियर कर डाला बर्बाद।
कर डाला बर्बाद याद यदि रहते अन्ना,
तो पढ़ते ना आप कभी यह कड़वा पन्ना।
सीएम बनकर लोग अगर बेचेंगे खम्भे,
तो पक्का इस भांति नपेंगे लंबे-लंबे!

- ओमप्रकाश तिवारी

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

सिराजुद्दौला और गद्दार बने चुनावी मुद्दे

चुनावी राजनीति में नेता अपने-अपने हिसाब से विरोधियों के खिलाफ मुद्दे गढ़ते हैं। इस लोकसभा चुनाव में भी ऐसा ही दिख रहा है। बंगाल में एक तरफ घोटाले, भ्रष्टाचार, संदेशखाली, तुष्टीकरण, कानून-व्यवस्था तो दूसरी ओर केंद्रीय योजनाओं का फंड रोकने, सीबीआइ-ईडी की कार्रवाई को मुद्दा बनाया जा रहा है। इस बीच बंगाल के चुनावी रण में सिराजुद्दौला और गद्दार का भी पदार्पण हो गया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा इनके माध्यम से एक-दूसरे पर हमला बोल रहे हैं। दरअसल सिराजुद्दौला और गद्दार का मुद्दा नदिया जिले की कृष्णानगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजमाता अमृता राय और तृणमूल प्रत्याशी महुआ मोइत्रा को लेकर बना है। माथे की चोट से उबरने के बाद ममता ने रविवार को महुआ मोइत्रा के लिए कृष्णानगर में जनसभा कर अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सीट की भाजपा प्रत्याशी राजमाता अमृता राय से पिछले सप्ताह टेलीफोन पर बात की थी। उसी दिन से अमृता राय पर तृणमूल का हमला शुरू हो गया है। ममता ने कृष्णानगर में जनसभा के दौरान अमृता राय पर बिना नाम लिए हमला बोला।

ममता ने कहा-'भाजपा सिर्फ झूठ बोलती है। यहां से जो उम्मीदवार के रूप में खड़ी हैं, उनके इतिहास का पन्ना पलटने पर भाजपा खतरे में पड़ जाएगी। जब अंग्रेजों से युद्ध चल रहा था तो एक शख्स लार्ड क्लाइव के मित्र बन गए। वे आजादी की लड़ाई को खत्म करना चाहते थे। यहां के लोग नवाब सिराजुद्दौला का समर्थन करते थे, मीर जाफर का नहीं। मैं इस बात पर चर्चा नहीं कर रही हूं कि सिराजुद्दौला अच्छा था या बुरा, लेकिन क्लाइव के उस दोस्त का नाम भाजपा ने सामने लाया है, क्या मोदी बाबू इतिहास भूल गए हैं? लोगों से झूठ मत बोलें, नहीं तो मैं इतिहास के पन्ने पलट दूंगी तो उन्हें जगह नहीं मिलेगी, लोग आपसे नफरत करेंगे।'

कृष्णानगर लोकसभा सीट की भाजपा प्रत्याशी अमृता राय (बाएं) और तृणमूल प्रत्याशी महुआ मोइत्रा। फाइल

इससे पहले बीते बुधवार को जब पीएम मोदी ने टेलीफोन पर राजमाता अमृता राय से बात की तो तृणमूल ने एक्स हैंडल पर लिखा-'इतिहास अपने आप को दोहराता है। 1757 में महाराजा कृष्णचंद्र ने मीर जाफर, जगत सेठ और उमी चंद के साथ मिलकर साजिश रची और खुद को एक रीढ़विहीन गद्दार की तरह अंग्रेजों के हाथों बेच दिया। 2024 में उनके परिवार की सदस्य राजमाता अमृता राय ने बंगाल के लोगों को एक बार फिर धोखा देने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए बांग्ला-विरोधी भाजपा को गले लगा लिया है।'

अमृता राय भी जवाब देने में पीछे नहीं हैं। उनका कहना है कि बंगाल के तत्कालीन राजा कृष्णचंद्र राय ने 1757 में प्लासी की लड़ाई के दौरान अंग्रेजों का साथ दिया था, क्योंकि सिराजुद्दौला अत्याचारी था और उसके शासन के दौरान सनातन धर्म खतरे में था। अमृता की शादी महाराजा कृष्णचंद्र राय के 39वें वंशज सौमिश चंद्र राय से हुई है। अमृता ने प्रधानमंत्री से बातचीत में भी कहा था कि उनके परिवार को गद्दार कहा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कृष्णचंद्र राय ने लोगों के लिए काम किया और 'सनातन धर्म' को बचाने के लिए अन्य राजाओं से हाथ मिलाया। तृणमूल और उनके नेताओं को आधारहीन टिप्पणी करने से पहले इतिहास पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा-'आरोप है कि महाराजा कृष्णचंद्र राय ने अंग्रेजों का पक्ष लिया था तो प्रश्न यह है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? इसका उत्तर है-सिराजुद्दौला के अत्याचार के कारण। अगर महाराजा कृष्णचंद्र राय ने ऐसा नहीं किया होता तो हिंदू धर्म और बांग्ला भाषा राज्य में नहीं बची होती। राजा कृष्णचंद्र राय का जन्म 1710 में हुआ था और उन्होंने 1783 तक शासन किया था। नदिया के इतिहास में वह प्रमुख व्यक्ति थे, जिन्हें सिराजुद्दौला का विरोध करने और दुर्गा पूजा एवं जगधात्री पूजा जैसे सार्वजनिक त्योहारों को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। उनके 55 वर्षों के शासन ने बंगाल में प्रशासनिक सुधारों पर भी अमिट छाप छोड़ी। इसके बावजूद उन्हें गद्दार कहा जा रहा है?'

दूसरी ओर महुआ मोइत्रा को लेकर भाजपा की ओर से लगातार प्रश्न उठाए जाते रहे हैं। विदेश में बैठे एक उद्योगपति से रुपये एवं उपहार लेकर सदन में प्रश्न पूछने और संसद की अपनी आइडी एवं पासवर्ड विदेश में बैठे लोगों को देने की बात सामने आने के बाद महुआ मोइत्रा की लोकसभा की सदस्यता चली गई है। उनके खिलाफ ईडी और सीबीआइ जांच कर रही हैं, क्योंकि यह सिर्फ रिश्वत का सामान्य मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा से भी जुड़ा मुद्दा है। यही कारण है कि नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी से लेकर अन्य भाजपा नेता कहते आ रहे हैं कि महुआ मोइत्रा ने देशद्रोह किया है, उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए। अब यह चार जून को पता चलेगा कि कृष्णानगर के मतदाताओं ने किसे सही माना।

मंथन

शिशिर शुक्ला
विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय, शाहजहांपुर

लोकतंत्र की गरिमा का प्रश्न

राजनीति में अपराध की घुसपैठ लोकतंत्र पर एक धब्बा है। यह धब्बा सबसे ज्यादा अगर किसी को नुकसान पहुंचता है तो वह है- देश की जनता

लोकतंत्र का अर्थ है- जनता का शासन। किंतु यह शासन जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जाता, अपितु जनता द्वारा एक विशेष प्रक्रिया के तहत चुने गए चेहरे एवं उनसे बनने वाली सरकार ही यह कमान संभालती है। किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए उसका अपराध के कलंक से दूर रहना नितांत आवश्यक है। हाल में एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआए) ने एक रिपोर्ट जारी की है। यह कहती है कि निवर्तमान 514 लोकसभा सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किए गए चुनावी हलफनामों में 225 सदस्यों द्वारा अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की गई है। यह कुल सदस्य संख्या का लगभग 44 प्रतिशत है। इनमें से पांच प्रतिशत ऐसे हैं, जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है। 29 प्रतिशत ऐसे हैं, जिनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। ये मामले हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध एवं सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाने जैसे गंभीर कृत्यों के खिलाफ दर्ज किए गए हैं।

कितनी चिंताजनक रिपोर्ट है यह। हमारे देश के कर्णधारों में से 50 प्रतिशत ऐसे हैं, जिनकी छवि में कहीं न कहीं दाग लगा हुआ है। क्या यह स्थिति देश के विकास एवं प्रगति में सहायक होगी? क्या अपराध के छींटे को आगे बढ़ाकर हम भारत की छवि को विश्व पटल पर बेदाग रूप में स्थापित कर पाएंगे? ये सवाल देश के हर नागरिक को खुद से करने चाहिए, क्योंकि ऐसे चेहरों को ऊपर उठाने के लिए देश की जनता भी बड़ी हद तक जिम्मेदार है। राज्यों के मामले में रिपोर्ट यह कहती है कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना एवं हिमाचल प्रदेश के 50 प्रतिशत से अधिक सांसद आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। निःसंदेह यह एक बेहद गंभीर स्थिति है। किंतु ऐसी स्थिति आखिरकार कैसे उत्पन्न हुई? यह एक कड़वा सच है कि इन स्थितियों को जन्म देने वाले स्वयं हम एवं हमारा तंत्र हैं। प्रश्न उठता है कि अपराध में संलिप्त लोगों को लोकतंत्र की कमान कैसे मिल जाती है? कोई भी राजनीतिक पार्टी अपने एजेंडे में इस संकल्प को क्यों नहीं शामिल करती कि वह जुर्म की दुनिया से जुड़े किसी भी शख्स को पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं प्रदान करेगी? क्यों सर्वोच्च स्तर से ऐसे नियम नहीं बनते कि कोई भी ऐसा व्यक्ति जो अपराध से किसी भी तरह का ताल्लुक रखता है, किसी भी चुनाव में प्रत्याशी बनने का अधिकारी नहीं होगा? अंततः देश की जनता भी अपराध के प्रतीक ऐसे चेहरों को अपने प्रतिनिधि के रूप में क्यों चुन लेती है? पांच वर्ष के बाद लोकतंत्र का महापर्व इसलिए आता है कि इसके बहाने जन सामान्य की समस्याओं, जरूरतों, सुझावों एवं विचारों पर एक उद्देश्यपूर्ण चर्चा हो सके। जनता को विकास के अधिकाधिक विकल्प एवं अवसर मिल सकें तथा उनकी समस्याओं को समाधान के उच्चतम स्तर तक पहुंचाने के लिए उन्हीं के बीच में से एक योग्य प्रतिनिधि का चयन किया जा सके, यही लोकतंत्र का मूल विचार है।

जनप्रतिनिधियों के चयन की कसौटी शायद आज बदल चुकी है। यही वजह है कि आपराधिक गतिविधियों से जुड़े हुए व्यक्ति भी लोकतंत्र का मसीहा बनने का सौभाग्य बड़ी आसानी से प्राप्त कर ले रहे हैं। जनता भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते समय उन लक्ष्यों एवं एजेंडे को ध्यान में नहीं रखती, जो कि समग्र विकास एवं उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। लिहाजा जुर्म से जुड़े हुए लोग बड़ी आसानी से लोकतंत्र के महल की राह खोज लेते हैं। जहां लोकसभा एवं विधानसभा में एक प्रत्याशी के लिए खर्च की अधिकतम सीमा क्रमशः 95 लाख एवं 40 लाख रुपये निर्धारित की गई है, वहीं दूसरी तरफ वास्तविकता तो कुछ और ही रहती है। प्रत्याशियों द्वारा चुनाव जीतने के लिए बेतहाशा पैसा खर्च किया जाता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनको धन के माध्यम से खरीदने का प्रयास किया जाता है और वे भी लालच अथवा अपनी मजबूरी के वशीभूत होकर अपना मत बेचने पर सहमत हो जाते हैं। राजनीति में अपराध की घुसपैठ लोकतंत्र पर एक धब्बा है और यह धब्बा सबसे ज्यादा अगर किसी को नुकसान पहुंचता है तो वह है- देश की जनता। इस परिदृश्य को हर हालत में बदलने की जरूरत है।

हाल में जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। तमाम राजनीतिक दल उससे हमदर्दी जताने वाला बयान देते हुए घटना की जांच की मांग कर रहे हैं। जब तक ऐसे अपराधी राजनीति में किसी न किसी रास्ते से प्रवेश पाते रहेंगे, तब तक देश के हालात सुधरने वाले नहीं हैं। इन चुनौतियों से निपटने का उपाय यही है कि अपराधियों के राजनीति में प्रवेश पर पूर्ण पाबंदी हो एवं जनता भी अपने मत का सदुपयोग बेखौफ होकर एवं सोच विचार कर करे।

प्रतीकात्मक

****

कोयला उत्पादन पहली बार 100 करोड़ टन के पार

नई दिल्ली: केंद्रीय कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को बताया कि देश में पहली बार पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कोयला और लिग्नाइट उत्पादन 100 करोड़ टन के पार रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान यह 93.7 करोड़ टन था। लिग्नाइट भी एक प्रकार का कोयला होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और यह अब तक का सबसे अधिक उत्पादन है। (प्रेट्र)

हमने चार प्रमुख शहरों में आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए अबु धाबी इन्वेस्टमेंट अथारिटी से 2,001 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है।
— इरफान रजाक, चेयरमैन, प्रेस्टीज समूह

सेंसेक्स	74,014.55	▲ 363.20
निफ्टी	22,462	▲ 135.10
सोना प्रति दस ग्राम	₹68,420	▲ ₹1,070
चांदी प्रति किलोग्राम	₹78,570	▲ ₹1,120
डालर	₹83.39	बदलाव नहीं
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 86.91	

एक नजर में

2000 रुपये के 97.69 प्रतिशत नोट वापस आए

मुंबई: आरबीआइ ने सोमवार को बताया कि 2000 रुपये के 97.69 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। आरबीआइ ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा की थी। तब 3.56 लाख करोड़ रुपये मूल्य के यह नोट प्रचलन में थे। आरबीआइ ने बताया कि 29 मार्च 2024 तक 8,202 करोड़ रुपये के नोट प्रचलन में रह गए हैं। लोग आरबीआइ से सभी क्षेत्रीय कार्यालयों से इन नोटों को दूसरे मूल्य के नोटों में बदल सकते हैं। (प्रेट्र)

19 किलो वाले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर का मूल्य घटा

नई दिल्ली: तेल कंपनियों ने सोमवार को 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक गैस (एलपीजी) सिलेंडर के मूल्य में 30.5 रुपये की कटौती की घोषणा की। अब दिल्ली में इसका मूल्य घटकर 1,764.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गया है। पांच किलो वाले गैस सिलेंडर का मूल्य 7.50 रुपये घटाया है। विमान ईंधन के मूल्य में 502.90 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती की गई है। (प्रेट्र)

सेबी ने लांच किया स्कोर्स का नया वर्जन

नई दिल्ली: मार्केट रेगुलेटर सेबी ने निवेशकों की शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से स्कोर्स का नया वर्जन लांच किया है। इससे संबंधित निकाय शिकायतों की बेहतर ढंग से निगरानी कर सकेंगे। स्कोर्स एक आनलाइन प्रणाली हैं जिस पर निवेशक शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अब स्कोर्स के पुराने वर्जन पर शिकायतें दर्ज नहीं होंगी। (प्रेट्र)

सोलर माड्यूल आयात पर फिर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने सोलर माड्यूल के आयात पर एक बार फिर से प्रतिबंध लगा दिया है। घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। एक सरकार अधिकारी ने बताया कि घरेलू निर्माता अब मांग पूरी करने के लिए तैयार हैं। इसी को देखते हुए सोलर माड्यूल के आयात पर फिर से प्रतिबंध लगाए गए हैं। सरकार को भरोसा है कि 2026 तक घरेलू निर्माताओं की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। (एएनआइ)

कंपनियों की हिस्सेदारी बिक्री से 16,507 करोड़ मिले

नई दिल्ली: वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को 16,507 करोड़ रुपये मिले हैं। यह सरकार के अनुमानित लक्ष्य 51 हजार करोड़ रुपये से काफी कम है। बीते वित्त वर्ष के दौरान सरकार ने 10 कंपनियों में से अपनी हिस्सेदारी आफर फार सेल (ओएफएस) के जरिये बेची है। इसमें कोल इंडिया, एनएलसी इंडिया, इरेडा, एनएचपीसी, आरवीएनएल, हुडको, एसजेवीएन और इरकान प्रमुख हैं। (प्रेट्र)

46.39 करोड़ सब्सक्राइबर्स के साथ शीर्ष पर जियो

नई दिल्ली: टेलीकाम रेगुलेटर ट्राई ने सोमवार को बताया कि जनवरी में रिलायंस जियो से 41.78 लाख नए मोबाइल सब्सक्राइबर जुड़े हैं। इसके साथ जनवरी में 46.39 लाख मोबाइल सब्सक्राइबर्स के साथ जियो शीर्ष पर रही है। इस दौरान भारती एयरटेल से 7.52 लाख मोबाइल सब्सक्राइबर जुड़े और कंपनी की कुल सब्सक्राइबर्स की संख्या 38.24 करोड़ हो गई। 15.2 लाख सब्सक्राइबर घटने के बाद वोडाफोन आइडिया के सब्सक्राइबर्स की संख्या 22.15 करोड़ रही है। (प्रेट्र)

शपथ लेने के अगले दिन से ही काम करने के लिए तैयार रहें अफसर : प्रधानमंत्री

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: आगामी आम चुनाव में विजयी होने के आत्मविश्वास से लबरेज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की ब्यूरोक्रेसी की तरफ इशारा करते हुए कहा है उन्हें ज्यादा काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका कारण यह है कि शपथ लेने के दूसरे दिन से ही उनके पास बहुत ज्यादा काम आने वाला है। आरबीआइ के 90वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने बैंकिंग सेक्टर व वित्तीय सेक्टर में पिछले दस वर्षों के दौरान हुए बदलाव का श्रेय अपनी सरकार की नीति, नीयत व निर्णय लेने में स्पष्टता को दिया। उन्होंने कहा कि कहा कि पिछले 10 वर्षों में जो हुआ, वो तो सिर्फ ट्रेलर है। अभी तो हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है।

पीएम ने कहा कि अभी 100 दिन मैं चुनाव में बिजी हूं। आपके पास भरपूर समय है। आप सोचकर रखिए, क्योंकि शपथ लेने के दूसरे दिन ही झमाझम काम आने वाला है। उन्होंने कहा कि बहुत जरूरी है कि हमारे पास अगले 10 वर्ष के लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट हों। हमें मिलकर अगले 10 वर्षों में डिजिटल ट्रांजेक्शन की संभावनाओं को विस्तार देना होगा। हमें नकदी रहित आर्थिकी से आ रहे बदलावों पर नजर रखनी होगी। वित्तीय समावेश पर और ज्यादा काम करना होगा। अलग-अलग लोगों की बैंकिंग जरूरत के हिसाब से काम करना होगा। कई लोग बैंक में जाना पसंद करते हैं, जबकि कई लोगों को डिजिटल डिलिवरी पसंद होती है। देश को ऐसी नीतियां बनाने की जरूरत है, जिससे बैंकिंग करना और आसान हो। साथ ही सभी को उनकी जरूरत के हिसाब से कर्ज मिल सके। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की निरंतर मदद लेनी चाहिए। भारत की प्रगति तेज गति से हो, समावेशी और सतत हो, इसके लिए रिजर्व बैंक को लगातार कदम उठाते रहने होंगे। सरकार आरबीआइ के साथ है।

मुंबई में सोमवार को आरबीआइ के 90 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ● प्रेट्र

10 वर्ष पहले अलग थे हालात : प्रधानमंत्री ने 10 वर्ष पहले आरबीआइ की स्थापना के 80वें समारोह का जिक्र करते हुए कहा कि तब हालात एकदम अलग थे। भारत का पूरा बैंकिंग सेक्टर समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा था। एनपीए (फंसे कर्जे) को लेकर भारत के बैंकिंग सिस्टम की स्थिरता और उसके भविष्य को लेकर हर कोई आशंका से भरा हुआ था। हालत इतने खराब थे कि सरकारी बैंक आर्थिक प्रगति को जरूरी मदद नहीं कर पा रहे थे। आज भारत के बैंकिंग सिस्टम को दुनिया में एक मजबूत और सतत व्यवस्था माना जा रहा है। जो बैंकिंग सिस्टम कभी डूबने की कगार पर था, वो बैंकिंग सिस्टम अब लाभ में आ गया है। कर्ज वितरण में रिकॉर्ड वृद्धि हो रही है। सिर्फ 10 साल में इतना बड़ा परिवर्तन आना आसान नहीं था। ये बदलाव हमारी नीयत से हुआ है। नीयत सही तो नतीजे सही होते हैं।

आरबीआइ के उपायों से निवेशकों का इकोनमी में भरोसा बढ़ा: एएनआइ के अनुसार, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आरबीआइ की ओर से मौद्रिक सख्ती को लेकर किए गए उपायों की वजह से सरकारी प्रतिभूतियों पर यील्ड (रिटर्न) स्थिर हुआ है। इसका विभारतीय इकोनमी में निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान है। आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि हाल के वर्षों में किए गए दिवालिया कानून जैसे प्रणालीगत सुधारों के कारण बैंकिंग प्रणाली को चुनौतियों से निपटने मूल्यों की स्थिरता प्रभावी तरीके से बनाए रखने में मदद मिली है।

अगले 10 वर्षों तक विकास को प्राथमिकता दे आरबीआइ

पीएम मोदी ने आरबीआइ को अगले दस वर्षों तक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के साथ ही स्थिरता को भी उतनी ही प्राथमिकता देने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि अगला दशक जितना भारत के लिए महत्वपूर्ण है, उतना ही आरबीआइ के लिए ही होगा। वर्ष 2035 में आरबीआइ स्थापना की सौवीं वर्षगांठ मनाएगा। पिछले एक दशक के भीतर ही हम पूरी तरह से एक नई बैंकिंग व्यवस्था, एक नई अर्थव्यवस्था और नए करेंसी (डिजिटल करेंसी) में प्रवेश कर चुके हैं। हमें मिलकर अगले 10 वर्षों में एक और बड़ा काम करना है। हमें भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है। हमें कोशिश करनी है कि हमारी इकोनमी वैश्विक संकटों से कम से कम प्रभावित हो। आज भारत, वैश्विक जीडीपी ग्रोथ में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ वैश्विक ग्रोथ का इंजन बन रहा है। हमारा प्रयास हो कि रुपया पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य हो।

- आरबीआइ के स्थापना दिवस समारोह में पीएम ने लांच किया 90 रुपये का सिक्का
- पीएम ने बैंकिंग सेक्टर में बीते दस वर्षों में हुए बदलाव का श्रेय अपनी सरकार की नीति और नीयत को दिया
- भारत को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाने और रुपये की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने पर दिया जोर

भारत दुनिया का तीसरा बड़ा यात्री कार बाजार

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय कंपनियों ने 42.3 लाख यात्री वाहन बेचे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत का यात्री कार बाजार दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश में यात्री कारों की कुल बिक्री 42.3 लाख रही है। इसके साथ भारत ने यात्री कारों की बिक्री में जापान को पीछे छोड़ दिया है। बीते दो वर्षों के दौरान भारत दुनिया के दो कार बाजारों (पहले जर्मनी और अब जापान) को बिक्री के मामले में पीछे छोड़ चुका है। अब जब देश की आर्थिक विकास दर लंबे समय तक 7-8 प्रतिशत तक बने रहने की संभावना है तो भारतीय कार बाजार का दमखम और बढ़ सकता है। यात्री वाहन बिक्री के मामले में अब भारत से आगे अमेरिका और चीन हैं।

भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार बनाने में देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की रही है। गत वित्त वर्ष में कंपनी ने 21.35 लाख वाहनों की बिक्री की है। यह पहला मौका है जब मारुति की बिक्री 20 लाख के पार रही है। अब भारत के कार बाजार में मारुति सुजुकी की कुल हिस्सेदारी बढ़कर 42 प्रतिशत हो गई है। सोमवार को देश की बड़ी आटोमोबाइल कंपनियों की ओर से जारी बिक्री के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय कार बाजार में स्पोर्ट्स यूटीलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है।

मारुति सुजुकी के एक्जीक्यूटिव समिति के नए सदस्य शशांक श्रीवास्तव का कहना है कि नई कारों की कुल बिक्री में 50.6 प्रतिशत हिस्सेदारी एसयूवी की रही है। कभी मध्यम वर्ग के आकर्षण का केंद्र रहीं हैचबैक कारों की बिक्री में छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। श्रीवास्तव का कहना है कि वर्ष 2023-24 भारतीय कार उद्योग के लिए बहुत शानदार रहा है लेकिन वर्ष 2024-25 में बिक्री में एक अंक में ही वृद्धि होगी। इसका कारण यह है कि पिछले वर्ष का आधार काफी ज्यादा है।

टाटा मोटर्स की मार्च में घरेलू बाजार में थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 90,822 इकाई रही है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 89,351 इकाई थी। पिछले महीने कंपनी की यात्री वाहन बिक्री 50,297 इकाई रही है, जो मार्च 2023 की 44,225 इकाई से 14 प्रतिशत ज्यादा है। हुंडई की मार्च में कुल बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 65,601 इकाई रही है। कंपनी ने मार्च 2023 में 61,500 वाहन बेचे थे। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी की कुल बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 7,77,876 इकाई रही है। यह एक वित्त वर्ष में सबसे ज्यादा बिक्री रही है। पूरे वित्त वर्ष में निर्यात सात प्रतिशत बढ़कर 1,63,155 इकाई रहा है। महिंद्रा की कुल थोक बिक्री मार्च में चार प्रतिशत बढ़कर 68,413 इकाई रही है। पूरे वित्त वर्ष के दौरान यात्री वाहनों की थोक 4,59,877 इकाई रही है।

- यात्री वाहनों की कुल बिक्री के मामले में जापान को पछाड़ा
- 42 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ मारुति शीर्ष पर

एमजी मोटर्स की बिक्री में 23% की गिरावट

मार्च 2024 के दौरान एमजी मोटर इंडिया की खुदरा बिक्री 23 प्रतिशत घटकर 4,648 इकाई रही है। पिछले वर्ष समान अवधि में कंपनी ने 6,051 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी का कहना है कि पूरे वित्त वर्ष के दौरान बिक्री में 14 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वहीं, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बताया कि उसने मार्च में 27,180 वाहनों की थोक बिक्री की है। यह अब तक किसी एक माह की सबसे ज्यादा बिक्री रही है।

अब एक वाहन के लिए सिर्फ एक फास्टैग

नई दिल्ली, प्रेट्र: अब एक वाहन के लिए केवल एक ही फास्टैग इस्तेमाल किया जा सकेगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने सोमवार से एक वाहन, एक फास्टैग का नियम लागू कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि एक ही फास्टैग को कई वाहनों में इस्तेमाल करने या एक ही वाहन के लिए कई फास्टैग लेने पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह नियम लागू किया गया है।

एनएचएआइ ने पेटीएम फास्टैग उपयोगकर्ताओं की समस्या को देखते हुए एक वाहन, एक फास्टैग पहल का पालन करने के लिए 31 मार्च 2024 तक का समय दिया था। अधिकारी ने बताया कि जिन लोगों के एक वाहन पर कई फास्टैग हैं, वे एक अप्रैल से काम नहीं करेंगे। इलेक्ट्रानिक टोल संग्रह में दक्षता लाने और टोल प्लाजा पर सुगम आवागमन के लिए एनएचएआइ ने एक वाहन एक फास्टैग पहल शुरू की है।

पूरे वित्त वर्ष में 20.14 लाख करोड़ रहा जीएसटी संग्रह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल जीएसटी संग्रह 20.14 लाख करोड़ रुपये रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले इसमें 11.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के औसत मासिक संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद पहली बार जीएसटी संग्रह का आंकड़ा 20 लाख करोड़ के पार पहुंचा है।

मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2024 में जीएसटी संग्रह 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा है। जो जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद अब तक का दूसरा सबसे अधिक संग्रह है। मार्च 2023 के मुकाबले इस बार जीएसटी संग्रह 11.5 प्रतिशत की वृद्धि रही है। अप्रैल 2023 में अब तक का सबसे अधिक जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा था। वित्त मंत्रालय ने कहा कि पिछले महीने जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण घरेलू लेनदेन में वृद्धि रहना है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने घरेलू लेनदेन में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि रही है।

कोर सेक्टर की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रही : इस वर्ष फरवरी महीने में कोर सेक्टर में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 6.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। आंकड़ों के अनुसार, आठ कोर सेक्टरों में कोयले के उत्पादन में सबसे अधिक 11.6 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वहीं, मार्च में बिजली की खपत में भी पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 1.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। बिजली मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष मार्च में 129.89 अरब यूनिट बिजली की खपत रही है।

1.68 लाख करोड़ रुपये रहा औसत मासिक जीएसटी संग्रह बीते वित्त वर्ष में

- पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले जीएसटी संग्रह में रही 11.7 प्रतिशत की वृद्धि
- मार्च 2024 में संग्रह 11.5 प्रतिशत बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रहा

हरित आर्थिकी के लिए हाइब्रिड कारों पर लगे कम टैक्स : गडकरी

नागपुर, प्रेट्र: केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत को हरित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश में हाइब्रिड वाहनों पर जीएसटी कम करने की वकालत की है। इसके साथ ही उन्होंने देश को 36 करोड़ से अधिक पेट्रोल और डीजल वाहनों से पूरी तरह मुक्त बनाने का संकल्प किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को पेट्रोल और डीजल वाहनों से पूरी तरह मुक्त कराना संभव है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा-100 प्रतिशत।

गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि यह मुश्किल है, नामुमकिन नहीं। यह मेरा विचार है। उन्होंने कहा कि भारत ईंधन आयात पर 16 लाख करोड़ रुपये खर्च करता है। इस पैसे का इस्तेमाल किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा, गांव समृद्ध होंगे और युवाओं को रोजगार मिलेगा। हालांकि, गडकरी ने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए कोई समयसीमा नहीं दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाइब्रिड वाहनों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत और फ्लेक्स इंजन पर 12 प्रतिशत करने का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेजा गया है, जिस पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि देश जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देकर ईंधन आयात को समाप्त किया जा सकता है।

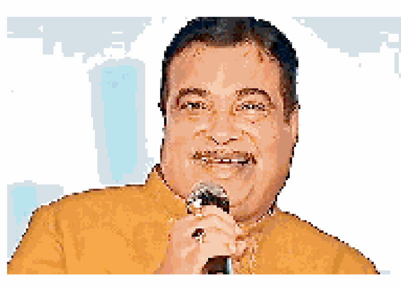

नितिन गडकरी ●

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, देश को पेट्रोल और डीजल वाहनों से पूरी तरह मुक्त कराना संभव

नई टैक्स व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं : वित्त मंत्रालय

जाब्यू, नई दिल्ली: वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि एक अप्रैल से शुरू हुए नए वित्त वर्ष के लिए आयकर की नई व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कुछ इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर नई व्यवस्था में बदलाव की सूचना के बाद वित्त मंत्रालय ने यह स्पष्टीकरण जारी किया है। वित्त कानून 2023 के सेक्शन 115बीएसी (1ए) के तहत कर की नई व्यवस्था लागू की गई।

मूल्यांकन वर्ष 2024-25 से आयकर रिटर्न दाखिल करते समय नई कर प्रणाली ही पहले सामने आएगी। हालांकि, करदाता टैक्स के पास पुरानी कर प्रणाली चुनने का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। वित्त मंत्रालय का कहना है कि पुरानी प्रणाली में विभिन्न प्रकार के डिडक्शन के तहत मिलने वाली छूट के बावजूद नई प्रणाली के तहत कर की दर कम है। मंत्रालय ने बताया कि नौकरीपेशा करदाता हर साल अपने हिसाब से पुरानी या नई कर प्रणाली चुन सकते हैं। कारोबारियों के लिए यह सुविधा नहीं है।

नए वित्त वर्ष के पहले दिन 363 अंक उछला सेंसेक्स

मुंबई, प्रेट्र: नए वित्त वर्ष के पहले दिन घरेलू शेयर बाजारों की अच्छी शुरुआत रही। बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को पहले 363.20 अंक की बढ़ोतरी के साथ एक बार फिर 74,014.55 के स्तर पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 603.27 अंक तक की वृद्धि देखी गई और यह 74,257.62 अंक के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था। इसी प्रकार, एनएसई का निफ्टी 135.10 अंक की वृद्धि के साथ 22,462 अंक पर जाकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 203.05 अंक की वृद्धि के साथ 22,529.95 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचा था।

बाजार के जानकारों ने बताया कि नए वित्त वर्ष के पहले दिन रियल्टी और धातु क्षेत्र के शेयरों का प्रदर्शन बेहतर रहा, जबकि एफएमसीजी और आटो क्षेत्र के शेयरों में कमजोरी रही। सेंसेक्स में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, लार्सन एंड टूब्रो और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में वृद्धि रही। टाइटन, नेस्ले, भारती एयरटेल और इंडसइंड बैंक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से इस वर्ष जून में ब्याज दरों में कटौती से निवेशकों में सकारात्मक आशावाद बना हुआ है। इस कारण निवेश हो रहा है, जो निकट अवधि में जारी रह सकता है। चीन के मैन्यूफैक्चरिंग डाटा में सुधार से धातु शेयरों में तेजी आई है। शेयर बाजारों में तीन दिन से जारी तेजी की बदौलत बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 10.58 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। अब सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 393.15 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इन तीन दिनों में सेंसेक्स में 1,544.25 या 2.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- बीएसई का प्रमुख सूचकांक फिर 74 हजार के पार बंद हुआ, निफ्टी में 135 अंक की बढ़ोतरी रही
- रियल्टी और धातु क्षेत्र के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन 393.15 लाख करोड़ रुपये हुआ बीएसई का पूंजीकरण

अदाणी समूह के शेयरों में हुई जमकर खरीदारी

नई दिल्ली, प्रेट्र: बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच सोमवार को निवेशकों के बीच अदाणी समूह के शेयरों में जमकर खरीदारी हुई और अधिकांश कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई में अदाणी एनर्जी साल्यूशंस के शेयरों में सबसे ज्यादा 8.40 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। अब समूह की कंपनियों का पूंजीकरण 16.30 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है।

68,420 रुपये के उच्च स्तर पर सोना, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली, प्रेट्र: वैश्विक बाजारों में तेजी की बदौलत घरेलू बाजार में सोमवार को सोने के मूल्य में 1,070 रुपये की बढ़ोतरी रही। इसके साथ ही यह 68,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले दिल्ली में सोने का मूल्य 67,350 रुपये प्रति 10 ग्राम था। सी तरह, चांदी के मूल्य में 1,120 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अब यह 78,570 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार का कहना है कि फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती के करीब पहुंचने के चलते सराफा की कीमतों में तेजी आ रही है। इस कारण सोने का मूल्य रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा, चीन में मांग बढ़ने से भी सोना-चांदी के मूल्य में बढ़ोतरी हो रही है।

राष्ट्रीय फलक

उत्तराखंड में छेड़छाड़ से परेशान इंटर की छात्रा ने की आत्महत्या

जासं, किच्छा: उत्तराखंड में छेड़छाड़ से परेशान 12वीं की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पीड़ित स्वजन की तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है। लालपुर चौकी अंतर्गत निवासी किशोरी सोमवार दोपहर पड़ोस में रहने वाले चाचा के घर पहुंची थी। घर पर कोई नहीं था। कुछ देर बाद स्वजन पहुंचे तो छात्रा का शव चुन्नी के फंदे पर लटका मिला। उन्होंने शव नीचे उतारा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टया यह बात सामने आ रही है कि दो युवक उसे परेशान करते थे। यह बात जब उसने घर पर बताई तो आरोपित हमलावर हो गए। पूर्व में इसकी शिकायत भी स्वजन ने चौकी पुलिस से की थी।

अलीगढ़ में अनुसूचित जाति के व्यक्ति की बरात रोकने और हमले में तीन को उम्रकैद

जागरण संवाददाता, अलीगढ़

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में बरातियों पर जानलेवा हमला करने के 22 साल पुराने मामले में अदालत ने तीन लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। तीनों पर 27-27 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। दोषियों ने अनुसूचित जाति के व्यक्ति की बरात की चढ़त को रोका था। अदालत ने सजा सुनाने के दौरान टिप्पणी की कि ऐसे ही लोगों के लिए एससी-एसटी एक्ट स्थापित किया गया था।

विशेष लोक अभियोजक चमन प्रकाश शर्मा व महेंद्र कुमार ने बताया कि प्रताप सिंह ने 23 अप्रैल, 2002 को मुकदमा पंजीकृत कराया था। 22 अप्रैल, 2002 को वह परिवार के साथ चचेरे भाई शिशुपाल की बरात में संत सिंह के घर आए थे। रात 11 बजे चार लोग आए और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि इस गांव में अनुसूचित जाति के लोगों की बरात नहीं चढ़ती है।

संत सिंह के बेटे दर्शन ने विरोध किया तो उनसे मारपीट कर दी। धमकी देते हुए चले गए। आधा घंटा बाद फिर से गांव के रमेश, पप्पू, राकेश जैन, बेबी लाठी-डंडे व तमंचे लेकर आए और मारपीट की। इसमें परिवार के महेंद्र सिंह के सिर में गंभीर चोट आई। छत्रपाल भी घायल हो गए। बीच-बचाव में अन्य लोग आए तो हमलावर फायरिंग करते हुए भाग गए। पुलिस ने चारों के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया। रमेश को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। इसके 15 दिन बाद वह हाजिर हुआ और जमानत करा ली। तब से उसका कोई पता नहीं है। साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर एससी-एसटी की विशेष अदालत ने पप्पू, राकेश व बेबी को दोषी करार देते हुए निर्णय सुनाया।

- अदालत ने कहा-ऐसे लोगों के लिए ही बना है एससी-एसटी एक्ट
- अलीगढ़ के 22 वर्ष पुराने मामले में न्यायालय ने सुनाया निर्णय

वानखेडे के खिलाफ 10 अप्रैल तक न हो दंडात्मक कार्रवाई : हाई कोर्ट

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने कहा है कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ मामले में अनियमितता की जांच को लेकर एनसीबी की ओर से आइआरएस अधिकारी समीर वानखेडे के खिलाफ जारी नोटिस पर 10 अप्रैल तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए।

एनसीबी ने राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ मामले तथा नशीले पदार्थ के साथ पकड़े गए नाइजीरियाई नागरिक के मामले में वानखेड़े के खिलाफ जांच शुरू की है। वानखेड़े पर दोनों मामलों में अनियमितता करने का आरोप है। राजपूत ने जून 2020 में मुंबई स्थित घर पर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद एनसीबी ने फिल्म उद्योग में मादक पदार्थों के इस्तेमाल की जांच शुरू की थी।

किसान की मौत की न्यायिक जांच पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली, एएनआइ : पंजाब-हरियाणा सीमा पर किसानों एवं सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष में एक 22 वर्षीय किसान शुभकरण सिंह की मौत की न्यायिक जांच के आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इन्कार कर दिया। न्यायिक जांच का यह आदेश पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा मामले की निगरानी से निष्पक्षता और पारदर्शिता आएगी। जस्टिस सूर्यकांत एवं जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने हरियाणा सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता की उस दलील को खारिज कर दिया कि न्यायिक जांच के लिए ऐसे आदेश से पुलिस हतोत्साहित होगी। पीठ ने समिति की रिपोर्ट का इंतजार करने का सुझाव देते हुए कहा कि न्यायपालिका पुलिस के साथ-साथ लोगों के मनोबल का भी ध्यान रखेगी। मेहता ने विरोध प्रदर्शन के दौरान हालात की गंभीरता का जिक्र करते हुए दलील दी कि तलवारों व हथियारों के सामने कोई भी इस तरह काम नहीं कर सकता। जस्टिस कांत ने जवाब दिया, 'जन आंदोलन में कुछ उपद्रवी हालात का अनुचित लाभ उठाते हैं।' उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट की सेवानिवृत्त जज जयश्री ठाकुर की अध्यक्षता में हाई कोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था।

- कहा, इस जांच से आएगी निष्पक्षता और पारदर्शिता

****

9.66 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल के दाम बढ़ गए हैं पाकिस्तान में। वित्त मंत्रालय के अनुसार, तेल एवं गैस नियामक प्राधिकरण की अनुशंसा के अनुसार, पेट्रोल की नई कीमत एक अप्रैल से प्रभावी की गई है। अब पेट्रोल 289.41 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

दमिश्क में ईरानी दूतावास पर इजरायली हमला, छह मरे

मरने वालों में सैन्य सलाहकार जनरल जाहेदी शामिल

ईरान ने कहा, हमले के लिए दुष्परिणाम भुगतेगा इजरायल

● किसी ने नहीं ली जिम्मेदारी, इजरायल का टिप्पणी से इन्कार

दमिश्क, एपी : सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास परिसर में बनी महत्वपूर्ण इमारत सोमवार को हवाई हमले में बर्बाद हो गई। हमले में इमारत में मौजूद ईरान के सैन्य सलाहकार जनरल मुहम्मद अली रेजा जाहेदी सहित छह लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। सीरिया और ईरान ने इसे इजरायल की कार्रवाई बताया है। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अब्दुल्लाहियान ने कहा है कि हमले के लिए इजरायल को दुष्परिणाम भुगतने होंगे। लेकिन इजरायल ने हमले पर कोई टिप्पणी करने से इन्कार किया है। इस हमले से अरब जगत में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई गई है।

हमले का शिकार हुआ ईरानी दूतावास दमिश्क के अति सुरक्षित इलाके में है और उसके आसपास खासतौर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। लेकिन हवाई हमले से दूतावास परिसर की इमारत ध्वस्त हो गई और उसके मलबे से आग की लपटें और धुंआ निकलता देखा गया। पूरे इलाके को सीरियाई बलों और राहतकर्मियों ने घेर लिया है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं। मौके पर सीरिया के विदेश मंत्री फैसल मेकदाद वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पहुंच गए हैं। विदेश मंत्री मेकदाद ने ईरानी राजदूत हुसैन अकबरी से मिलकर नुकसान के संबंध बात की है। ईरानी राजदूत हमले के समय दूतावास के नजदीक बने आवास में थे।

करीब छह महीने से जारी गाजा युद्ध के दौरान इजरायल ने सीरिया में स्थित ईरानी ठिकानों पर लगातार हमले किए हैं। इजरायल मानता है कि सात अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर हुए हमास के हमले के पीछे ईरान का हाथ था। ईरान ने हमास के लड़ाकों को हमले के लिए प्रशिक्षण और हथियार दिए थे। इसीलिए सीरिया में हुए इजरायली हमलों में खासतौर पर ईरान की इलीट रिवोल्यूशनरी गार्ड फोर्स के अधिकारियों को निशाना बनाया जाता रहा है।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में सोमवार को ईरानी दूतावास परिसर का एक प्रमुख भवन इजरायली हवाई हमले में ध्वस्त होने के बाद मौके पर एकत्र लोग। रायटर

सैकड़ों को मारने-पकड़ने के बाद सेना ने खाली किया अल शिफा अस्पताल

● हमास का दावा, इजरायली सेना ने 400 लोगों को मारा

● गाजा के सबसे बड़े अस्पताल को बर्बाद करने का आरोप

यरुशलम, रायटर : दो हफ्ते की कार्रवाई के बाद इजरायली सेना सोमवार को गाजा पट्टी के सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल से निकल गई। करीब छह महीने से जारी युद्ध में इजरायली सेना दूसरी बार गाजा सिटी के इस अस्पताल में घुसी थी और वहां पर उसने हमास व इस्लामिक जिहाद के लड़ाकों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इजरायली सेना के अनुसार ताजा कार्रवाई में 200 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं जबकि 500 को गिरफ्तार किया गया है। हमास ने अस्पताल के भीतर और आसपास मारे गए लोगों का आंकड़ा 400 बताया है। कहा है कि गाजा के सबसे बड़े अस्पताल को इजरायली सेना ने बर्बाद कर दिया है।

इजरायली सेना ने बताया है कि दो हफ्ते की कार्रवाई में सैकड़ों आतंकियों को मारा गया और गिरफ्तार किया गया है। बड़ी मात्रा में हथियार और खुफिया दस्तावेज जब्त किए गए हैं। कार्रवाई में इजरायली के दो जवान भी मारे गए और कुछ घायल हुए हैं। इस दौरान आमजनों, मरीजों और चिकित्सा कर्मियों को बचाने की अधिकतम कोशिश की गई। जबकि हमास के मीडिया ने बताया है कि इजरायली सेना द्वारा मारे गए 400 लोगों में एक बुजुर्ग महिला डाक्टर और उनका डाक्टर बेटा शामिल हैं। दो लोगों को फांसी देकर मारा गया है। इतना ही नहीं अस्पताल की इमारत का अंदरूनी भाग जला दिया गया है और कई निर्माणों को बुलडोजर से ढहा दिया गया है। युद्ध के दौरान इजरायली बमबारी और गोलाबारी के कारण बेघर हुए दसियों हजार लोगों ने अल शिफा अस्पताल के परिसर में शरण ले रखी थी। इजरायली कार्रवाई में उनमें से कई के मारे जाने और गिरफ्तार होने की सूचना है।

बताया गया है कि कार्रवाई के चलते ज्यादातर लोग ठिकाना छोड़ गए हैं और अब अस्पताल में पुरानी चीजों का अंबार लगा हुआ है। इजरायली सेना की कार्रवाई गाजा के कई इलाकों में जारी है। इस कार्रवाई में सोमवार को 63 लोग मारे गए जबकि बीते छह महीनों में करीब 33 हजार लोग मरे हैं।

इजरायली सेना के हमले में ध्वस्त फलस्तीन के गाजा पट्टी स्थित अल शिफा अस्पताल की इमारत। इजरायल ने सोमवार को दो सप्ताह तक चली कार्रवाई के बाद यहां से सुरक्षा बलों को वापस बुला लिया है। उल्लेखनीय है कि अल शिफा अस्पताल परिसर भूख से त्रस्त विस्थापित फलस्तीनियों के लिए शरणस्थली बन गया है। रायटर

मास्को आतंकी हमले में रूस ने चार विदेशी लड़ाकों को हिरासत में लिया

मास्को, रायटर: मास्को में हुए आतंकी हमले में भूमिका को लेकर रूस ने चार विदेशी लड़ाकों को हिरासत में लिया है। आरोप लगाया कि इन्होंने हमले में वित्तीय व अन्य सहायता की थी। तास न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्धों को रविवार को रूस के दक्षिणी क्षेत्र दागिस्तान से पकड़ा गया है। उधर, ईरान ने हमले से पहले रूस पर आतंकी हमले को लेकर अलर्ट किया था।

इंटरफैक्स एजेंसी के अनुसार, रूस की एफएसबी सुरक्षा सेवा ने सोमवार को बताया कि चारों संदिग्धों में से एक ने मास्को हमलावरों के लिए व्यक्तिगत रूप से हथियार लाने की बात स्वीकार की है। रूसी प्राधिकारियों ने रविवार को कहा था कि उन्होंने एक ग्रुप के सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो हिंसात्मक कार्रवाई की योजना बना रहे थे। पर इनकी नागरिकता को लेकर कुछ नहीं बताया था। ज्ञात हो, 22 मार्च को मास्को के पास कंसर्ट हाल में हुए आतंकी हमले में 144 लोग मारे गए थे। आतंकी संगठन आइएस ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। पर रूस ने कहा कि इसमें यूक्रेनियों की भूमिका हो सकती है।

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि आतंकी हमले को लेकर ईरान ने रूस को कुछ दिन पहले चेताया था। 22 मार्च को मास्को में हुआ हमला 20 वर्ष में सबसे घातक माना जा रहा है। अमेरिका ने भी रूस पर इस्लामी चरमपंथियों के हमले को लेकर चेताया था।

रूस ने यूक्रेन युद्ध में हाइपरसोनिक जिरकान मिसाइलों का किया प्रयोग

▸ यूक्रेन ने कहा, इस साल कीव पर हमले में नई पीढ़ी की इस मिसाइल की ली गई मदद

▸ रहस्यात्मक हवाना सिंड्रोम के पीछे रूस का हाथ होने को क्रेमलिन ने किया खारिज

कीव, रायटर: यूक्रेन ने रूस पर युद्ध में हाइपरसोनिक जिरकान मिसाइलों का उपयोग करने का दावा किया है। यूक्रेन के रक्षा प्रशासन ने सोमवार को कहा कि रूस ने इस वर्ष के शुरुआती तीन महीनों में कीव पर हमले में पांच न्यू हाइपरसोनिक जिरकान मिसाइलों का उपयोग किया है। ये उन 180 मिसाइल और ड्रोन में शामिल हैं, जिनका उपयोग यूक्रेन की राजधानी पर हमले में किया गया।

समुद्र आधारित जिरकान मिसाइलों की मारक क्षमता 1000 किलोमीटर होती है और इसकी रफ्तार ध्वनि से नौ गुना अधिक होती है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि हाइपरसोनिक की इस रफ्तार की वजह से दुश्मन को रक्षा करने का कम समय मिलता है। इससे लक्ष्य पर इसकी सटीकता बढ़ जाती है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 29 फरवरी को राष्ट्र के नाम संबोधन में भी इसकी पुष्टि की थी कि रूस ने जिरकान मिसाइलों का प्रयोग किया है, लेकिन यह नहीं बताया था कि कब और किस स्थान पर इसका प्रयोग किया गया। उन्होंने जिरकान को नई पीढ़ी का हथियार प्रणाली बताया था। कीव प्रशासन ने इसके साथ यह भी कहा कि रूस ने इस साल छह अन्य प्रकार की मिसाइलों के भी प्रयोग किए। इनमें केएच-101 और क्रूज मिसाइलें शामिल हैं। रूस ने इसके अलावा युद्ध में किंजल मिसाइलों का भी प्रयोग किया।

उधर, क्रेमलिन ने सोमवार को इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया कि रहस्यात्मक हवाना सिंड्रोम बीमारी के पीछे रूसी खुफिया एजेंसी का हाथ हो सकता है। जिससे अमेरिका या दुनिया के अन्य हिस्सों के राजनयिक व जासूस पीड़ित हुए। इस बीमारी के लक्षणों में माइग्रेन, चक्कर आना और याददाश्त का लोप होना शामिल है। पिछले साल जारी एक अमेरिकी खुफिया जांच रिपोर्ट में कहा गया था कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस बीमारी के लिए विदेशी दुश्मन जिम्मेदार हैं। इस बीमारी की पहली रिपोर्ट 2016 में क्यूबा की राजधानी हवाना में अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने की थी।

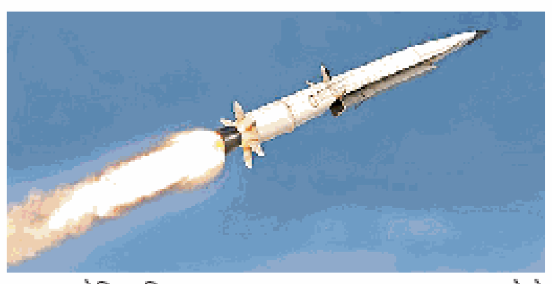

हाइपरसोनिक जिरकान। फाइल फोटो

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों पर फिर हमला, दो की मौत

▸ बलूचिस्तान के ग्वादर में घटी घटना, बलूच विद्रोहियों पर संदेह, इस साल आतंकी हमलों में 432 की हुई मौत

कराची, प्रेट्र: पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों पर हमला थम नहीं रहा है। बंदरगाह शहर ग्वादर जिले के अंकारा बांध क्षेत्र में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने बम निरोधी दस्ते पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी, जिसमें दो सैनिकों की मौत हो गई, जबकि अन्य चार घायल हो गए। घटना को लेकर बलूच विद्रोहियों पर संदेह जताया जा रहा है लेकिन अभी तक किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

डान अखबार की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, घटना उस समय हुई जब बम निरोधी दस्ता बारूदी सुरंगों को हटाने में लगा था। ग्वादर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहसिन जोहैब ने कहा कि घटना ग्वादर शहर से 25 किलोमीटर दूर हुई है। घायल सैनिकों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोहसिन जोहैब ने कहा, सुरक्षा बलों ने हमलावरों की खोज में अभियान चलाया है। वहीं, थिंक टैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2024 के पहले तीन महीनों (जनवरी से मार्च) में 245 आतंकी घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं में 432 लोगों की जान गई है और 370 घायल हुए हैं, जिनमें नागरिक, सुरक्षा बल और विद्रोही शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) बलूचिस्तान प्रांत में चीन के निवेश का विरोध करता है। संगठन और प्रांत के निवासियों का आरोप है कि राज्य के समृद्ध संसाधनों का चीन और पाकिस्तान शोषण कर रहे हैं। विरोध करने पर स्थानीय लोगों पर जुल्म किया जाता है। बीएलए पूर्व में ग्वादर में सुरक्षा बलों पर कई बार हमले कर चुका है, जिसमें कई जवान मारे जा चुके हैं।

चीनी नागरिकों पर हुए आत्मघाती हमले में मास्टरमाइंड समेत 12 संदिग्ध गिरफ्तार

पाकिस्तान के आतंक निरोधी पुलिस ने चीनी नागरिकों पर हुए आत्मघाती हमले की घटना में मास्टरमाइंड समेत 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में बीते 26 मार्च को आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों के साथ एक पाकिस्तानी ड्राइवर मारा गया था। उधर, मारे गए पांचों चीनी नागरिकों का शव सोमवार को पाकिस्तान के विशेष सैन्य विमान से वुहान ले जाया गया। मृत चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना में इंजीनियर थे।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले में मंगलवार को आत्मघाती विस्फोट में वाहन के परखच्चे उड़ गए थे। फाइल/एपी

तोशाखाना मामले में इमरान और पत्नी बुशरा की सजा निलंबित

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में तात्कालिक राहत मिल गई है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने सोमवार को मामले में इमरान व बुशरा की 14 वर्ष की सजा निलंबित कर दोनों को जमानत दे दी पर अन्य मामलों में दोषी होने के चलते दोनों जेल में ही रहेंगे। तोशाखाना मामले में दोनों को इस वर्ष 31 जनवरी को जवाबदेही अदालत ने सजा सुनाई थी। तोशाखाना में सजा के विरुद्ध इमरान व बुशरा ने हाई कोर्ट में अपील की थी। मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई के बाद युगल को तात्कालिक राहत दे दी। साथ ही कहा, मामले में आगे की सुनवाई ईद के बाद करेंगे। जब इमरान पीएम थे, उसी समय तोशाखाना मामला सामने आया था। कानून के अनुसार, माननीयों द्वारा विदेशी मेहमानों से प्राप्त कीमती उपहारों को तोशाखाना (कोषागार) में जमा किया जाता है। इन उपहारों को उपयुक्त कीमत देकर शीर्ष अधिकारी अपने पास रख सकते हैं, पर पहले इन्हें खजाने में जमा करना होता है। इमरान व बुशरा ने या तो उपहारों को जमा न कर अपने पास रख लिया या कम कीमत पर इसे प्राप्त किया। बाद में महंगे दाम पर इसे बेच दिया।

न्यूज गैलरी

अफगानिस्तान में बारूदी सुरंग फटने से नौ बच्चों की मौत

इस्लामाबाद : अफगानिस्तान के गजनी प्रांत के गेरो जिले में पुरानी बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से नौ बच्चों की मौत हो गई। तालिबान के सूचना व संस्कृति विभाग के निदेशक अमीदुल्ला निसार ने कहा, रविवार को दशकों पुरानी बारूदी सुरंग फटने से पांच से 10 वर्ष के पांच लड़के व चार लड़कियों की मौत हो गई। (एपी)

अमेरिका के रेस्तरां में गोलीबारी में एक की मौत, पांच घायल

नाशविले : अमेरिका के टेनेसी प्रांत में नाशविले के एक रेस्तरां के भीतर हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि नाशविले के सालेमटाउन में रविवार को दिन के तीन बजे के आसपास गोलीबारी हुई। एक महिला के साथ संदिग्ध के रेस्तरां पहुंचने के कुछ ही मिनट के भीतर यह घटना हुई। रेस्तरां के भीतर अफरा-तफरी मच गई और ग्राहकों ने वहां से भागने का प्रयास किया। (एपी)

बाल्टीमोर में जहाजों के आवागमन के लिए तैयार हो रहा अस्थायी वैकल्पिक चैनल

न्यूयार्क टाइम्स से

● अधिकारियों ने चैनल तैयार करने की समय सीमा नहीं बताई

● आगामी शुक्रवार को राष्ट्रपति बाइडन करेंगे बाल्टीमोर का दौरा

न्यूयार्क: अमेरिका के बाल्टीमोर में सोमवार को सोमवार को व्यावसायिक रूप से आवश्यक जहाजों के लिए अस्थायी वैकल्पिक चैनल खोलने के लिए काम शुरू कर दिया गया। इस चैनल पर काम करने की घोषणा राज्य और संघीय अधिकारियों ने रविवार देर रात कर दी थी। हालांकि वैकल्पिक चैनल के खुलने के लिए अब तक कोई समय सीमा नहीं दी गई है। वहीं व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन-पियरे ने बताया कि शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन बाल्टीमोर का दौरा करेंगे।

बता दें कि गत मंगलवार को बाल्टीमोर से श्रीलंका जा रहा मालवाहक जहाज 'पावर फेल' होने के कारण पटाप्सको नदी पर बने 'फ्रांसिस स्काट की' पुल के स्तंभ से टकरा गया था। टक्कर के बाद पुल टूट गया था और छह लोगों की मौत हो गई थी। मलबे के कारण अब तक चार मजदूरों के शव बरामद नहीं हो सके हैं। वहीं नदी में पड़े पुल के मलबे के कारण जहाजों का आवागमन भी बंद पड़ा है। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्य चैनल के पूर्वोत्तर में वैकल्पिक चैनल खोलने के लिए काम किया जा रहा है। अस्थायी चैनल की नियंत्रित गहराई 11 फीट (तीन मीटर से अधिक), क्षैतिज निकासी 264 फीट (80 मी.) और ऊर्ध्व निकासी 96 फीट (29 मीटर) होगी।

चालक दल के सदस्य स्वस्थ : बाल्टीमोर में फंसे मालवाहक जहाज 'डाली' पर सवार चालक दल के सभी सदस्य स्वस्थ हैं। इस जहाज के 21 सदस्यीय चालक दल में से 20 भारतीय और एक श्रीलंकाई हैं। यह दावा बाल्टीमोर अंतरराष्ट्रीय नाविक केंद्र ने किया। संगठन के कार्यकारी निदेशक रेव जोशुआ मेसिक ने बताया कि चालक दल के सदस्य स्वस्थ हैं और हम भावनात्मक रूप से उनका समर्थन और उनकी जरूरतों को पूरा करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्काट के ब्रिज में अटका मालवाहक जहाज। फाइल/एएफपी

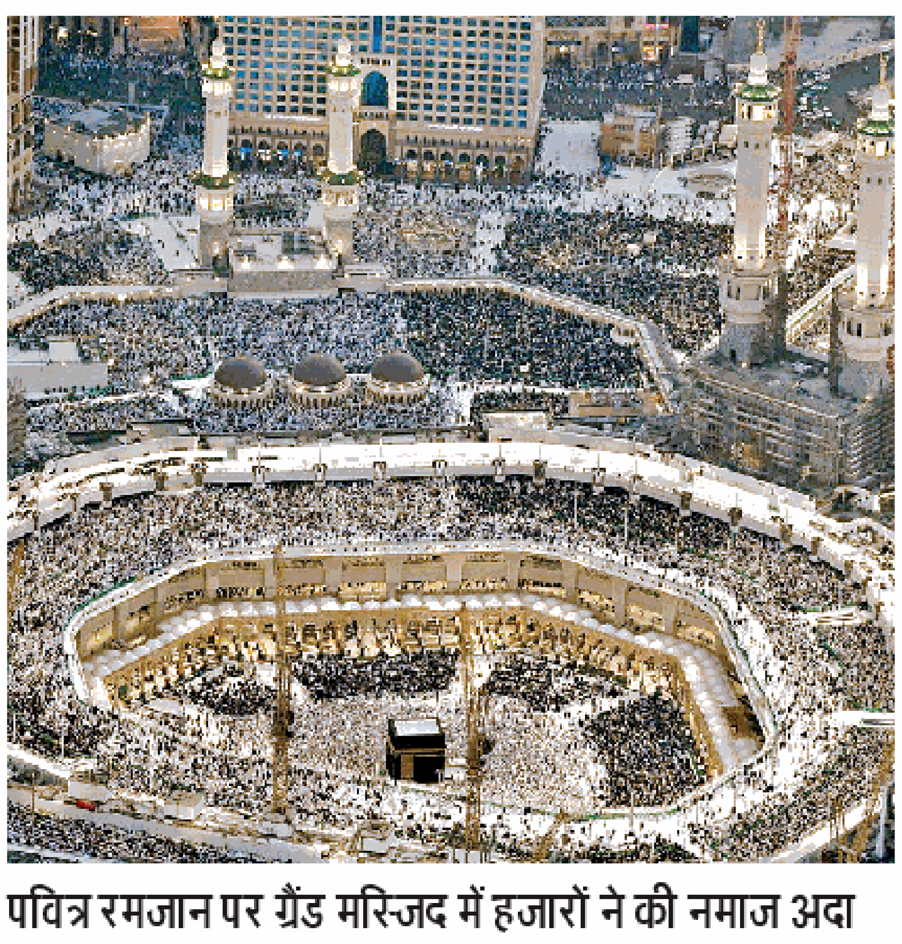

पवित्र रमजान पर ग्रैंड मस्जिद में हजारों ने की नमाज अदा

सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का की ग्रैंड मस्जिद में रमजान के पवित्र माह के दौरान नमाज अदा करते अकीदतमंद। रमजान माह पर हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग दो शहरों मक्का और मदीना में पहुंचते हैं। यह पहला मौका है कि जब सऊदी सरकार ने आदेश जारी करके मस्जिदों के अंदर इफ्तार के कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया। इसकी वजह मस्जिदों में साफ-सफाई बताई गई है। रायटर

स्काटलैंड में सख्त घृणा अपराध कानून लागू

लंदन, प्रेट्र: स्काटलैंड में सोमवार को घृणा अपराध से निपटने के लिए नया सख्त कानून लागू कर दिया गया। हालांकि आलोचकों का कहना है कि इसके कुछ प्रविधान धार्मिक विचारों और भद्दे मजाक को अपराध घोषित कर सकते हैं। सरकार ने कहा, घृणा अपराध और सार्वजनिक व्यवस्था (स्काटलैंड) अधिनियम पीड़ितों व समुदायों को सुरक्षा मुहैया कराएगा। यह धमकी देने या अपमानजनक व्यवहार जैसे घृणा अपराधों के लिए सख्त सजा का प्रविधान करता है। इसमें सात साल की अधिकतम सजा का प्रविधान है।

स्काटलैंड के मंत्री सियोबियन ब्राउन ने कहा, हम नफरत व पूर्वाग्रह से मुक्त सुरक्षित समुदाय के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम जानते हैं कि शारीरिक, मौखिक या आनलाइन हमलों के पीड़ितों पर दर्दनाक प्रभाव पड़ता है। यह कानून उस क्षति से निपटने के हमारे दृष्टिकोण का जरूरी तत्व है। यह कानून विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ नफरत पर प्रतिबंध नहीं लगाता है। इसके लिए जल्द ही नया कानून लाया जाएगा।

राष्ट्रीय फलक

मप्र में मंत्री के पुत्र ने की गुंडागर्दी, मामूली धाराओं में दर्ज हुआ केस

नईदुनिया, भोपाल

▸ मंत्री पुत्र ने साथियों के साथ रेस्तरां में जमकर किया उत्पात

▸ संचालक के साथ की गई मारपीट, दहशत में है परिवार

मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के पुत्र अभिज्ञान और उसके साथियों ने रेस्तरां में जमकर उत्पात मचाया। रेस्तरां में मौजूद युवक की पिटाई की। संचालक ने टोका तो उसे भी मारा-पीटा और धमकाया गया। रंगपंचमी (शनिवार) की रात हुई इस घटना के मामले में पुलिस ने मंत्री पुत्र को नामजद करते हुए आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मंत्री पुत्र की गिरफ्तारी का साहस तक नहीं जुटा सकी है। इधर अम्मा-बाबूजी रेस्तरां के संचालक डेनिस मार्टिन (33) और उनकी पत्नी अलीशा सक्सेना (31) डरे हुए हैं।

रेस्तरां संचालक डेनिस का कहना है कि अब कारोबार चलाना मुश्किल हो जाएगा। रेस्तरां के पीछे ही मंत्री का घर है। उस रात सिर्फ मारपीट करने से रोकने पर उन्होंने हम लोगों के साथ भी मारपीट की। गलती इतनी थी कि रेस्तरां में बैठे एक युवक को मंत्री पुत्र व उनके साथियों द्वारा पीटे जाने पर मैंने कह दिया था कि यहां बखेड़ा न करें। बताते हैं कि रेस्तरां में जिस युवक के साथ मारपीट की गई वह मीडिया कर्मी है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज नहीं किया। अलबत्ता रेस्तरां संचालक की शिकायत पर मामूली धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

मंत्री पुत्र की गिरफ्तारी नहीं होने के बारे में पुलिस उपायुक्त प्रियंका शुक्ला का कहना था कि जिन धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई है, उनमें गिरफ्तारी का नोटिस दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लापरवाही के आरोप में शाहपुरा थाने के एसआइ जय सिंह, एएसआइ कन्हैया लाल, आरक्षक आशीष त्यागी एवं नरेश गुर्जर को निलंबित कर दिया गया है।

नाराज भाजपा हाईकमान ने तलब की जानकारी

स्वास्थ्य राज्य मंत्री पटेल के बेटे की गुंडागर्दी से भाजपा हाईकमान नाराज है। सोमवार को दिल्ली में घोषणा पत्र समिति की बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी पार्टी हाईकमान ने पूरे मामले की जानकारी ली है। हाईकमान ने मामले में प्रदेश संगठन से रिपोर्ट मांगी है। मंत्री पटेल ने शाहपुरा थाना पहुंचकर पुलिस कर्मियों से अभद्रता कर वर्दी तक उतरवाने की धमकी दी थी। वहीं, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मंत्री को जमकर फटकार लगाई है।

शर्मा ने कहा, गुंडागर्दी का अधिकार किसी के पास नहीं

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि गुंडागर्दी का अधिकार किसी के पास नहीं है। कानून अपना काम कर रहा है। जिसने गलत किया, उस पर कार्रवाई होगी। उन्होंने पटेल से कहा है कि पहली बार विधायक और फिर मंत्री बने हो, ऐसी हरकतों से संगठन को कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री डा. यादव ने मंत्री के मामले की पूरी जानकारी पार्टी के केंद्रीय संगठन को दी और संगठन स्तर पर निर्णय लेने की बात कही है। बताया जा रहा है कि घटना के समय मंत्री थाने में थे तो मुख्यमंत्री निवास से एक फोन आया और वे वहां से रवाना हो गए थे।

शून्य भुखमरी पर आज कार्यक्रम को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, आइएएनएस: संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन सतत विकास लक्ष्य-2 के तहत शून्य भुखमरी को प्राप्त करने की दिशा में भारत के योगदान की जानकारी देने के लिए न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में मंगलवार को एक कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम में सबसे पहले राजदूत रुचिरा कंबोज अपनी बात रखेंगी। नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का मुख्य भाषण होगा। इंफोसिस के मानद चेयरमैन और संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति व अक्षय पात्र फाउंडेशन के चेयरमैन मधु पंडित दास भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में शून्य भुखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भारत सरकार व अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा की गई पहल पर चर्चा की जाएगी।

ग्वालियर में पकड़ा गया ठगी का इंटरनेशनल काल सेंटर

नईदुनिया, ग्वालियर

▸ बिल गेट्स की कंपनी का एजेंट बनकर ठग रहे थे अमेरिकी नागरिकों को

मप्र के ग्वालियर में माधव नगर स्थित एक होटल के कमरे से चलाए जा रहे ठगी के इंटरनेशनल काल सेंटर को पुलिस ने पकड़ा और देश के अलग-अलग राज्यों के सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

ये लोग बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसाफ्ट का एजेंट बनकर आई बीम वाइस कंवर्टर एप्लीकेशन से अमेरिकी नागरिकों को फोन करते थे। उनके लैपटाप, पीसी व अन्य डिवाइस में वायरस होने की बात कहकर फंसाते थे, फिर अल्ट्रा व्यूअर साफ्टवेयर डाउनलोड कराकर डिवाइस का पूरा एक्सेस हासिल कर लेते थे। इसके बाद पूरा पैसा दूसरे खाते में ट्रांसफर करने की बात कहकर अपना ही खाता उपलब्ध करवाते थे। इसके बाद पूरा पैसा हड़प लेते थे।

एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने अभी उन सात लोगों को पकड़ा है, जो दुबई में बैठे सरगना के इशारे पर काम करते थे। इन्हें हर माह 20 से 25 हजार रुपये वेतन और ठगी की रकम पर पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था। सरगना अभी पकड़ से बाहर है। पकड़े गए ठगों में एक युवती भी है। दुबई में बैठा सरगना ग्वालियर का ही है। वह कुछ दिनों से गुजरात के बड़ोदरा में रह रहा था। सरगना व गैंग से जुड़े नेटवर्क की तलाश में टीम लगाई गई है। ज्ञात हो, इससे पहले बहोड़ापुर क्षेत्र में अमेरिकियों को ठगने वाला गैंग पकड़ा गया था, इसकी जांच करने एफबीआइ आई थी।

****

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
मुस्तफिजुर	सीएसके	07
चहल	राजस्थान	06
मोहित शर्मा	टाइटंस	06

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
रियान पराग	राजस्थान	181
विराट कोहली	आरसीबी	181
क्लासेन	हैदराबाद	167

बोल्ट ने मुंबई को 'घर' में दिया जोर का झटका

राजस्थान ने छह विकेट से हराया, लगातार तीसरा मैच हारी मुंबई बोल्ट-युजवेंद्रा ने लिए तीन-तीन विकेट

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : आइपीएल 2024 में लगातार दो मैच हारकर अपने घरेलू दर्शकों के सामने पहला मैच खेल रही मुंबई इंडियंस के लिए कुछ भी सही नहीं रहा। वानखेड़े स्टेडियम में सोमवार को राजस्थान रायल्स के विरुद्ध पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने एक के बाद एक रोहित शर्मा (00), नमन धीर (00) और डेवाल्ड ब्रेविस (00) का विकेट झटक कर उसके शीर्षक्रम को तहस-नहस कर दिया। रही सही कसर युजवेंद्र सिंह चहल (3/11) ने मध्यक्रम को समेट कर पूरी कर दी। इन दोनों की मारक गेंदबाजी के आगे मुंबई की टीम नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी। ये रायल्स के विरुद्ध आइपीएल में उसका दूसरा न्यूनतम स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम ने इस सत्र में शानदार फार्म में चल रहे रियान पराग (54*) के अर्धशतक की बदौलत 27 गेंद शेष रहते ही चार विकेट खोकर जीत प्राप्त की। रायल्स की यह तीसरी जीत है। जबकि लगातार तीसरी हार के साथ मुंबई की हालत और खराब हो गई है।

बोल्ट की स्विंग का कमाल : राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टास जीतकर बिना झिझक गेंदबाजी करने का निर्णय किया क्योंकि वानखेड़े में शाम के समय गेंद बहुत स्विंग करती है। पहला ओवर फेंकने आए बोल्ट की स्विंग से इशान को चौंकाया और पहली तीन गेंदों पर कोई रन नहीं दिया।

चौथी गेंद पर इशान ने एक रन लिया और पांचवीं गेंद पर उन्होंने रोहित को सैमसन के हाथों कैच कराकर मुंबई को बड़ा झटका दिया। रोहित खाता भी नहीं खोल पाए और आइपीएल में 17वीं बार शून्य पर आउट हुए। इस मामले में वह दिनेश कार्तिक के साथ संयुक्त पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। अगली ही गेंद पर नमन धीर को एलबीडब्ल्यू कर मुंबई के खेमे में खलबली मचा दी। बोल्ट ने अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर ब्रेविस को अपना शिकार बनाया। ब्रेविस भी अपना खाता नहीं खोल पाए। तीसरे ओवर में मुंबई केवल 16 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। नांद्रे बर्गर ने इशान को आउट कर मुंबई को संकट में धकेल दिया।

युजी ने फिरकी में फंसाया : अब बारी थी, युजवेंद्रा सिंह चहल की जो वानखेड़े पर अलग ही रंग में होते हैं। युजवेंद्र ने सबसे पहले कप्तान हार्दिक (34) को अपनी फिरकी में फंसाया और फिर तिलक (36) को आउट कर मुंबई की रही-सही उम्मीद भी खत्म कर दी। इन दोनों ने पाचंवें विकेट के लिए सर्वाधिक 56 रन जोड़े। युजवेंद्रा ने अपना अंतिम विकेट गेराल्ड कोएत्जे के रूप में लिया और इस मैदान पर 20वीं बार तीन विकेट लेने का कारनामा किया।

भरोसेमंद पराग : राजस्थान के लिए भरोसेमंद रियाग पराग ने दूसरे छोर से गिरते विकेटों के बीच खूंटा गाड़ दिया। यशस्वी, बटलर और संजू का बल्ला लगातार दूसरे मैच में शांत रहा। टीम 50 रन के भीतर तीन विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन पराग ने एक बार फिर संयम भरी पारी खेली और लगातार दूसरा अर्धशतक जड़कर टीम को जीत दिलाकर ही दम लिया। अश्विन (16) ने उनका अच्छा साथ दिया।

आकाश की चमक : पिछले सत्र में लखनऊ के विरुद्ध पांच रन पर पांच विकेट लेकर सनसनी मचाने वाले उत्तराखंड के आकाश मधवाल ने तीन विकेट लेकर राजस्थान को संकट में ला दिया था। पहले नौ आइपीएल मैचों में सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में मधवाल दूसरे सबसे सफल गेंदबाज हैं। उनके नाम 17 विकेट हैं।

विकेट लेने के बाद बोल्ट ● एपी

वानखेड़े में सर्वाधिक बार तीन विकेट

20	जसप्रीत बुमराह
20	युजवेंद्रा सिंह चहल
19	लसिथ मलिंगा
17	अमित मिश्रा

रायल्स के विरुद्ध मुंबई का न्यूनतम स्कोर

स्कोर	स्थान	वर्ष
94/8	जयपुर	2011
125/9	मुंबई	2024
133/5	वानखेड़े	2011

आइपीएल में सबसे ज्यादा शून्य

17	रोहित शर्मा
17	दिनेश कार्तिक
15	ग्लेन मैक्सवेल
15	पीयूष चावला

वानखेड़े में हार्दिक के सामने रोहित-रोहित के नारे

नई दिल्ली, जेएनएन : पहले अहमदाबाद, फिर हैदराबाद और अब मुंबई। हार्दिक पांड्या के साथ फिर वही हुआ। राजस्थान रायल्स के विरुद्ध सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में हार्दिक पांड्या टास के लिए उतरे तो प्रशंसकों ने उनकी जमकर हूटिंग की और मुंबई इंडियंस का घरेलू मैदान 'रोहित...रोहित' और 'मुंबई का राजा कौन' के नारे से गूंजता रहा। टूर्नामेंट से पहले 29 वर्षीय पांड्या को रोहित की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया। हैदराबाद और अहमदाबाद में टीम के पिछले दो मैचों में भी हार्दिक की हूटिंग हुई थी। टास से पहले जब हार्दिक वार्म अप के लिए मैदान का चक्कर लगा रहे थे तो दर्शकों के एक वर्ग ने उनकी हूटिंग की।

मांजरेकर को करनी पड़ी अपील : टास के समय जब हार्दिक के नाम की घोषणा की गई तो भी उनकी फिर से हूटिंग की गई जिसके जवाब में हार्दिक केवल मुस्कुराए क्योंकि मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित के समर्थन में जोर-जोर नारे लग रहे थे। जब स्टेडियम में रोहित-रोहित का शोर बढ़ता गया, तो टीवी प्रस्तोता संजय मांजरेकर को मजबूर होकर दर्शकों से सही बर्ताव करने की अपील करने को मजबूर होना पड़ा, तो वहीं प्रसारणकर्ता ने भी इस दौरान लाइव प्रसारण के दौरान दर्शकों की आवाज को बंद कर दिया। ठीक इसी समय रोहित हरभजन सिंह से मिल रहे थे, जो मैच से पहले शो करने वाले कमेंटेटरों में से एक के रूप में मैदान पर थे। इसके बाद जब पांड्या जब बल्लोजी करने उतरे तो उन्हें फिर हूटिंग शिकार होना पड़ा, विशेषकर सचिन तेंदुलकर स्टैंड से।

टास के दौरान हार्दिक ● एक्स

रोहित से मिलने मैदान में घुसा प्रशंसक : मुंबई की टीम जब क्षेत्ररक्षण करने उतरी तो एक प्रशंसक मैदान पर रोहित से मिलने पहुंच गया। चौथे ओवर में जब हार्दिक पांड्या ने मिड आफ पर बटलर का कैच टपका दिया। इसके बाद एक प्रशंसक मैदान पर पहुंचा और रोहित के गले लगा। इसके बाद उसने इशान किशन से हाथ मिलाया। इसके बाद सुरक्षाकर्मी उसे मैदान से बाहर ले गए। रोहित जब सीमारेखा के पास क्षेत्ररक्षण कर रहे थे, तब वह प्रशंसकों को हार्दिक की हूटिंग करने से रोकते भी दिखे।

आज लखनऊ से होगी टक्कर बल्लेबाजों और गेंदबाजों को लानी होगी निरंतरता

आरसीबी को हर विभाग में दिखाना होगा दम

बेंगलुरु, प्रेट्र : अभी तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखने में विफल रही रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम लखनऊ सुपरजायंट्स के विरुद्ध मंगलवार को आइपीएल मुकाबले में बेहतर खेल दिखाकर अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। आरसीबी की टीम अभी तीन मैच में दो अंक लेकर अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के हाथों करारी हार के कारण उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया है।

फाफ डुप्लेसिस की अगुआई वाली आरसीबी की टीम को कम करके नहीं आंका जा सकता है, लेकिन उसके खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। उसके पास कई स्टार बल्लेबाज हैं लेकिन विराट कोहली को छोड़कर कोई भी अन्य नहीं चल पा रहा है। आरसीबी को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो कोहली के अलावा डु प्लेसिस, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार और कैमरन ग्रीन को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शीर्ष और मध्यक्रम के इन बल्लेबाजों की असफलता के कारण आरसीबी को अभी तक निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों दिनेश कार्तिक, अनुज रावत और महिपाल लोमरोर पर निर्भर रहना पड़ा है। पाटीदार की खराब फार्म जारी है और आरसीबी उनको विश्राम देकर सुयस प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ियों को मौका दे सकता है।

गेंदबाजी सिर्फ सिराज पर निर्भर : आरसीबी की चिंता केवल बल्लेबाजी को लेकर नहीं है क्योंकि उसके मुख्य गेंदबाज भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसका तेज गेंदबाजी विभाग मोहम्मद सिराज पर निर्भर है जिन्होंने अभी तक तीन मैच में दो विकेट लिए हैं। यही नहीं वह रनों पर अंकुश लगाने में भी विफल रहे हैं। सिराज ने अभी तक 10 रन प्रति ओवर की दर से रन लुटाए हैं। सिराज के साथ नई गेंद संभालने वाले अल्जारी जोसेफ ने भी अभी तक केवल एक विकेट लिया है और 9.4 रन प्रति ओवर की दर से रन लुटाए हैं। आरसीबी वेस्टइंडीज के इस तेज गेंदबाज के स्थान पर रीस टाप्ली या लाकी फर्ग्यूसन को अंतिम एकादश में शामिल करने पर विचार कर सकता है।

केएल की फिटनेस ने बढ़ाई चिंता : लखनऊ सुपरजायंट्स की अपने कप्तान केएल राहुल की फिटनेस को लेकर चिंता बनी हुई है जिनका उपयोग पिछले मुकाबले में इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में किया था। उनकी अनुपस्थिति में निकोलस पूरन कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे हैं। यह देखना होगा कि लखनऊ राहुल का उपयोग इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ही करता है या फिर वह कप्तान, विकेटकीपर और बल्लेबाज की तीनों भूमिकाओं में वापसी करेंगे। यह लखनऊ ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए भी अच्छी खबर है कि तेज गेंदबाज मयंक यादव 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं। वह चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी अपनी रफ्तार का जादू दिखाने के लिए तैयार होंगे।

आरसीबी : फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मयंक डागर, विजयकुमार, आकाश दीप, सिराज, रीस टाप्ली, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, टाम कुर्रन, लाकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान

एलएसजी : केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकाक, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, काइल मेयर्स, स्टोइनिस, दीपक हुड्डा, देवदत्त, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पांड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के. गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम. सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, अरशद खान।

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	टाई	नेट रन रेट	अंक
1	राजस्थान	3	3	0	0	+1.249	6
2	केकेआर	2	2	0	0	+1.047	4
3	सीएसके	3	2	1	0	+0.976	4
4	गुजरात	3	2	1	0	-0.738	4
5	हैदराबाद	3	1	2	0	+0.204	2
6	लखनऊ	2	1	1	0	+0.025	2
7	दिल्ली	3	1	2	0	-0.016	2
8	पंजाब	3	1	2	0	-0.337	2
9	आरसीबी	3	1	2	0	-0.711	2
10	मुंबई	3	0	3	0	-1.423	0

एक नजर में

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारतीयों की राह मुश्किल : आनंद

नई दिल्ली : युवा जोश पर अनुभव को महत्व देते हुए पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने कहा कि तीन भारतीय प्रतिभागी कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में खिताब के दावेदार नहीं है और उनका मानना है कि उन्हें टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव हासिल करना चाहिए। अगली विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर के निर्धारण के लिए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का आयोजन तीन से 22 अप्रैल तक टोरंटो में किया जाएगा। इसमें आर प्रगनानंद, डी गुकेश और विदित गुजराती तीन भारतीय हैं, जो इस प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह पहली बार है कि इन तीनों भारतीयों ने क्वालीफाई किया है। (प्रेट्र)

स्थवी अस्थाना बनीं राष्ट्रीय इवेंटिंग चैंपियनशिप विजेता

नई दिल्ली : स्थवी अस्थाना ने घुड़सवारी राष्ट्रीय इवेंटिंग चैंपियनशिप में सोमवार को व्यक्तिगत वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। स्थवी का यह दो चरण वाले राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दूसरा पोडियम स्थान है आशीष मलिक ने भी इस स्पर्धा में दोहरी सफलता हासिल की। व्यक्तिगत वर्ग में दूसरे स्थान पर रहने वाले इस घुड़सवार ने टीम स्पर्धा में तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्थवी को 'जंप' और 'शो जंपिंग' वर्ग में चार-चार पेनाल्टी अंक मिले जबकि ड्रेसेज और क्रास कंट्री में उन्होंने कोई अंक नहीं गंवाया। वह कुल 36.9 अंक के साथ विजेता बनीं। मलिक ने 38.9 अंक प्राप्त किए, जबकि राजू 42.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। (प्रेट्र)

टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप की ओर श्रीलंका

चटगांव : बांग्लादेश के विरुद्ध दो मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को श्रीलंका अपनी दूसरी पारी में 102 रन के अंदर छह विकेट गंवाने के बावजूद बेहद मजबूत स्थिति में है। श्रीलंका ने बांग्लादेश की पहली पारी को 178 रन पर समेट कर 353 रन की बढ़त प्राप्त की थी। श्रीलंका की कुल बढ़त 455 रन की हो गई है और दो दिन का खेल बचा हुआ है। बांग्लादेश ने एक विकेट पर 55 रन से आगे से की लेकिन असिता फर्नांडो ने 34 रन देकर चार विकेट झटके जिससे घरेलू टीम लगातार तीसरी बार 200 रन से कम के स्कोर पर आउट हो गई।। (प्रेट्र)

मीराबाई चानू ने पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया

विश्व कप में महिलाओं की 49 किग्रा प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहीं, ओलिंपिक के लिए तय मानदंड पूरे किए

फुकेट (थाइलैंड), प्रेट्र : टोक्यो ओलिंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू आइडब्ल्यूएफ विश्व कप में सोमवार को ग्रुप बी में महिलाओं की 49 किग्रा प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई किया। चोट से उबरकर छह महीने बाद वापसी कर रही चानू ने कुल 184 किलोग्राम (81 किग्रा+ 103 किग्रा) वजन उठाया। ये टूर्नामेंट पेरिस ओलिंपिक के लिए अनिवार्य क्वालीफायर टूर्नामेंट है।

अपनी स्पर्धा पूरी होने के साथ ही मीराबाई ने पेरिस ओलिंपिक के लिए तय मानदंड पूरे कर लिए हैं, जिनमें दो अनिवार्य टूर्नामेंट और तीन अन्य क्वालीफायर में भाग लेना शामिल हैं। भारतीय भारोत्तोलक इस समय 49 किग्रा ओलिंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग (ओक्यूआर) में चीन की जियान हुईहुआ के बाद दूसरे स्थान पर हैं। क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों की आधिकारिक घोषणा विश्व कप के समापन के बाद होगी, जब ओक्यूआर अपडेट किया जाएगा। प्रत्येक भार वर्ग से शीर्ष 10 भारोत्तोलक पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे। मीराबाई ने इससे पहले अंतिम बार पिछले साल सितंबर में एशियाई खेलों में भाग लिया था जहां वह चोटिल हो गई थी। वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन उन्होंने पांच बार वजन उठाने में कोई गलती नहीं की।

मीराबाई चानू ● फाइल फोटो, एक्स

मेगा नीलामी को लेकर 16 को होगी बैठक

बीसीसीआइ ने सभी 10 फ्रेंचाइजियों को अहमदाबाद बुलाया, इस वर्ष के अंत में होनी है बड़ी नीलामी, खिलाड़ियों को रिटेन करने पर भी होगी चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीसीसीआइ ने सभी 10 आइपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों को 16 अप्रैल को अहमदाबाद में अनौपचारिक बैठक के लिए बुलाया है, जिसमें इस वर्ष के अंत में होने वाली मेगा नीलामी, खिलाड़ियों को रिटेन करने व नीलामी की रकम में संभावित वृद्धि पर चर्चा हो सकती है। यह बैठक नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबले से इतर होगी। बैठक में बीसीसीआइ अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और आइपीएल चेयरमैन अरुण धूमल उपस्थित रहेंगे।

बीसीसीआइ सूत्रों के अनुसार, बैठक का कोई निर्धारित एजेंडा नहीं है। चूंकि आइपीएल 2024 अपने दूसरे महीने में प्रवेश करेगा, इसलिए यह सभी हितधारकों के साथ आने का उचित समय होगा। इस दौरान इस साल के अंत में होने वाली बड़ी नीलामी को लेकर संभावित चर्चा हो सकती है। इसमें खिलाड़ियों को अपनी टीम के साथ जोड़े रखने और नीलामी रकम में संभावित वृद्धि के मुद्दे पर बातचीत हो सकती है। फिलहाल टीमें खिलाड़ियों पर 100 करोड़ रुपये खर्च कर सकती हैं। अभी टीमें हर तीन वर्ष में होने वाली मेगा नीलामी से पहले तीन भारतीय और एक विदेशी खिलाड़ी को रिटेन कर सकती हैं। पिछली बार मेगा नीलामी 2022 में हुई थी।

केकेआर-राजस्थान मुकाबले में हो सकता है बदलाव

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रायल्स के बीच ईडन गार्डेंस स्टेडियम में आगामी 17 अप्रैल को होने वाले आइपीएल मैच की तिथि या जगह बदली जा सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कोलकाता पुलिस ने 17 अप्रैल को रामनवमी को देखते हुए मैच के लिए सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थता जताई है। मालूम हो कि पिछले वर्ष रामनवमी के दिन बंगाल के हावड़ा व हुगली जिलों में हिंसक झड़पें हुई थीं। बीसीसीआइ की ओर से हालांकि अभी तक इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि कहा जा रहा है कि बीसीसीआइ की ओर से बंगाल क्रिकेट संघ, दोनों टीमों के फ्रेंचाइजी व प्रसारक को इसकी जानकारी दे दी गई है। कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़े एक अधिकारी ने इस बारे में पूछने पर इतना ही कहा कि इस बारे में जो भी बताना होगा, उसके बारे में बीसीसीआइ बताएगा। मालूम हो कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए इस साल आइपीएल का कार्यक्रम दो चरणों में तैयार किया गया था। शुरुआत में 21 मैचों का कार्यक्रम तैयार किया गया था और लोकसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा के बाद शेष 53 मैचों के तारीखों की घोषणा की गई।

धौनी आवश्यकता पड़ने पर ही ऊपर बल्लेबाजी करेंगे : क्लार्क

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध आक्रामक पारी के बाद महेंद्र सिंह धौनी को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की मांग उठ रही है, लेकिन आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि सीएसके के पूर्व कप्तान आवश्यकता पड़ने पर ही ऐसा करेंगे। धौनी ने रविवार को दिल्ली के विरुद्ध 16 गेंद पर अविजित 37 रन बनाए, लेकिन उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद धौनी के प्रशंसक उनसे ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए आने की अपील कर रहे हैं।

क्लार्क ने एक कार्यक्रम में कहा, मुझे नहीं लगता कि धौनी ऐसा करेंगे। मेरा मानना है कि वह मौजूदा क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए आएंगे। मैं जानता हूं कि महेंद्र सिंह धौनी का प्रत्येक प्रशंसक उन्हें जितना संभव हो उतने ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहता है। उनके पूरे करियर के दौरान हम सभी कहते रहे हैं कि उन्हें पारी की शुरुआत करनी चाहिए थी। वह अभी अपने करियर के जिस दौर में हैं जहां उन्होंने कप्तानी छोड़ दी है, मुझे नहीं लगता कि वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए आएंगे। मेरा मानना है कि अगर टीम की जरूरत हो तभी वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे।

रिषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

विशाखापत्तनम : दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रिषभ पंत पर सीएसके के विरुद्ध मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आइपीएल आचार संहिता के तहत टीम का धीमी ओवर गति से जुड़ा सत्र का पहला अपराध है इसलिए पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली ने यह मैच 20 रन से जीता था।

रिषभ पंत ●

कौजियर को हराकर आडवाणी ने खिताब बरकरार रखा

मुंबई, प्रेट्र : विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां एकतरफा फाइनल में इंग्लैंड के डेविड कौजियर को 1836-743 से हराकर अखिल भारतीय सीसीआइ बिलियर्ड्स क्लासिक खिताब का बचाव किया। विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हाल में खेले गए चार घंटे के फाइनल मुकाबले में शानदार लय में चल रहे आडवाणी ने 10 बार के पूर्व विश्व चैंपियन कौजियर के विरुद्ध 801 और 460 के दो बड़े ब्रेक बनाए। मुकाबले के शुरुआती दो घंटे के सत्र के बाद आडवाणी के पास 593-570 की मामूली बढ़त थी। वह इस समय 204 के ब्रेक पर थे, जिसे उन्होंने 460 में बदल कर अपनी बढ़त मजबूत की और फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया।

पंकज आडवाणी ●

ब्राइटन को हराकर लिवरपूल खिताबी दौड़ में आगे निकला

मैनचेस्टर, एपी : मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल का मैच गोल रहित ड्रा छूटने से लिवरपूल इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल प्रतियोगिता में खिताब की दौड़ में सबसे आगे हो गया है। लिवरपूल ने एक अन्य मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके ब्राइटन को 2-1 से हराया। इस जीत से 29 मैच में 67 अंक हो गए हैं तथा वह दूसरे नंबर पर काबिज आर्सेनल से दो अंक और तीसरे नंबर की टीम मैनचेस्टर सिटी से तीन अंक आगे है।

इस प्रतियोगिता में अभी नौ दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। अभी इन तीनों टीम के बीच चैंपियन बनने के लिए मुकाबला जारी रहेगा, लेकिन मोहम्मद सलाह के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत लिवरपूल बेहतर स्थिति में पहुंच गया है।

रोड्रिगो के डबल से जीता रीयल मैड्रिड : विनीसियस जूनियर की अनुपस्थिति में रोड्रिगो ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए दो गोल किए, जिससे रीयल मैड्रिड ने एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा में अपने कट्टर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना पर आठ अंक की बढ़त बरकरार रखी। वीनीसियस एक मैच का निलंबन झेल रहे थे लेकिन रोड्रिगो ने उनकी कमी नहीं खलने दी। बार्सिलोना ने लास पामास को 1-0 से पराजित किया। रीयल मैड्रिड की यह लगातार तीसरी जीत है, जिससे उसके 30 मैच में 75 अंक हो गए हैं। बार्सिलोना 30 मैच में 67 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

गोल करने के बाद सालाह ● एएफपी

जानिक सिनर ने पहली बार जीता मियामी ओपन खिताब

टेनिस डायरी

फाइनल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को सीधे सेटों में किया पराजित, जीत के साथ एटीपी सिंगलस रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे जानिक

मियामी, रायटर : इटली के जानिक सिनर ने बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर पहली बार मियामी ओपन का खिताब अपने नाम किया। रविवार देर रात खेले गए पुरुष सिंगल्स के फाइनल में सिनर ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 6-3, 6-1 से हराया। इससे पहले सिनर यहां 2021 और 2023 में भी फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन तब उन्हें उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा था। सिनर मियामी ओपन जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी हैं। इस जीत के साथ ही वह एटीपी रैंकिंग में भी नंबर दो पर पहुंच गए हैं।

आस्ट्रेलियन ओपन और राटरडैम के बाद इस साल उनका यह तीसरा खिताब है। इस सीजन में शानदार फार्म में चल रहे सिनर का स्कोर 22-1 है और वह मियामी ओपन जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी हैं। जीत के बाद सिनर ने कहा, यह मेरे लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन था। विशेष तौर पर सेमीफाइनल और फाइनल मेरे लिए अधिक महत्वपूर्ण है। रैंकिंग में नंबर दो पर पहुंचना मेरे लिए अद्भुत अहसास है। खेल एक अलग चीज है और जीवन उससे बहुत अलग है। मैं यहां पहुंच कर खुश हूं और हर पल का आनंद ले रहा हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले सेट में, पांचवें और नौवें गेम में दो ब्रेक प्वाइंट को भुनाया और 42 मिनट में सेट समाप्त किया। दूसरे सेट में, सिनर को चौथे और छठे गेम में भी दो ब्रेक मिले और स्कोर को 5-1 तक ले गए। इसके बाद उन्होंने एक घंटे और 13 मिनट में जीत प्राप्त की।

ट्राफी के साथ सिनर ● एएफपी

जोकोविक बने सबसे उम्रदराज नंबर एक खिलाड़ी

लंदन : 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविक ने एटीपी टूर रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है और रविवार को जारी रैंकिंग के अनुसार वह सबसे उम्रदराज नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं। 36 वर्षीय 321 दिन के जोकोविक ने रोजर फेडरर को पीछे छोड़ा। सोमवार को विश्व नंबर एक के रूप में उनके रिकार्ड 419वें सप्ताह की शुरुआत हुई, जिससे वह दूसरे स्थान पर मौजूद फेडरर (310 सप्ताह) से 109 सप्ताह आगे हो गए।

नागल सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

लंदन, प्रेट्र : शीर्ष भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने हाल के दिनों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते सोमवार को जारी एटीपी सिंगल्स रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 95वीं रैंकिंग हासिल की। नागल की पहले 97 रैंकिंग थी। उन्होंने यह रैंकिंग फरवरी में चेन्नई ओपन जीतने के बाद हासिल की थी।

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024

चिंतन धरोहर
विनोबा भावे

कर्म की कसौटी है फल-त्याग

गीता की संपूर्ण शिक्षा पर यदि हम दृष्टि डालें तो यही बोध मिलता है कि कर्म का त्याग मत करो। गीता कर्म-फल के त्याग की बात करती है। गीता में सर्वत्र शिक्षा दी गई है कि कर्म तो सतत करो, परंतु फल का त्याग करते रहो। दूसरा पहलू यह है कि कुछ कर्म किए जाएं और कुछ का त्याग किया जाए। अतः अंततः 18वें अध्याय के आरंभ में अर्जुन ने प्रश्न किया- एक पक्ष तो यह कि सभी कर्म फलत्यागपूर्वक करो और दूसरा यह कि कुछ कर्म अवश्यमेव त्याज्य हैं और कुछ करने योग्य हैं, इन दोनों में मेल कैसा बिठाया जाए? जीवन की दिशा जानने के लिए यह प्रश्न है। उत्तर में भगवान ने स्पष्ट कह दिया कि फल-त्याग की कसौटी सार्वभौम है। सब कर्मों के फलों का त्याग तथा राजस और तामस कर्मों का त्याग, इन दोनों में विरोध नहीं है।

फल-त्यागपूर्वक कर्म करने में कुछ कर्मों के प्रत्यक्ष त्याग का समावेश हो जाता है। फल-त्याग के सामने काम्य व निषिद्धकर्म खड़े ही नहीं रह सकते। इस कसौटी से स्वयं पता हो जाता है कि कौन से कर्म किए जाएं और कौन से नहीं। कुछ लोग कहते हैं कि गीता केवल यह बताती है कि फल-त्यागपूर्वक कर्म करो, पर यह नहीं बताती कि कौन से कर्म करो। परंतु फल-त्यागपूर्वक कर्म करो, इतना कहने से ही पता चल जाता है कि कौन से कर्म करें और कौन नहीं। हिंसात्मक, असत्यमय, चौर्य कर्म फल-त्यागपूर्वक किए ही नहीं जा सकते। फल-त्याग की कसौटी पर कसते ही ये कर्म गिर पड़ते हैं। हमें सब कर्म फल-त्याग की कसौटी पर कस लेने चाहिए। देख लेना चाहिए कि जो कर्म मैं करना चाहता हूं, वह अनासक्तिपूर्वक, फल की अपेक्षा न रखते हुए करना संभव है क्या? फल-त्याग ही कर्म करने की कसौटी है। इस कसौटी पर काम्य कर्म त्याज्य सिद्ध होते हैं। बचे शुद्ध सात्विक कर्म अनासक्तिपूर्वक करने चाहिए।

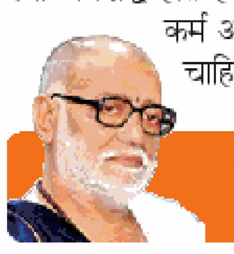

अगले मंगलवार को पढ़ें
मोरारी बापू का चिंतन

सप्ताह के व्रत त्योहार
दो अप्रैल, मंगलवार : शीतलाष्टमी
पांच अप्रैल, शुक्रवार : पापमोचनी एकादशी
छह अप्रैल, शनिवार : प्रदोष व्रत
आठ अप्रैल, सोमवार : सोमवती अमावस्या

जीवन दर्शन
श्री श्री रवि शंकर
आर्ट आफ लिविंग के प्रणेता आध्यात्मिक गुरु

प्रेम और शांति संबंधों का आधार

हमारे संबंध दृढ़ होंगे या क्षीण, यह हमारे मन पर निर्भर करता है। अगर आपका मन सशक्त है। आपके भीतर प्रेम, करुणा, शांति और सेवाभाव है तो संबंध आपके लिए उपहार बन जाते हैं और वे सदा दृढ़ रहते हैं....

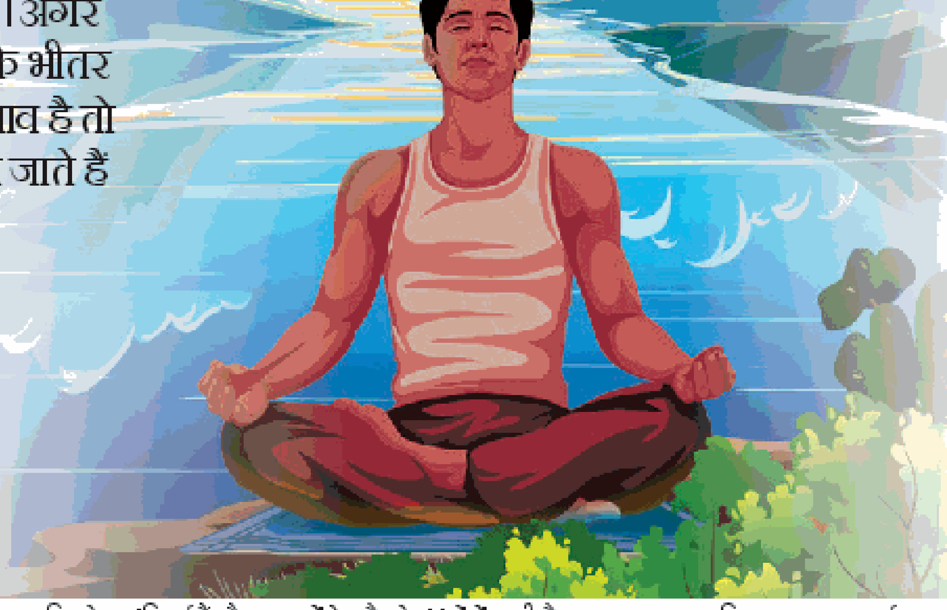

दृष्टिकोण शांतिपूर्ण है और हृदय में प्रेम है, तो संबंधों में आती है दृढ़ता। ● चित्र : जागरण आर्काइव

संबंधों में केवल आकर्षण नहीं, बल्कि प्रेम का होना आवश्यक है। लेकिन इस प्रेम की अपेक्षा समस्याएं उत्पन्न करती है। जब आप अपने प्रेमी से प्रेम की मांग करने लग जाते हैं, तो प्रेम कम होने लगता है। तब आप कहते हैं, मुझे इस संबंध में नहीं आना चाहिए था। फिर उस संबंध से निकलने का संघर्ष और अन्य समस्याएं प्रारंभ हो जाती हैं। एक संबंध से निकलने के बाद आप दूसरे संबंध में जाते हैं, लेकिन फिर यही कहानी दोहराई जाती रहती है। किसी भी संबंध में प्रेम का होना आवश्यक है। प्रेम में आप अपने प्रिय व्यक्ति की अधीनता स्वीकार कर लेते हैं, जबकि आकर्षण में ऐसा नहीं होता। प्रेम और आकर्षण में यही अंतर है। हालांकि आकर्षण पहली सीढ़ी है, लेकिन आप पहली ही सीढ़ी पर तो नहीं बने रह सकते। आपको अगली सीढ़ी पर चढ़ना ही पड़ेगा। वह सीढ़ी ही प्रेम है।

संबंधों की दृढ़ता के लिए शांति भी आवश्यक हैं। दूसरे के व्यवहार पर क्रोधित होने के बजाय शांतिपूर्ण रहें। किसी व्यक्ति को केवल बाहर से ही न देखें। यदि कोई क्रोधी है या थोड़ा नकचढ़ा है, तो हम उसके व्यवहार के लिए उस व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराते हैं, लेकिन अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखेंगे तो कई और पहलू सामने आएंगे। उस व्यक्ति के क्रोध के पीछे कोई न कोई कारण है। यदि यह संबंध में प्रतिबिंबित हो रहा है, तो अपनी धारणा का फलक बढ़ाएं। किसी घटना के लिए उस व्यक्ति पर आरोप न लगाएं, बल्कि शांति के साथ उसे स्वीकार करें और उस घटना को एक व्यापक दृष्टिकोण से देखें। दृष्टिकोण शांतिपूर्ण हो, तो संबंध भी शांतिपूर्ण होते हैं।

यदि अपने संबंधों में आप ही सब कुछ कर रहे हैं और दूसरे व्यक्ति को बदले में कुछ नहीं करने दे रहे हैं, तो आप उनके आत्मसम्मान को कम कर रहे हैं। कभी-कभी लोग कहते हैं, ओह! देखो, मैंने इतना कुछ किया, लेकिन फिर भी वह व्यक्ति मुझसे प्रेम नहीं करता। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे असहज महसूस करते हैं। प्रेम तब होता है, जब आदान-प्रदान होता है और ऐसा तभी हो सकता है, जब आप भी दूसरे व्यक्ति को अपने लिए कुछ करने का अवसर दें। इसके लिए थोड़ी कुशलता की आवश्यकता है। हमें दूसरे व्यक्ति से भी बिना मांगे योगदान कराने में कुशल होना चाहिए। हम किसी से अपने लिए कुछ करवाने का सिर्फ एक ही तरीका जानते हैं- मांगना। एक संबंध में यह देखें कि दूसरा व्यक्ति भी आपके जीवन में योगदान दे, ताकि वह मूल्यहीन अनुभव न करे। प्रेम बढ़ने के लिए दोनों का आत्मसम्मान आवश्यक है।

जब आप किसी से प्रेम करते हैं, तो आप उन्हें सांस लेने की भी जगह नहीं देते। यह कई बार घुटन भरा हो सकता है। घुटन प्रेम को खत्म कर देती है। एक-दूसरे के स्थान का सम्मान करें। पुराने समय में पत्नियों को साल में एक महीने के लिए उनकी मां के पास भेजने की प्रथा थी। उस एक महीने में प्रेम दृढ़ होता था। प्रेम के लिए थोड़ी दूरी और जगह की आवश्यकता होती है। जैसे रेलगाड़ी की पटरी समानांतर होती है और दूर तक एक साथ जाती है, वैसे ही जब दोनों व्यक्ति एक दिशा में थोड़ी जगह बनाकर चलते हैं तो लंबे समय तक साथ चलते रहते हैं।

जीवन में कुछ सेवा करने का लक्ष्य भी रखें। बांटने और सेवा करने से प्रेम करने और स्वीकार करने की क्षमता बढ़ेगी। यदि आप दोनों ने सेवा को एक उद्देश्य के रूप में रखा है और दोनों मिलकर उस दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो कभी कोई समस्या नहीं होगी।

एक-दूसरे के प्रेम पर संदेह न करें। यदि आपको अपना प्रेम बार-बार सिद्ध करना पड़े, तो कितना बड़ा बोझ लगेगा। प्रेम को अभिव्यक्त करना मुश्किल है। महिलाएं भावना-प्रधान होती हैं। पुरुषों को महिलाओं की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। पुरुष अहं-प्रधान होते हैं तो महिलाओं को अपने साथी के अभिमान को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। उनको साथी के कारण आत्मग्लानि नहीं होनी चाहिए।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

वर्ग पहेली-2589

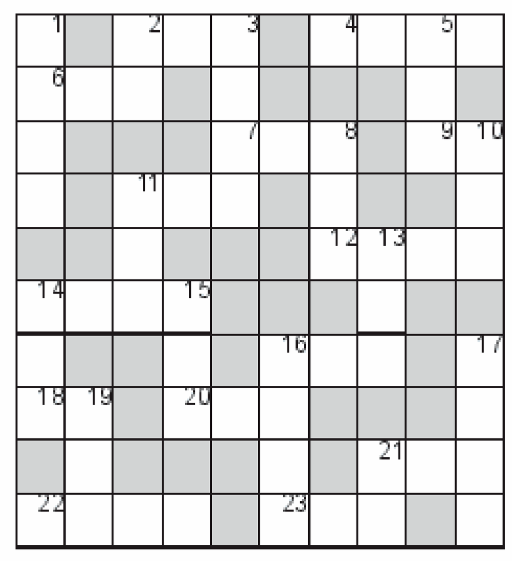

बाएं से दाएं
2 किसी रचना का महान पुरुष (3)। 3 पानी में चलने वाला (4)। 6 नियत समय से आगे टरका देना (3)। 7 विपत्ति की आशंका (3)। 9 एक व्यक्ति का दूसरे पर प्रभाव (2)। 11 विष, हलाहल (3)। 12 अधिक रस (4)। 14 आमने-सामने होना (4)। 16 जिसकी आराधना की जाए (3)। 20 कृति, बनना (3)। 21 युवावस्था (3)। 22 गणेश (4)। 23 स्वाद रहित, फीका (3)।

ऊपर से नीचे
1 जटा रखने वाला (4)। 2 माता के पिता (2)। 3 दुर्बल, कम शक्ति वाला (4)। 5 यदु के वंशज, श्रीकृष्ण को यह भी कहते हैं (3)। 8 एक राशि का नाम, मगर (3)। 10 खरहा (3)। 11 सवाल का हल (3)। 13 समीपता, निकटता (3)। 14 किसी पदार्थ का अगला भाग (3)। 15 विवश अवस्था (3)। 16 अनसुनी करना (4)। 17 पढ़ने योग्य (4)। 19 मृग, हिरण, शिव (3)। 21 जैसा (2)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

1 वि	था	2 ता		3 प	त	बा	4 र		5 स
		6 लौ	प	ना			तौ		ह
7 क	ल	म		8 ह	9 द		10 धा	11 र	ज
री					स्त			क्ष	
ब		12 आ	ना	13 मि	का		14 आ	क	15 र्ष
16 न	17 बा	ब		18 च	र	बा	हा		ल
	लि			ला					था
19 म	दा	20 री		21 ना	22 ज		23 वि	र	ल
हा		झ			24 लौ	ल	ना		
त्मा		25 नी	का	बि	ल		26 शी	ला	का

जागरण सुडोकू-2589

	3				1		6	
8	7		5		4		3	
		5		3		1		8
6			9					
	2			5	6	7		9
7		9	1				5	
	4		3		2			7
				4				
2		6		1		8		3

कल का हल

4	5	6	3	2	1	9	8	7
1	2	3	9	8	7	4	5	6
7	8	9	6	5	4	1	2	3
8	9	4	5	6	3	7	1	2
2	3	7	8	1	9	6	4	5
5	6	1	4	7	2	3	9	8
6	4	8	7	9	5	2	3	1
3	1	5	2	4	6	8	7	9
9	7	2	1	3	8	5	6	4

आज का भविष्यफल- 02 अप्रैल, 2024 मंगलवार
के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : चैत्र मास कृष्ण पक्ष अष्टमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर। आज का पर्व एवं त्योहार : शीतला अष्टमी

कल 03 अप्रैल, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
विक्रम संवत 2080 शके 1946
उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु,
चैत्र मास, कृष्ण पक्ष की नवमी 18 घंटे 30 मिनट तक तत्पश्चात दशमी,
उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र 21 घंटे 48 मिनट तक तत्पश्चात श्रवण नक्षत्र, शिव योग 16 घंटे 10 मिनट तक तत्पश्चात सिद्धि योग,
मकर में चंद्रमा।

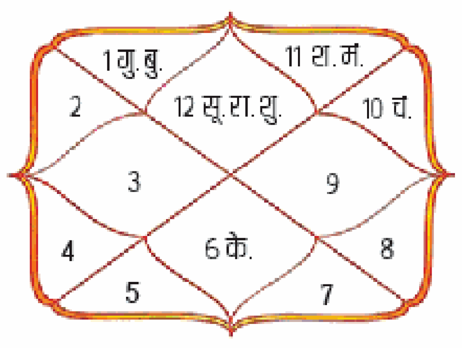

मेष : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। सामाजिक कार्य मे प्रगति होगी।
वृष : समस्या का समाधान होगा। दूसरे से सहयोग लेने में सफलता मिलेगी।
मिथुन : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुंब से परेशानी मिल सकती है।
कर्क : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा।
सिंह : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। मन अशांत रहेगा।
कन्या : कार्य संपन्न होगा। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
तुला : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
वृश्चिक : आधीनस्थ कर्मचारी या भाई-बहन से तनाव मिल सकता है।
धनु : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
मकर : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कुंभ : मन खिन्न रहेगा। विरोधी सक्रिय रहेगा, लेकिन अंततः परास्त होगा।
मीन : स्वास्थ्य और व्यावसायिक मामलों में सतर्क रहें।

पर्व-संस्कृति
डा. प्रणव पण्ड्या
अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख एवं आध्यात्मिक चिंतक

जीवन में अपनाएं स्वच्छता

शीतला माता का प्राचीनकाल से ही बहुत माहात्म्य रहा है। आज शीतलाष्टमी पर जानते हैं माता शीतला का क्या है संदेश...

शीतला माता पर्यावरण शुद्धीकरण की देवी हैं, जो सृष्टि को विषाणुओं से बचाने का संदेश देती हैं। माता को साफ-सफाई, स्वच्छता और शीतलता का प्रतीक माना जाता है। माता की छाया शीतलता प्रदान करने वाली और पीड़ा हरने वाली है।

स्कंद पुराण में इनकी अर्चना का स्तोत्र शीतलाष्टक के रूप में प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने लोकहित में की थी। माता शीतला को देवी पार्वती के अवतार के रूप में माना जाता है। शीतलाष्टक शीतला देवी की महिमा का गान करता है। साथ ही उनकी उपासना के लिए प्रेरित भी करता है। शास्त्रों में भगवती शीतला की वंदना के लिए यह मंत्र बताया है-
वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्।
मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम्॥
अर्थात गर्दभ पर विराजमान हाथ में मार्जनी (झाड़ू) तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तक वाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी है।

पौराणिक मान्यता है कि जो व्यक्ति माता की आराधना मनोयोग से करता है, वे उस पर प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाती हैं। परिणामस्वरूप उसके कुल में दाहज्वर, पीतज्वर, विस्फोटक, फोड़े, नेत्रों के रोग, शीतला की फुंसियों के चिह्न तथा शीतलाजनित दोष दूर हो जाते हैं। माता को अत्यंत शीतल स्वभाव का माना जाता है। मान्यता है कि वह अनेक बीमारियों से हमारी व हमारे परिवार की रक्षा करती हैं।

विचारवान कहते हैं कि जो मानव शीतला माता की शक्ति संचय करते हुए अपनी दुर्बलता का परिहार न कर सके, उनके गुणधर्म शीतलता व स्वच्छता को अपना न सके, तो उसकी साधना-उपासना अधूरी मानी जाती है। बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित अनेक राज्यों में शीतला माता के सिद्ध पीठ हैं, जहां लोग अपने कष्ट हरने की याचना के साथ पहुंचते हैं।

शीतला माता के स्वरूप के प्रतीक का विशेष अर्थ है। माता के वस्त्रों का लाल रंग खतरे से सतर्कता की ओर इशारा करता है। शीतला माता की चार भुजाएं हैं। उनकी भुजाओं में झाड़ू, घड़ा, सूप और कटोरा है, जो यह दर्शाता है कि माताजी सदैव स्वच्छता और शुद्धता के साथ रहना पसंद करती हैं। इसीलिए शीतला माता को शुद्धता की देवी भी कहा जाता है। मां हमेशा शुद्धता व पवित्रता का संदेश देती हैं और शरण आए जरूरतमंदों का कल्याण करती हैं।

आज के समय में मानव मात्र को अपने विचारों और कर्तव्यों में शुद्धता व पवित्रता का ध्यान रखना चाहिए। जिससे तन और मन शुद्ध रहेगा। तन-मन की शुद्धता से ही अच्छे विचार आते हैं, जिनके अनुसार काम करके हम जीवन को धन्य करते हैं। हम सभी को माता शीतला से और उनके प्रतीक चिह्नों से प्रेरणा लेकर अपने व्यावहारिक जीवन में भी स्वच्छता व शीतलता अपनानी चाहिए।

राष्ट्रीय फलक

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नौ और नवमी 17 अप्रैल को

जागरण संवाददाता, वाराणसी

नवरात्र
- वासंतिक नवरात्र का पुण्य फल बढ़ाएगा शुभ फलदायक योगों का संयोग
- अबकी शक्ति की अधिष्ठात्री मां जगदंबा की आराधना को मिल रहे पूरे नौ दिन

नवसंवत्सर के प्रथम दिवस चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक के नौ दिनों की मान्यता वासंतिक या चैत्र नवरात्र की है। इस बार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नौ अप्रैल को और नवमी 17 अप्रैल को पड़ रही है। अतः शक्ति की अधिष्ठात्री मां जगदंबा की पूजा-आराधना का विशेष पर्व वासंतिक नवरात्र इस बार पूरे नौ दिन का होगा। सनातन धर्म में चैत्र मास का विशिष्ट स्थान है। मान्यता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि में ब्रह्मा ने सृष्टि रचना आरंभ की। इस दिन से नौ रात्रियों तक व्रत को नवरात्र कहा गया।

ख्यात ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा आठ अप्रैल को रात्रि 11:55 बजे लग जा रही है जो नौ अप्रैल को रात 9:43 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि अनुसार नौ अप्रैल को नवरात्रारंभ होगा। नवरात्र तो वैसे भी समस्त शुभ कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त माना जाता है, लेकिन विविध योगों के संयोग से यह और भी विशिष्ट माना जा रहा है।

कलश स्थापना : शुभ योगों के साथ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में प्रातःकाल अशुभ योग वैधृति मिल रहा है। अतः घट स्थापन अभिजित मुहूर्त में किया जाएगा जो दिन के 11:34 बजे से 12 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। शास्त्र में वैधृति योग में घट स्थापन का निषेध बताया गया है। कहा गया है-'वैधृति पुत्रनाशिनी'। अर्थात् वैधृति में किया गया घट स्थापन पुत्र नाशक होता है।

16 को अष्टमी व्रत, 17 को नवरात्र हवन : महानिशापूजन सप्तमी युक्त अष्टमी की मध्य रात्रि (निशिथ व्यापिनी) में किया जाता है। अतः 15-16 अप्रैल की मध्य रात्रि अष्टमी योग से महानिशा व बलिदान आदि कार्य होंगे। महाष्टमी व्रत 16 अप्रैल को किया जाएगा। नवमी तिथि में 17 अप्रैल को रामनवमी व्रत रखा जाएगा। साथ ही नवरात्र का हवन-अनुष्ठान होगा। चढ़ती-उतरती यानी पहले व अंतिम दिन व्रत रखने वाले महाष्टमी व्रत का पारण नवमी तिथि में 17 अप्रैल को करेंगे। नवरात्र व्रत का पारण 18 अप्रैल को होगा।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव जांच में सहयोग करें : हाई कोर्ट

विधि संवाददाता, शिमला : हिमाचल प्रदेश में हाई कोर्ट ने गगरेट से पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा के पिता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव राकेश शर्मा व हमीरपुर से निर्दलीय विधायक आशीष शर्मा को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है। प्रदेश सरकार ने कोर्ट में कहा, राज्यसभा चुनाव में लेन-देन करने व षड्यंत्र रचने के आरोपित राकेश शर्मा पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। शर्मा अफसरों को डराने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, न्यायाधीश रंजन शर्मा के समक्ष दोनों प्रार्थियों की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों की अंतरिम अग्रिम जमानत की अवधि 26 अप्रैल तक बढ़ा दी। कोर्ट ने दोनों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या के अनुसार ही उपस्थिति सुनिश्चित करने की छूट दे रखी है।

- पूर्व मुख्य सचिव राकेश शर्मा और निर्दलीय विधायक आशीष पर राज्यसभा चुनाव को गलत तरीके से प्रभावित करने का आरोप

याचिकाओं में दिए तथ्यों के अनुसार, शिमला के बालूगंज पुलिस थाना में राकेश शर्मा और निर्दलीय विधायक आशीष शर्मा के विरुद्ध कांग्रेस विधायकों संजय अवस्थी व भुवनेश्वर गौड़ ने 10 मार्च को प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ताओं ने दोनों पर राज्यसभा चुनाव में लेन-देन करने और षड्यंत्र रचने के आरोप लगाए थे। शिकायत में कहा गया है कि आरोपितों ने सरकार गिराने के लिए साजिश रची। इनके बैंक खातों की जांच करवाए जाने की भी मांग की गई थी। इस बीच, आशीष और राकेश ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है कि उनके विरुद्ध दर्ज एफआइआर रद की जाए। दोनों याचिकाओं पर अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी।

तूफान प्रभावित प्रदेशों के सीएम को शाह ने दिया मदद का भरोसा

नई दिल्ली, प्रेट्र: गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को तूफान प्रभावित तीन प्रदेशों बंगाल, असम और मणिपुर के मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और यथासंभव मदद का भरोसा दिलाया। शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों को यथासंभव मदद मुहैया कराने की भी अपील की। बता दें कि रविवार को आए तूफान और भारी बारिश के कारण बंगाल, असम और त्रिपुरा में नौ लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग प्रभावित हुए हैं।

- भाजपा कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों की मदद की अपील की
- बंगाल, असम और त्रिपुरा में नौ की मौत, सैकड़ों लोग प्रभावित

बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में तूफान के कारण चार लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। असम में भी तूफान के कारण चार लोगों की मौत हो गई और तकरीबन 53 हजार लोग प्रभावित हुए। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी सलमारा-मनकचार जिले में ब्रह्मपुत्र में नाव पलटने से चार वर्षीय बच्चे सैमिन मंडल की मौत हो गई और दो लोग कोबट अली मंडल और आठ वर्षीय इस्माइल अली लापता हो गए। तूफान और आकाशीय बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं में कछार, पश्चिमी कार्बी आंगलोंग और उदालगिरी जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं छह लोगों को गंभीर हालत में

अमित शाह। फाइल फोटो

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, त्रिपुरा में शनिवार और रविवार को आए तूफान के कारण एक व्यक्ति श्यामल देबनाथ की मौत हो गई और सात परिवारों को राहत शिविरों में भेजना पड़ा। तूफान के कारण 800 घरों को नुकसान पहुंचा है। मिजोरम में भी भारी बारिश और तूफान के कारण कई घरों व चर्चों को नुकसान पहुंचा। अधिकारी ने बताया कि झोमुन और पालसांग गांव में 300 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा।

खुद को सुधारने, संवारने और निखारने का माध्यम है रोजा

रोजा खुद को सुधारने, संवारने और निखारने का माध्यम है। यह त्याग, तपस्या और समर्पण भाव के जरिये आत्ममंथन, आत्मचिंतन और आत्मअवलोकन की ऐसी प्रेरणा देता है, जिसके द्वार आध्यात्म की ओर खुलते हैं। यही कारण है कि दूसरे धर्मों में भी किसी न किसी स्वरूप में रोजा अथवा उपवास करने को कहा जाता है। इसके लिए अलग-अलग तरीके से निर्देश दिए गए हैं। इस्लाम में एक महीने के रोजे पूरे वर्ष मानवता के उत्तम आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। रमजान के मुकद्दस (पवित्र) महीने में रोजेदार शरीर को आत्मा की पवित्रता से परिचित कराने के लिए सूरज ढलने तक सिर्फ खाना पीना नहीं छोड़ता है, बल्कि इंद्रियों की सरकशी (दृढ़ता) से हर जंग भी लड़ता है। रोजा रखने वाले लोग खुदा की खुशनूदी (आशीर्वाद) हासिल करने के लिए हर नकारात्मक जज्बे पर काबू पाने का प्रयत्न करते हैं। साधना का यह महीना उन्हें रुहानी (आध्यात्मिक) तौर पर बल और साहस देता है, जो आने वाले साल के 11 महीने में जीवन को संतुलित बनाने और समाज में रचनात्मकता का प्रतीत बनकर जीने की राह दिखाता है।

प्रोफेसर वसीम बरेलवी, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शायर, बरेली

ईडी ने दिव्येश दर्जी समेत अन्य की 433 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, एएनआइ: ईडी ने गुजरात में क्रिप्टो करेंसी घोटाले में संलिप्तता के लिए यूके स्थित क्रिप्टो कंपनी बिटकनेक्ट के एशिया प्रमुख दिव्येश दर्जी और अन्य के खिलाफ मनी लांड्रिंग मामले में 433 करोड़ रुपये की चल संपत्ति जब्त की है। इस घोटाले में लोगों को उनके निवेश पर भारी रिटर्न पाने का लालच देकर लाखों रुपये की हेराफेरी की गई। जब्त की गई संपत्तियों में क्रिप्टोकरेंसी, सोना और नकदी शामिल है। ईडी ने सोमवार को कहा कि संपत्ति पीएमएलए 2002 के प्रविधान के तहत कुर्क की गई। ईडी ने दिव्येश दर्जी, सतीश कुंभानी, शैलेश भट्ट और अन्य आरोपितों के खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत सीआइडी गुजरात द्वारा दर्ज की गई एफआइआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी ने कहा कि जब्त की गई संपत्तियां संबंधित व्यक्तियों द्वारा उनकी वैध आय से हासिल नहीं की गई थीं।

लश्कर कमांडर तालिब शाह के ठिकानों पर सुरक्षाबल की दबिश

जागरण संवाददाता, राजौरी

- पत्नी, साले के साथ साथ राशन डीलर को पूछताछ के लिए उठाया

राजौरी के कोटरंका में कई बम धमाकों व अन्य आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे लश्कर कमांडर तालिब शाह के ठिकानों पर सोमवार को सुरक्षाबल ने दबिश दी और उसकी पत्नी व साले को हिरासत में ले लिया। साथ ही एक राशन डीलर को भी पूछताछ के लिए उठाया है। तीनों आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का संदेह है। तालिब शाह को तीन जुलाई, 2022 को रियासी जिले से गिरफ्तार किया था। साथ ही पुलिस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के शक में दो युवतियों का भी हिरासत में लिया है।

सोमवार दोपहर बाद सुरक्षाबल की टीमों ने संयुक्त रूप से कई ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान कालाकोट व आसपास के क्षेत्रों से कुछ दस्तावेज व अन्य सामान जब्त किया गया। सुरक्षाबलों ने अभी तक किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है। आशंका है कि यह क्षेत्र में आतंकवाद के संरक्षण और आतंकियों की मदद में लगे हुए थे।

ज्ञात हो, 2022 में तालिब शाह ने राजौरी के कोटरंका क्षेत्र में दहशत फैलाने के लिए चार धमाके करवाए थे। इन धमाकों में एक दंपती घायल हुआ था। इसके बाद तालिब इस क्षेत्र से निकलकर रियासी में जाकर छिप गया था। स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षाबल ने उसे एक अन्य साथी के साथ तीन जुलाई, 2022 को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद पूछताछ में तालिब शाह पर राजौरी के खांडली पुल क्षेत्र में ग्रेनेड हमले में शामिल होने की बात भी सामने आई थी, जिसमें एक बच्चे की मौत हुई थी।

फर्जी मुठभेड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा

नई दिल्ली, प्रेट्र: मुंबई पुलिस के पूर्व अधिकारी व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा ने 2006 के फर्जी मुठभेड़ मामले में बांबे हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। बांबे हाई कोर्ट ने उन्हें मामले में दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

गत 19 मार्च को हाई कोर्ट की जस्टिस रेवती मोहिते डेर और गौरी गोडसे की खंडपीठ ने शर्मा को गैंगस्टर छोटा राजन के सहयोगी रामनारायण गुप्ता के फर्जी मुठभेड़ में दोषी मानते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने शर्मा को बरी किए जाने के सत्र न्यायालय के 2013 के फैसले को रद कर दिया था। गत 11 नवंबर 2006 को पुलिस ने नवी मुंबई के वाशी इलाके से रामनारायण गुप्ता उर्फ लखन भैया को उसके दोस्त अनिल भेड़ा के साथ उठाया था और उसी शाम पश्चिमी मुंबई के वर्सोवा के पास उसे मार डाला था।

****

उड़ान में देरी के कारण नहीं पहुंचा काम पर, एअर इंडिया देगी हर्जाना

मिडडे, मुंबई

- जिला उपभोक्ता आयोग ने एअर इंडिया का लापरवाही का दोषी माना

बैंकाक-मुंबई उड़ान में 24 घंटे से अधिक की देरी के कारण एक यात्री समय से काम पर नहीं पहुंच सका था। वर्ष 2018 के इस मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने एअर इंडिया को लापरवाही का दोषी माना और शिकायतकर्ता को 85,000 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया।

प्राइवेट कंपनी के कर्मी मोहित निगम ने शिकायत में कहा, उड़ान को रविवार रात बैंकाक से रवाना होकर सोमवार सुबह मुंबई पहुंचना था, लेकिन विमान सोमवार को थाइलैंड से रवाना हुआ। इस कारण विमान के मुंबई पहुंचने में कई घंटों की देरी हुई। शिकायतकर्ता ने यह कहते हुए मुआवजे की मांग की कि उड़ान में देरी के कारण वह काम पर नहीं पहुंच सका और उसे शारीरिक और मानसिक परेशानी हुई।

मुंबई उपनगरीय जिला उपभोक्ता आयोग ने कहा, शिकायतकर्ता मुआवजे का हकदार है। मोहित ने आयोग के समक्ष सूचना के अधिकार के जरिये प्राप्त जानकारी पेश की, जिससे पता चला कि देरी एयरलाइन कंपनी की लापरवाही से हुई थी। अपने बचाव में एयरलाइन कंपनी ने कहा, उड़ान में देरी परिचालन कारणों से हुई, जिस पर उसका नियंत्रण नहीं है। यह उड़ान दिल्ली से बैंकाक आनी थी, फिर विमान को बैंकाक से मुंबई जाना था। विमान दिल्ली से ही देरी से रवाना हुआ।

आयोग ने कहा, एअर इंडिया को 60 दिनों के अंदर शिकायतकर्ता को शारीरिक व मानसिक पीड़ा, काम पर नहीं पहुंच पाने के लिए 75 हजार मुआवजा देना होगा। मुकदमे की लागत के तौर पर 10 हजार रुपये अलग से देने होंगे। हालांकि आयोग ने टिकट के रिफंड के मोहित के दावे को खारिज कर दिया।

मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाना चाहिए : मिलिंद परांडे

छत्रपति संभाजीनगर, प्रेट्र: विश्व हिंदू परिषद के संगठन महासचिव मिलिंद परांडे ने सोमवार को कहा, मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, विहिप इस मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए अधिवक्ताओं, पूर्व न्यायाधीशों, बुद्धिजीवियों, आध्यात्मिक नेताओं और अन्य लोगों को शामिल करते हुए थिंक टैंक स्थापित कर रही है।

मिलिंद परांडे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, विहिप यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश वअफगानिस्तान के हिंदू शरणार्थियों को हाल ही में अधिसूचित नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत शीघ्र भारतीय नागरिकता मिले। हम यह सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम चलाएंगे कि हर कोई राष्ट्र व हिंदू हित के बारे में सोचे। अगर हिंदुओं के अनुकूल नीतियां बनानी हैं, तो इसे ध्यान में रखते हुए मतदान करना चाहिए।

अमेरिकी टकसाल अधिनियम ने डालर को मुद्रा के रूप में स्थापित किया

1792 में आज ही के दिन अमेरिका ने टकसाल अधिनियम पारित किया था। इसी अधिनियम ने फिलाडेल्फिया में टकसाल की स्थापना की और अमेरिकी डालर को मुद्रा के रूप में स्थापित किया। इससे पहले यहां किसी वस्तु को खरीदने के लिए भुगतान सोने या चांदी में किया जाता था।

28 साल बाद क्रिकेट विश्वकप जीतकर भारत ने रचा इतिहास

2011 में आज ही भारतीय क्रिकेट टीम ने वानखेड़े स्टेडियम में क्रिकेट विश्वकप के फाइनल मैच में श्रीलंका को छह विकेट से हराकर इतिहास रचा था। महेंद्र सिंह धौनी की 91 रनों की नाबाद पारी का अहम योगदान रहा। इससे पहले 1983 में भारत ने विश्वकप जीता था।

गोवा को पुर्तगालियों से मुक्त कराने में टीबी कुन्हा का था योगदान

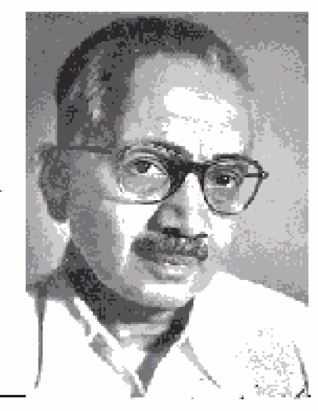

टीबी कुन्हा का जन्म 1891 में आज ही के दिन गोवा में हुआ था। गोवा को भारत में मिलाने के पक्षधर कुन्हा ने वर्ष 1928 में पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध गोवा कांग्रेस कमेटी की स्थापना की। फोर हंड्रेड इयर्स आफ फारेन रूल और द डिनेशनलाइजेशन आफ गोवान्स जैसी किताबें लिखकर पुर्तगाली शासन की निंदा की। वर्ष 1946 में मार्गो में प्रसिद्ध सामूहिक सभा का आयोजन कर गोवा मुक्ति आंदोलन को गति दी। इसके लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ा और जेल भी जाना पड़ा। 26 सितंबर, 1958 को उनका निधन हो गया।

इधर-उधर की

...जब घोड़े से पुलिस ने किया चोर का पीछा

एक मिनट से भी कम समय में चोर को दबोचा। इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, एजेंसी : अब तक आपने कई बार कार या बाइक से पुलिस को चोरों का पीछा करते हुए देखा होगा, लेकिन अमेरिका के न्यू मेक्सिको में एक पुलिसकर्मी ने घोड़े से न केवल चोर का पीछा किया, बल्कि एक मिनट के अंदर उसे पकड़ भी लिया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। बाडीकैम फुटेज में देखा जा सकता है कि घोड़े पर सवार पुलिसकर्मी ने एक स्टोर से संदिग्ध युवक को भागते हुए देखकर उसे रुकने लिए कह रहा है, लेकिन वह युवक रुकने के बजाय भागने लगता है। यह देखकर पुलिस तुरंत हरकत में आ गई और घोड़ा लेकर उसके पीछे दौड़ पड़ी। बेशक यह रोमांचक दृश्य कुछ क्षणों के लिए ही रहा। पुलिस ने पीछा करके उसे एक मिनट के भीतर ही उसे दबोच लिया। चोर स्टोर से 230 डालर का सामान चुराकर भाग रहा था। इधर, इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद यूजर्स द्वारा एक ओर जहां मेक्सिको पुलिस के लिए तारीफों के पुल बांधे जा रहे हैं, वहीं कुछ लोग तरह-तरह के रोचक कमेंट लिख रहे हैं।

भूल सुधार : दैनिक जागरण के एक अप्रैल के अंक में देश-विदेश पेज के मत्थे पर 'वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में प्रोफेसर पारिजा ने दिया था अहम योगदान' शीर्षक से प्रकाशित सामग्री में प्राण कृष्ण पारिजा की जन्म तिथि गलत चली गई है। उनका जन्म 1819 में नहीं 1891 में हुआ था। पाठकों को हुई इस असुविधा के लिए खेद है।

देशभर में सी-सेक्शन से प्रसव की संख्या में चार गुना वृद्धि

छत्तीसगढ़ में दर दस गुना और तमिलनाडु में तीन गुना

नेशनल डेस्क, नई दिल्ली

यह तो हम सब जानते हैं कि प्रसव पीड़ा से बचने और जटिलताओं को कम करने के लिहाज से विश्व भर में सिजेरियन डेलिवरी यानी सी-सेक्शन का चलन बड़ा है लेकिन क्या आपको यह पता है कि बीते पांच सालों में यह चलन चार गुना बढ़ गया है। आइआइटी मद्रास के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के शोधार्थियों ने इस पर तुलनात्मक अध्ययन कर यह बताया है कि देशभर में वर्ष 2016-2021 के बीच अध्ययन की अवधि में निजी स्वास्थ्य सुविधाओं पर प्रसव कराने वाली महिलाओं में सी-सेक्शन होने की संभावना चार गुना अधिक थी। छत्तीसगढ़ में, महिलाओं को निजी अस्पताल में सी-सेक्शन द्वारा प्रसव कराने की संभावना दस गुना अधिक थी, जबकि तमिलनाडु में, उनके पास तीन गुना अधिक संभावना थी। हाल ही में यह शोध पत्रिका बीएमसी प्रेग्नेंसी एंड चाइल्डबर्थ में प्रकाशित हुआ है। सिजेरियन सेक्शन (सी-सेक्शन) डिलीवरी एक सर्जिकल तकनीक है, जिसमें एक या अधिक शिशुओं को जन्म देने के लिए मां के पेट में चीरा लगाया जाता है। जटिल परिस्थितियों में यह तकनीक जीवनरक्षक हो सकती है, लेकिन प्रसव के बाद और अधिक उम्र में महिलाओं को इसके दुष्परिणाम सहने पड़ते हैं। साथ ही सामान्य प्रसव की तुलना यह खर्चीली तकनीक है।

सी-सेक्शन। फाइल

उच्च जोखिम प्रसव की श्रेणी के मुख्य कारक

- मां की उम्र 18 वर्ष से कम या 34 वर्ष से अधिक हो
- दो बच्चों के जन्मों के बीच का अंतराल 24 महीने से कम होना
- चौथा या उससे अधिक बच्चों का होना

2016-2021 के बीच की अवधि डाटा का किया अध्ययन

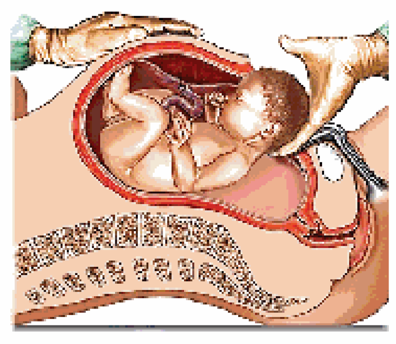

अध्ययन के लिए दो राज्यों का चयन

इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ को चुना। चिकित्सकीय सुविधा के मद्देनजर इसमें से एक राज्य उन्नत है और एक में सुविधाओं की कमी के साथ ही बड़ा वर्ग आदिवासी समुदाय से जुड़ा हुआ है। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि पूरे भारत और छत्तीसगढ़ में आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों द्वारा सी-सेक्शन का विकल्प चुनने की अधिक संभावना देखी गई जबकि तमिलनाडु में गरीब वर्ग में निजी अस्पतालों में सी-सेक्शन होने की अधिक संभावना देखी गई।

- अधिक वजन वाली महिलाओं और 35-49 वर्ष की आयु वाली महिलाओं में सिजेरियन डिलीवरी की संभावना क्रमश : कम वजन वाली महिलाओं और 15-24 वर्ष की आयु वाली महिलाओं की तुलना में दोगुनी थी।
- अधिक वजन वाली महिलाओं का अनुपात तीन से बढ़कर 18.7 प्रतिशत हो गया
- 35-49 आयु वर्ग की महिलाओं का अनुपात 11.1 प्रतिशत से थोड़ा कम होकर 10.9 प्रतिशत हो गया।

आइआइटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने किया अध्ययन

आइआइटी मद्रास के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के शोधार्थियों में शामिल वार्शिनी नीति मोहन और डा. पी शिरिपा, डा. गिरिजा वैद्यनाथन और प्रो वीआर मुरलीधरन के अनुसार इस अध्ययन के परिणामों को जानने से पहले यह जानना जरूरी है कि सी-सेक्शन को किन परिस्थितियों में ठीक ठहराया जा सकता है। उन पैमानों से तुलना करने पर ही इस अस्वाभाविक वृद्धि के पीछे क्या कारण है।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सी-सेक्शन की अनुशंसित दर 10% से 15% के बीच है

वर्ष	सरकारी	निजी
2016	17.2%	43.1%
2021	21.5%	49.7%

(यानी एक निजी क्षेत्र में रोजाना दो प्रसव सी-सेक्शन से होते हैं)

पांच साल में देशबर में सी- सेक्शन का प्रचलन इस तरह बढ़ा

निष्कर्ष : गर्भावस्था संबंधि जटिलताओं वाली महिलाओं में सी-सेक्शन 2.7 प्रतिशत घटा तो संख्या में बढ़ोत्तरी क्यों अध्ययन के तथ्यों से स्पष्ट है कि गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं वाले लोगों का अनुपात 42.2 से घटकर 39.5 प्रतिशत हो गया। यानी उन्नत चिकित्सकीय सेवा या गैर नैदानिक कारकों से सी-सेक्शन की दर में गिरावट आई है। ऐसे में बड़ सवाल यह है कि देशभर में इसकी संख्या क्यों बढ़ रही है।

रीढ़ की हड्डी में चोट के बाद स्टेम सेल थेरेपी सुरक्षित : अध्ययन

न्यूयार्क, आइएएनएस : स्टेम सेल थैरेपी दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोटों से पीड़ित लोगों के लिए एक सुरक्षित विकल्प हो सकती है। अमेरिका में हुए क्लिनिकल ट्रायल के पहले चरण में आए परिणाम के बाद इस बात की पुष्टि हुई है।

यह शोध रीढ़ की हड्डी में चोट या पक्षाघात के कारण अपंग हो चुके लोगों के लिए यह शोध उम्मीद की रोशनी है। रोगी की खुद की वसा से प्राप्त स्टेम कोशिकाएं उनके अंगों में संवेदनाएं लौटाने और उनकी गति में सुधार करने में मदद कर सकती हैं। हाल ही में यह शोध नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित हुआ। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि दुनिया भर में हर साल 250,000 से 500,000 लोग रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित होते हैं। शोध में शामिल मेयो क्लिनिक के न्यूरोसर्जन मोहम्मद बाइडन ने कहा कि यह अध्ययन स्टेम कोशिकाओं और पुनर्योजी चिकित्सा

ट्रायल का पहला चरण पूरा, शोध में 10 वयस्कों को किया गया शामिल

की सुरक्षा और संभावित लाभ का दस्तावेजीकरण करता है। इस अध्ययन में 10 वयस्कों को शामिल किया गया। इनमें से सात ने पिनप्रिक और हल्के स्पर्श के साथ परीक्षण करने पर संवेदना में वृद्धि, मांसपेशी समूहों में ताकत में वृद्धि जैसे सुधार प्रदर्शित किए, जबकि शेष तीन रोगियों में कोई सुधार नहीं दिखा, लेकिन परीक्षण से पता चला कि स्थिति खराब नहीं हुई। कोई गंभीर प्रतिकूल घटना दर्ज नहीं की गई। सिरदर्द और मस्कुलोस्केलेटल दर्द थे, जो जल्द ठीक हो गए। डा. बाइडन ने कहा, भले ही रीढ़ की हड्डी में अपनी कोशिकाओं की मरम्मत करने या नई कोशिकाएं बनाने की क्षमता सीमित होती है, लेकिन हल्का-सा सुधार भी मरीज के जीवन की गुणवत्ता में अंतर ला सकता है।

ईस्टर पर अग्नि प्रतियोगिता

नीदरलैंड के होल्टरब्रोक में ईस्टर सप्ताह पर वार्षिक अग्नि प्रतियोगिता के दौरान लगी अग्नि। ईस्टर पर जर्मनी-नीदरलैंड जैसे देशों में अलाव जलाने की काफी प्राचीन परंपरा है। मान्यता है कि आत्मा की शुद्धता के लिए ईस्टर की आग जलाई जाती है। इस मौके पर अलग-अलग सैकड़ों स्थानों पर आग जलाकर लोग जश्न मनाते हैं। एएफपी

डायबिटीज मरीजों में हाई ब्लड प्रेशर से बढ़ सकता है स्ट्रोक का जोखिम

अनुसंधान

डायबिटीज और हाइपरटेंशन दोनों विश्व की बड़ी स्वास्थ्य चिंताएं हैं। एक ताजा शोध में पाया गया है कि सामान्य लोगों की तुलना में हाई ब्लड प्रेशर वाले डायबिटीज मरीजों में स्ट्रोक का जोखिम दो से चार गुना बढ़ जाता है। शोध का निष्कर्ष डायबिटीज एंड एएमपी, मेटाबोलिक सिंड्रोम जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

चीन के सेकेंड जियांग्या हास्टपिल आफ सेंट्रल साउथ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने कहा कि जब हार्ट बीट बढ़ता है तो धमनियों पर दबाव पड़ता है। इससे टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों में स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि टाइप-2 डायबिटीज मरीजो में बेसलाइन ब्लड प्रेशर की अपेक्षा कम्यूलेटिव सिस्टलिक ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक का जोखिम बढ़ाता है। शोध टीम ने अपने अध्ययन में 8,282 प्रतिभागियों को शामिल किया। 6.36 वर्ष के फालोअप में पाया गया कि 324 (3.91 प्रतिशत) मरीजों में कोई भी और 305 (3.68 प्रतिशत) मरीजों में गैरघातक स्ट्रोक की घटनाएं पाई गईं। कम्यूलेटिव सिस्टलिक ब्लड प्रेशर और पल्स प्रेशर स्वतंत्र रूप से स्ट्रोक का जोखिम पैदा करते हैं। शोध टीम ने कहा कि कम्यूलेटिव बीपी और स्ट्रोक के बीच एक संबंध की पहचान की गई और पारंपरिक जोखिम कारक ने सिस्टलिक ब्लड प्रेशर से मिलकर जोखिम को और बढ़ा दिया। इससे अपंगता के साथ मृत्यु का जोखिम भी बढ़ जाता है। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

एक बार फिर साथ आ सकते हैं अल्लू अर्जुन और सामंथा

दिखेगा सामंथा का एक्शन अवतार (इंस्टाग्राम) @samantharuthprabhuoffl

पिछले साल प्रदर्शित शाह रुख खान अभिनीत फिल्म जवान की सफलता के बाद निर्देशक एटली कुमार ने देशव्यापी लोकप्रियता बटोरी। हालांकि, उसके बाद उन्होंने अभी तक अपनी आगामी फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। उनकी कोशिश है कि जवान से मिली लोकप्रियता और सफलता के सिलसिले को आगे भी बढ़ाया जाए। इस क्रम में उनकी आगामी फिल्म को लेकर कई कयास सामने आए। जिनमें कभी शाह रुख, कभी सलमान खान तो कभी रणबीर कपूर के उनकी अगली फिल्म में काम करने का दावा किया गया। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, एटली अपनी अगली फिल्म किसी हिंदी सिनेमा के सितारे के साथ नहीं, बल्कि फिल्म पुष्पा फेम अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ बना रहे हैं। अल्लू फिलहाल अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म पुष्पा की सीक्वल पुष्पा : द रुल की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच उन्होंने एटली की फिल्म को भी अपनी स्वीकृति दे दी है। दोनों के बीच बातचीत पिछले कई महीनों से चल रही है। इतना ही नहीं इस फिल्म के लिए एटली ने अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु से भी संपर्क किया है। एटली की योजना दोनों ही कलाकारों के साथ एक बड़े स्तर की अखिल भारतीय (पैन इंडिया) फिल्म बनाने की है। सामंथा ने भी दिलचस्पी दिखाई है। एटली की योजना अक्टूबर महीने से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की है।

सुपरहीरो बनने की ख्वाहिश रखते हैं वुल्वरिन को आवाज देने वाले शरद

सुपरहीरो बनने का मौका कलाकारों को कम ही मिलता है, क्योंकि ऐसी फिल्में ही हिंदी में गिनती की हैं। अभिनेता शरद केलकर को यह मौका हाल ही में आई आडिबल की ओरिजनल पाडकास्ट सीरीज मार्वल्स वेस्टलैंडर्स – वूल्वरिन में मिला। इसमें उन्होंने मुख्य किरदार और सुपरहीरो वुल्वरिन के लिए हिंदी में आवाज रिकार्ड की। केवल आडियो में सुपरहीरो बनने का अनुभव बताते हुए शरद कहते हैं कि इसमें सहूलियत थी, क्योंकि मुझे किसी के चेहरे के भावों के साथ अपनी आवाज को मैच नहीं करना था। यहां एक आजादी थी, मैं अपने तरीके से संवाद कह सकता था। वुल्वरिन की उम्र इस सीरीज में ज्यादा है, तो मुझे आवाज के साथ बदलाव करना था। थोड़ी भारी आवाज में संवाद बोलने थे, तो वह चुनौतीपूर्ण था। एक दो घंटे के बाद आवाज बैठ जाती थी। कलाकार की जीत इसी में है कि मेहनत के बाद लोग उसे अपना लेते हैं। क्या कभी शरद खुद किसी फिल्म में सुपरहीरो बनना चाहेंगे? इस पर वह कहते हैं कि हां, क्यों नहीं। मैं तो बचपन में बहुत कामिक्स पढ़ता था, जिसमें सुपर कमांडर ध्रुव, इंद्रजाल कामिक्स हुआ करती थी। आजकल के बच्चों को कामिक्स के किरदार बिल्लू पिंकी, चाचा चौधरी यह सब पता ही नहीं है। इसका कारण यही है कि हमने कामिक्स को जीवित नहीं रखा। अब तो बच्चे वीडियो ज्यादा देखते हैं। कामिक्स कहां पढ़ पाते हैं।

कामिक्स पढ़ने का शौक शरद को बचपन से रहा है। फाइल

विवेक ने खोला अपना राज... बहुत कुछ झेलने के बाद ही आती है यह 'मुस्कान'

फिल्म इंडस्ट्री में आसपास इतनी प्रतिस्पर्धा है कि हर वक्त चेहरे पर मुस्कान रखना संभव नहीं होता है। हालांकि अभिनेता विवेक ओबेराय अक्सर मुस्कुराते हुए नजर आते हैं। अपनी इस मुस्कान के पीछे का राज बताते हुए वह कहते हैं कि बहुत कुछ झेलने के बाद ही इंसान इस स्थिति तक पहुंच सकता है। वह तपस्या आपको करनी ही पड़ेगी, चाहे किसी भी रूप में हो। मैंने भी तपस्या की है। अब भीतर एक संतुष्टि है। जब व्यक्ति अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर आत्मनिर्भर हो जाता है, तो उसका आत्मविश्वास अलग स्तर पर पहुंच जाता है।आपको लगता है कि सब बढ़िया है। मेरा बिजनेस अच्छा चल रहा है। अब उस स्तर पर हूं कियुवा बिजनेसमैन का मार्गदर्शन करता हूं। उसकी वजह से जीवन में स्थिरता आ जाती है। उसके बाद घर की बारी आती है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि इस तरह के माता-पिता और पत्नी मिली हैं। वे स्तंभ हैं, जिससे घर की नींव मजबूतहै। अगर वह नींव हिल गई तो ढांचा गिर जाएगा। यही वास्तविक सुख होता है। बाक्स आफिस नंबर्स का क्या है कभी दो जीरो बढ़ जाएंगे, कभी दो जीरो घट जाएगा। सुख यही है कि चिड़िया की आवाज सुनते हुए सुबह चाय पीना, एकदूसरे से बातें करना वास्तविक खुशी और कमाई वही है। अगर वह समय आप कमा पाए,तो उससे बड़ा कुछ नहीं।

किसी स्पर्धा में नहीं रहना चाहते हैं विवेक

कभी भी कोई किसी की किस्मत नहीं बना सकता है : रुबीना

पंजाबी फिल्मों में भी कदम रख दिया है रुबीना ने (इंस्टाग्राम) @rubinadilaik

फिल्म की रिलीज नजदीक हो, तो प्रमोशन करना तो बनता ही है। रियलिटी शो बिग बास 14 की विजेता रुबीना दिलैक भी इन दिनों अपनी पंजाबी फिल्म चल भज चलिए का प्रमोशन कर रही हैं। अब तक फिल्म के प्रमोशन में कम ही नजर आईं रुबीना ने सोमवार को इंस्टाग्राम लाइव के दौरान अपने प्रशंसकों की नाराजगी को दूर किया, जिसमें ये कहा जा रहा था कि उन्हें ठीक से प्रमोट नहीं किया जा रहा है। लाइव पर रुबीना ने कहा कि कभी भी कोई किसी की किस्मत नहीं बना सकता है। हमें अपनी किस्मत खुद बनानी पड़ती है। मेरे लिए मेरा काम और आपका साथ सबसे अहम है। उसके आगे-पीछे कुछ भी मायने नहीं रखता है। पंजाबी फिल्म में मेरा पहला कदम है। रोल छोटा हो या बड़ा, अगर आर्टिस्ट ने अपना योगदान उसमें दिया है, तो आपकी सराहना मायने रखती है। कलाकार एक लाइन कहकर भी फिल्म में छा जाता है और उम्रभर उसे उस किरदार के लिए याद किया जाता है। मैं यही कहूंगी कि मेरा काम देखें। जो लोग फिल्म बनाते हैं, अपना पैसा लगाते हैं, उन्हें आजादी होती है यह तय करने कि उन्हें किसे और कितने बड़े पैमाने पर प्रमोट करना है।

वरुण-जाह्नवी ने स्क्रिप्ट पूरी होने से पहले ही दे दी थी स्वीकृति

साल 2014 में प्रदर्शित फिल्म हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया में फिल्मकार शशांक खेतान ने पहली बार अभिनेता वरुण धवन तथा अभिनेत्री आलिया भट्ट को निर्देशित किया था। उसके बाद दोनों कलाकारों के साथ दुल्हनिया फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने साल 2017 में फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया बनाई। इस फ्रेंचाइजी की दोनों ही फिल्में टिकट खिड़की पर सफल रहीं। बीते दिनों खबरें आईं कि वरुण, आलिया और निर्माता करण जौहर के साथ शशांक दुल्हनियां फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म पर भी काम कर रहे हैं। इस बीच गत फरवरी में शशांक ने करण के धर्मा प्रोडक्शन के अंतर्गत ही वरुण और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की घोषणा कर दी। हालांकि यह दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की फिल्मों से पूरी तरह अलग होगी। इस फिल्म को लेकर शशांक बताते हैं, 'इस फिल्म के माध्यम से मुझे फिर से एक बहुत ही प्यारी प्रेम कहानी बताने का मौका मिला है। एक ऐसी दुनिया तैयार करने का मौका, जिससे मैं चिर परिचित हूं और उसके लिए मुझे हमेशा दर्शकों का प्यार मिला है। मुझे यकीन है कि इस फिल्म से कलाकारों को भी बहुत प्यार मिलेगा।' साल 2022 में ओटीटी पर रिलीज फिल्म गोविंदा नाम मेरा के बाद शशांक 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का निर्देशन करेंगे।

खदेश में ही होगी शूटिंग: फिल्म की शूटिंग योजनाओं को लेकर शशांक बताते हैं, 'हमारी योजना फिल्म को 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज करने की है। हम आगामी मई से इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। फिल्म की पूरी कहानी भारतीय पृष्ठभूमि पर ही आधारित होगी। इसलिए फिल्म की पूरी शूटिंग भारत के ही अलग-अलग शहरों में होगी। फिल्म का शीर्षक फिल्म के बारे में काफी कुछ बताता है। धीरे-धीरे लोगों को इस शीर्षक का रहस्य पता चलता जाएगा।'

वरुण और जाह्नवी पहली पसंद: इस फिल्म की स्क्रिप्ट वरुण और जाह्नवी दोनों को ध्यान में रखते हुए ही तैयार की गई थी। शशांक बताते हैं, 'वरुण और जाह्नवी दोनों से ही मेरा पुराना नाता रहा है। वरुण ने मेरी दो फिल्मों में काम किया है। जाह्नवी ने मेरे साथ फिल्म धड़क की है। जब मैं यह कहानी लिख रहा था तो मुझे लगा कि यह फिल्म दोनों को एक साथ लाने का बहुत अच्छा मौका है। दोनों ही स्क्रिप्ट पूरी होने से पहले ही यह फिल्म करने के लिए मान गए थे। दरअसल, स्क्रिप्ट के लेखन चरण से ही दोनों ने इस फिल्म में खूब दिलचस्पी दिखाई।' वरुण और जाह्नवी की जोड़ी इससे पहले नीतेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'बवाल' में नजर आ चुकी है।

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण के साथ नजर आएंगी जाह्नवी ● मिडडे आर्काइव

दुल्हनिया फ्रेंचाइजी के लिए अच्छी कहानी की तलाश जारी

निर्माता करण जौहर के साथ शशांक दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म की कहानी पर भी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने संकेत दिया कि इस फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म भी वरुण और आलिया के साथ ही बनेगी। शशांक कहते हैं, 'हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि हम इस सीरीज की अगली फिल्म बनाए। हालांकि, हम सिर्फ फ्रेंचाइजी के नाम पर जबरदस्ती कुछ भी नहीं बनाना चाहते हैं। जैसे ही हमें इस फ्रेंचाइजी के लिए कोई अच्छी कहानी मिलेगी, हम सभी को इस सीरीज को आगे बढ़ाने में बहुत खुशी होगी।'

आडिशन से मिली साइलेंस 2 : पारुल

जी5 साल 2021 में आई अपनी फिल्म साइलेंस : कैन यू हीयर इट की सीक्वल साइलेंस 2 : द नाइट आउल बार शूटआउट लेकर आ रहा है। फिल्म में मनोज बाजपेयी और प्राची देसाई एक बार फिर पुलिस अधिकारी की भूमिकाओं में दिखेंगे। इस बार फिल्म से हे प्रभु वेब सीरीज अभिनेत्री पारुल गुलाटी भी जुड़ने जा रही हैं। पारुल को यह फिल्म आडिशन से मिली है। मनोज के साथ काम करने को लेकर पारुल ने बताया, 'आडिशन के बाद जब मुझे मैसेज आया कि मैं सिलेक्ट हो गई हूं और फिल्म में मनोज बाजपयी के साथ काम करूंगी, तो मैं सोच रही थी कि क्या करूं कि मनोज सर पर मेरा ऐसा प्रभाव पड़े की वह मुझे भूले नहीं। फिर मुझे लगा कि नहीं ऐसा नहीं करना चाहिए। मैं लकी हूं कि कम से कम उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा है। मेरे दो मुख्य सीन सर के साथ हैं। मुझे लगा कि मुझे इसे दमदार बनाना है। मैं सोच रही थी वह मेरा मार्गदर्शन करेंगे कि मैं कैसे करूं। उनके साथ काम करके समझ आया कि महान कलाकार की पहचान यही होती है कि वह आपको बताते नहीं है कि क्या करना हैं। वह आपके काम में हस्तक्षेप नहीं करते। वह बेहद प्रोफेशनल रहे।'

मनोज बाजपयी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी पारुल ● टीम पारुल

अप्रैल फूल बनाकर खुद ही परेशान हो गए तनुज वीरवानी

अप्रैल फूल यानी एक अप्रैल के अवसर पर अक्सर लोग दूसरों को बेवकूफ बनाने कोशिश करते हैं। कई बार अपना ही मजाक खुद पर भारी पड़ जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ इनसाइड एज अभिनेता तनुज वीरवानी के साथ। सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपनी एक पोस्ट से लोगों को अप्रैल फूल बनाना उनके लिए परेशानी का सबब बन गया। दरअसल, सोमवार को तनुज ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह एक्टिंग से रिटायर हो रहे हैं। यह पढ़कर हर कोई हैरान रह गया। उन्हें लोगों के फोन आने शुरू हो गए जिससे वह काफी परेशान हो गए। तनुज ने बताया, 'मैंने अप्रैल फूल बनाया था। अचानक से दिमाग में आइडिया आया कि मैंने कभी ऐसा मजाक नहीं किया है। सोचा थोड़ा मस्ती करते हैं। मुझे नहीं पता था उसकी ऐसी प्रतिक्रिया मिलेगी। जल्द ही पोस्ट करूंगा कि यह मजाक था। एक्टिंग छोड़ने का मेरा कोई इरादा नहीं हैं। एक्टर बनने का यह सुनहरा समय है, जहां टीवी, डिजिटल प्लेटफार्म और फिल्मों में काम कर सकते हैं।' तनुज आगामी दिनों में केके मेनन के साथ वेब सीरीज मुर्शिद में नजर आएंगे। यह पिता-पुत्र पर आधारित कहानी होगी। जानी जंपर फिल्म के अलावा वह एक रोमांटिक कामेडी फिल्म भी कर रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफार्म और सिनेमा दोनों माध्यमों पर सक्रिय हैं तनुज

****

📰 👇 PREMIUM NEWSPAPERS 👇 📰
👉 IF YOU WANT TO GET EARLY MORNING FAST UPDATE OF NEWSPAPERS JOIN OUR TELEGRAM CHANNEL.
👇 ENGLISH NEWSPAPER 👇
The Hindu, Business Line,Times of India,The Economic Times,Economic Times Wealth, Mirror,Maharashtra Times,Hindustan Times, Mint,Indian Express,
Financial Express, New IndianExpress,Business Standard(Hindi English),Mid-Day(English Gujarati),Deccan Chronicle,The Tribune,Brill Express, The Asian Age, The Telegraph,Hans India,The Gaon,The Statesman,Employment News, English Editorial
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/MagzNewspaper

👇 INTERNATIONAL NEWSPAPER 👇
Gulf of Times,The New York Times, Financial Times, The Washington Post,New York Post, Los Angeles Times, USA Today,The Wall Street Journal, The Guardian,The Times,The New Yorker, Youth Ink
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/PaperMagzine
👇 राष्ट्रीय हिन्दी न्यूजपेपर 👇
दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर ,दिव्य भास्कर,हिंदुस्तान ,नवभारत टाइम्स,अमर उजाला,पजाब केसरी,लोकमत,जनसत्ता, लोकसत्ता,दैनिक ट्रिब्यून,राष्ट्रीय सहारा,इंडिया न्यूज,दिल्ली राजस्थान पत्रिका,रोजगार समाचार, हिंदी एडिटोरियल
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/HuB_Newss
👇 राजस्थान न्यूजपेपर 👇
सच कहूं,सीमा संदेश,पंजाब केसरी,इंडिया न्यूज़,
👇 ਪੰਜਾਬੀ ਪੇਪਰ 👇
ਸੱਚ ਕਹੂੰ,ਪੰਜਾਬੀ ਟ੍ਰਿਬਿਊਨ
👇 हरियाणा न्यूजपेपर 👇
👇 हरियाणा मुख्य 👇
ट्रिब्यून,सच कहूं,उत्तम हिंदू,एक्शन इंडिया,पायनियर,देश रोजाना,जागरण,भास्कर,पंजाब केसरी,हरिभूमि,जगत क्रांति,दैनिक सवेरा, हिन्दुस्तान,हरियाणा वाटिका,आज समाज,Hindustan Times,The Tribune,Vatika Times
👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL 👇
👉 https://t.me/MagzNewspaper
👇 हरियाणा लोकल 👇
अमर उजाला,भास्कर,जागरण,हरिभूमि,पंजाब केसरी,दैनिक सवेरा
👇 TAMIL & TELUGU NEWSPAPER 👇
Eenadu ap ts Telangana Today Hyderabad Telangana ts prajaskthi ts ts Sakshi ts Surya ts Jyoti ts vaartha dinamani tiruchy madurai coimbatore chennai Ap Surya vaartha Sakshi Jyothi andhraprabha Janmabhumi Kottayam Kochi Kannur Bangalore Kozhikode Thrissur Deshabhimani Thrissur palakkad Kannur Kottayam ernakulam Kozhikode
👇 JOIN BACKUP CHANNEL 👇
👉 https://t.me/BackUPTeleg
SEARCH ON TELEGRAM TO JOIN PREMIUM GROUP
👉 @VB25000

CONTACT https://t.me/ 919024825000

🙏

👇📚ENGLISH MAGAZINE📚👇

👉 GET ALL FAST UPDATE OF ALL HINDI ENGLISH MAGAZINE JOIN OUR TELEGRAM CHANNEL.

Frontline,SportStar,Business India,Banking Finance,Cricket Today,Mutual Fund Insight,Wealth insight,Indian Economy & Market,The Insurance Times,Electronics For You,Open Source For You,Mathematics Today,Biology Today,Chemistry Today,Physics For You,Business Today,Woman Fitness India,Grazia India,Filmfare India,Femina India,India Legal,Rolling Stone India,Bombay Filmfame,Outlook,Outlook Money,Careers 360,Outlook Traveller,India Strategic,Entertainment Updates,Outlook Business,Open,Investors India,Law Teller,Global Movie,The Week India,Indian Management,Fortune India,Dalal Street Investmemt Journal,Scientfic India,India Today,HT Brunch,Yoga and Total Health,BW BusinessWorld,Leisure India Today,Down To Earth,Pratiyogita Darpan,Marwar India,Champak,Woman's Era,The Caravan,Travel Liesure India,Business Traveller,Rishi Prasad,Smart investment,Economic and political weekly,Forbes india,Health The Week, Josh Government JOBS,Josh Current Affairs,Josh General Knowledge,Electronic For You Express,Josh Banking And SSC,Highlights Genius,Highlights Champ,Global Spa,Bio Spectrum,Uday India,Spice India Today,India Business Journal,Conde Nast Traveller,AD Architectural Digest,Man's world,Smart Photography India,Banking Frontiers,Hashtag,India Book Of Records,ET Wealth,Vogue india,Yojana,Kurukshetra

👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL👇
👉 https://t.me/MagzNewspaper

👇📚हिन्दी मैगजीन📚👇

समय पत्रिका,साधना पथ,गृहलक्ष्मी,उदय इंडिया,निरोगधाम,मॉडर्न खेती ,इंडिया टुडे,देवपुत्र,क्रिकेट टुडे,गृहशोभा,अनोखी हिन्दुस्तान,मुक्ता,सरिता,चंपक,प्रतियोगिता दर्पण,सक्सेस मिरर,सामान्य ज्ञान दर्पण,फार्म एवं फूड,मनोहर कहानियां,सत्यकथा,सरस सलिल,स्वतंत्र वार्ता लाजवाब,आउटलुक,सच्ची शिक्षा,वनिता,मायापुरी,इंडिया हेल्थ,रूपायन उजाला,ऋषि प्रसाद,जोश रोजगार समाचार,जोश करेंट अफेयर्स,जोश सामान्य ज्ञान,जोश बैंकिंग और एसएससी,इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,राजस्थान रोजगार संदेश,राजस्थान सूजस,सखी जागरण,अहा! जिंदगी,बाल भास्कर,योजना,कुरूक्षेत्र,हिन्दुस्तान जॉब्स

👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL👇
👉 https://t.me/PaperMagzine

Like other groups, this list is not just written, we will make these magazine available to you with 100% guarantee.

👇 JOIN TELEGRAM CHANNEL👇
👉 https://t.me/HuB_Newss

You will get the updates of all these magazines first in the premium group.

👇 JOIN BACKUP CHANNEL👇
👉 https://t.me/BackUPTeleg

SEARCH ON TELEGRAM TO JOIN PREMIUM GROUP
👉 @VB25000
Contact 👉https://t.me/ 919024825000

🙏